खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | बुधवार, 28 मई, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-7 | अंक-146

पहलगाम पहुंचे जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री

जहां हिंदुओं का खून बहा, वहां गोल्फ खेल रहे फारूक अब्दुल्ला

पहलगाम, 27 मई (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में एक महीने पहले आतंकवादियों ने चुन-चुन कर हिंदू पर्यटकों को मारा था। पाकिस्तान के खिलाफ शुरू हुआ ऑपरेशन सिंदूर उस जख्म को भरने की धीरे-धीरे कोशिश कर रहा है। उस घटना से पूरा देश आज तक हतप्रभ है। जिस जगह धर्म के नाम पर अधर्म का नृशंस कृत्य हुआ, ठीक उसी जगह पर आज जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और सत्तारूढ़ पार्टी नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला शाहंशाहाना अंदाज में गोल्फ खेलते नजर आए। देश के लोगों को यह समझ में नहीं आया कि दो दर्जन से अधिक हिंदुओं की हत्या पर फारूक अब्दुल्ला गोल्फ-क्रीड़ा के जरिए श्रद्धांजलि दे रहे थे या मखौल उड़ा रहे थे। पार्टी कहती है कि पहलगाम घटना के बाद कश्मीर से उजड़े पर्यटन को बहाल करने के लिए फारूक अब्दुल्ला गोल्फ खेल रहे थे और उनके मुख्यमंत्री-पुत्र उमर अब्दुल्ला पर्यटन माहौल सामान्य करने के लिए बैठकें करेंगे।

जम्मू कश्मीर का माहौल सामान्य करने के लिए फारूक अब्दुल्ला या उनके मुख्यमंत्री-पुत्र उमर अब्दुल्ला को पहलगाम के दिखने में हरियालीभरे लेकिन असलियत में खून से सने मैदान में गोल्फ खेलने के बजाय हिंदू पर्यटकों को विशेष न्यौता देकर बुलाना चाहिए था और उनके बीच माहौल को सरल और

सामान्य बनाने की कोशिश करनी चाहिए थी। लेकिन फारूक अब्दुल्ला का यह गोल्फ-कृत्य जख्म पर नमक रगड़ने जैसा और हिंदुओं का मजाक उड़ाने जैसा ही साबित हुआ। जिस जगह 26 हिंदू पर्यटकों को चुन-चुन कर मारा गया, उसी

श्रद्धांजलि दे रहे थे या मखौल उड़ा रहे थे?

पहलगाम में फारूक अब्दुल्ला बाकायदा गोल्फ-आउटफिट (लाल टी शर्ट और काले ट्राउजर) में पहलगाम गोल्फ कोर्स में नजर आए। वह जमीन 26 हिंदुओं के खून से रंगी है, उसी जगह फारूक अब्दुल्ला अपने बेशकीमती गोल्फ स्टिक से महंगे गोल्फ-बॉल पर निशाना आजमा रहे थे। दूसरी तरफ पहलगाम में ही मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला कल कैबिनेट बैठक की अध्यक्षता कर रहे होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा है कि जम्मू-कश्मीर के प्रति लोगों के मन में बैठे डर को निकालने की जरूरत है। इस बारे में उमर अब्दुल्ला ने अपने पिता फारूक अब्दुल्ला से जरूर राय-मशविरा किया होगा। तभी पिता गोल्फ-मैदान में उतरे और पुत्र बैठक-मैदान में। प्रदेश में पहलगाम आतंकवादी हमले का असर कम करने की कवायद का अगर यही भावनात्मक स्तर है, तो यह गैर मुस्लिम पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए है या विकर्षित करने के लिए, इसका आभास देश को हो रहा है।

बैठकें करने और गोल्फ खेलने से अगर हिंदू पर्यटकों के हृदय से डर चला गया होता तो आज तक कश्मीरी हिंदू जिन्हें पूरा देश कश्मीरी पंडित कह कर अलग कर देता है, उनके मन से डर खत्म हो गया होता। फारूक अब्दुल्ला के गोल्फ खेलने से कश्मीरी पंडितों की टारगेटेड हत्या का सिलसिला क्या रुक गया? क्या बेमानी बैठकों से हिंदुओं को चुन-चुन कर मारे जाने का घृणित कृत्य रुक गया? क्या कश्मीर और पूरे देश की मस्जिदों से पहलगाम में मारे गए 26 हिंदुओं के शोक में मर्सिया पढ़ा गया? क्या ऐसी बदजात हिंसा के खिलाफ इस्लामिक धर्मपीठों से फतवा जारी हुआ? इसके लिए फारुक अब्दुल्ला या उमर अब्दुल्ला ने अपने धर्मगुरुओं से बात क्यों नहीं की? गोल्फ खेलने के बजाय वे अगर ऐसा प्रयास करते तो हिंदुओं के कलेजे पर लगा जख्म थोड़ा कम होता और इससे स्थिति सामान्य होने के तरफ बढ़ती।

गांधीनगर में बोले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना लक्ष्य

गांधी नगर, 27 मई (एजेंसियां)। दो दिवसीय गुजरात दौरे के दूसरे दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गांधीनगर के महात्मा मंदिर में 5,536 करोड़ की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। कार्यक्रम के दौरान पीएम मोदी ने कहा, हमें अपने देश के ब्रांड पर गर्व करना चाहिए। हमें मेड इन इंडिया पर गर्व करना चाहिए। हम अपनी जरूरत की ज्यादातर चीजों के लिए दूसरे देशों पर निर्भर रहे हैं। पर ये चीजें अब देश में ही उपलब्ध हैं। हमारी जरूरत की 90 प्रतिशत से अधिक और अच्छी चीजें देश में ही उपलब्ध हैं। हमें उनका इस्तेमाल करना चाहिए।

पीएम मोदी ने कहा, मुझे याद है कि हमने छठे से पांचवें स्थान पर पहुंचने का जश्न मनाया था। यह क्षण विशेष रूप से महत्वपूर्ण था, क्योंकि हमने उसी देश को पीछे छोड़ दिया, जिसने 250 वर्षों तक हम पर शासन किया। अब, जब हम चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं, तो तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का दबाव बढ़ रहा है। उससे भी अधिक दृढ़ संकल्प की जरूरत है। यह देश अब इंतजार नहीं करना चाहता। अगर कोई सुझाव देता है कि हमें धैर्य रखना चाहिए, तो आप आवाजें सुन सकते हैं कि मोदी है तो मुमकिन है। इसलिए हमारा स्पष्ट लक्ष्य 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाना है।

पीएम मोदी ने ने कहा कि 2014 में 26 मई को मुझे पहली बार देश के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेने का

में 11वें स्थान पर थी। इस दौरान हमने कोरोना से लड़ाई लड़ी, पड़ोसियों से भी मुसीबतें झेलीं। प्राकृतिक आपदा भी झेली इसके बावजूद इतने कम समय में हम 11वें नंबर की अर्थव्यवस्था से चौथे नंबर की अर्थव्यवस्था बनने में कामयाब रहे। पीएम ने कहा कि हम विकास चाहते हैं, प्रगति चाहते हैं। पीएम ने कहा, हमारा लक्ष्य है, 2047 में हिंदुस्तान को विकसित होना ही चाहिए। हम आजादी के 100 साल ऐसे मनाएंगे कि दुनिया में विकसित भारत का झंडा फहरता रहेगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पहलगाम हिंसा और ऑपरेशन सिंदूर का संदर्भ लेते हुए कहा, शरीर कितना भी सेहतमंद क्यों न हो, अगर कांटा चुभता

हमने तय कर लिया है कि उस कांटे को निकाल कर ही दम लेंगे। आतंकवादियों ने जब पीओके पर अवैध कब्जा किया, अगर उसी दिन उन मुजाहिदीनों को मौत के घाट उतार दिया गया होता तो आज ये हालात न होते। सरदार पटेल चाहते थे कि जब तक पीओके हमें वापस न मिल जाए, सेना वापस नहीं आनी चाहिए, लेकिन उनकी बात नहीं मानी गई। मैं दो दिन से गुजरात में हूं। कल वडोदरा, दाहोद, भुज, अहमदाबाद और आज गांधीनगर में हूं। मैं जहां-जहां गया वहां गर्जना करता सिंदूरिया सागर और लहराता तिरंगा जन-जन के हृदय में मातृभूमि के प्रति अपार प्रेम और देशभक्ति का ज्वार देखने को मिल रहा है। ये दृश्य सिर्फ गुजरात में नहीं है, हिंदुस्तान के कोने-कोने में है, हर हिंदुस्तानी के दिल में है। यह अविस्मरणीय है।

प्रधानमंत्री ने कहा, मुजाहिदीनों के मुंह में खून लग गया था। यह सिलसिला 75 साल से चल रहा है। पहलगाम में भी उसी का विकृत रूप था। 75 साल तक हम इसे झेलते रहे। पाकिस्तान के साथ जब-जब युद्ध की नौबत आई, हर बार भारत की सैन्य शक्ति ने पाकिस्तान को धूल चटा दी। पाकिस्तान समझ गया कि लड़ाई में वह भारत से जीत नहीं सकता। इसीलिए उसने छद्म-युद्ध (प्रॉक्सी-वार) का सहारा लिया। उसने आतंकी तैयार करने शुरू किए। उन्हें भारत भेजने लगा। हम जब उनके आतंकियों को घर में घुसकर मारते हैं तो वे सम्मान के साथ दहशतगर्दों को विदाई देते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब आतंकवाद के 9 ठिकानों को तय करके 22 मिनट में ध्वस्त कर दिया, तब सब कुछ कैमरे के सामने किया गया। ऐसा इसलिए कि यहां कोई सबूत न मांगने लगे। अब हमें सबूत नहीं देना पड़ा रहा है। सामने वाला खुद ही सबूत पर सबूत दे रहा है। 6 मई की रात जो लोग मारे गए, पाकिस्तान में उन जनाजों को स्टेट ऑनर दिया गया। उनके ताबूतों पर पाकिस्तान के झंडे लगाए गए, वहां की सेना ने उनको सैल्यूट किया। यह सिद्ध करता है कि आतंकवादी गतिविधि प्रॉक्सी-वार नहीं है, ये पाकिस्तान की सोची-समझी युद्ध की रणनीति है। आप वार ही कर रहे हैं, तो उसका जवाब भी वैसे ही मिलेगा। ▶10 पर

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने दिया राष्ट्रीय सुरक्षा पर जोर

देश के लिए एकजुटता और स्वदेशी ताकत जरूरी

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। राज्यसभा इंटर्नशिप कार्यक्रम-चरण 7 के उद्घाटन सत्र में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने हमारी मानसिकता को बड़े पैमाने पर बदल दिया है। हम पहले से कहीं अधिक राष्ट्रवादी हुए हैं। उपराष्ट्रपति ने राष्ट्रीय सुरक्षा पर जोर दिया और कहा कि हमें एकजुट होने की जरूरत है। साथ ही राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए स्वदेशी ताकत से सम्पन्न होना भी जरूरी है। उन्होंने एक बार फिर ऑपरेशन सिंदूर की तारीफ की।

उपराष्ट्रपति एन्क्लेव में राज्यसभा इंटर्नशिप कार्यक्रम-चरण 7 के उद्घाटन सत्र में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने हमारी मानसिकता को बड़े पैमाने पर बदल दिया है। हम पहले से कहीं अधिक राष्ट्रवादी हुए हैं। यह हमारे शांति के संदेश और आतंकवाद के प्रति हमारी पूर्ण असहिष्णुता को बढ़ावा देने के लिए विदेश गए प्रतिनिधिमंडलों में सभी राजनीतिक परिदृश्यों की भागीदारी में परिलक्षित होता है।

उन्होंने कहा, हाल की घटनाओं को देखते हुए हमारे पास एकजुट रहने और मजबूत होने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए हमें स्वदेशी ताकत की आवश्यकता है। युद्ध को ताकत की स्थिति में टाला जाना चाहिए। शांति तब सुरक्षित होती है जब आप युद्ध के लिए हमेशा तैयार रहते हैं और इसलिए ताकत तकनीकी कौशल, पारंपरिक हथियारों के अलावा लोगों से भी आती है।

उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने मंगलवार को नेत्र रोग विशेषज्ञ एमएल राजा को एक साल के लिए डॉ एस राधाकृष्णन चेयर के लिए नामित किया। डॉ. एस राधाकृष्णन चेयर की स्थापना 2009 में राज्य सभा द्वारा भारत में संसदीय लोकतंत्र के विभिन्न पहलुओं पर अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए हुई थी। इस चेयर की शुरुआत प्रथम उपराष्ट्रपति के नाम पर हुई। जो बाद में राष्ट्रपति बने। धनखड़ के कार्यकाल के दौरान इसे क्रियाशील बनाया गया था। उपराष्ट्रपति ने कहा कि राजा एक नेत्र रोग विशेषज्ञ, पुरालेख विशेषज्ञ, पुरातत्वविद् और इतिहासकार के रूप में असाधारण बहु-विषयक विशेषज्ञता लेकर आए हैं। वे वर्तमान में अविनाश (एकेडमी ऑन वाइब्रेंट नेशनल आर्ट्स एंड साइंटिफिक हेरिटेज) और रिच ▶10 पर

ऑपरेशन सिंदूर की वार-रूम बुकलेट जारी

सैन्य समन्वय की बेहतरीन बानगी

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। भारतीय सेना ने हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर को लेकर खास किताब (बुकलेट) निकाली है। इस किताब में पहली बार उस खास कमरे की तस्वीरें दिखाई गई हैं, जहां से इस बड़े ऑपरेशन पर नजर रखी जा रही थी। इन तस्वीरों में आप देखेंगे कि सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी, नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी और वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह मिलकर इस ऑपरेशन पर लगातार ध्यान दे रहे थे। यह दिखाता है कि हमारी तीनों सेनाएं किस प्रकार एकजुट होकर समन्वय के साथ काम करती हैं।

यह खास कमरा असल में भारतीय सेना का कमांड सेंटर था। ▶10 पर

सुप्रीम कोर्ट का नया फरमान, आपको कर देगा हैरान

नाबालिग वोट नहीं दे सकते लेकिन सेक्स कर सकते हैं..!

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट भारतवर्ष की सांस्कृतिक सामाजिक संरचना को तहस-नहस करने पर तुला है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा है कि वह प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफेंसेज कानून यानि पॉक्सो एक्ट में संशोधन करे, ताकि नाबालिगों (18 साल से

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से कहा पॉक्सो एक्ट में संशोधन करें

कम) के सेक्स संबंध अपराध की श्रेणी में नहीं आएं। सुप्रीम कोर्ट का यह मानना है कि 18 साल से कम उम्र के बच्चे सहमति से यौन संबंध बनाने का निर्णय लेने के योग्य होते हैं। सुप्रीम कोर्ट की यह न्यायिक समझदारी तब कहां चली जाती है, जब चुनाव आयोग वोट डालने की न्यूनतम उम्र 18 साल तय करता है?

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से आग्रह किया है कि वह POCSO एक्ट में संशोधन पर विचार करे। कोर्ट का कहना है कि सरकार को यह जांचना चाहिए कि क्या इस कानून का उपयोग उन किशोरों के खिलाफ नहीं किया जाना चाहिए जो आपसी सहमति से संबंध बनाते हैं।

वोट डालने की न्यूनतम उम्र पहले 21 साल थी, जिसे घटा कर 18 साल कर दिया गया। चुनाव आयोग ने यह माना कि 18 साल की उम्र तक वोट डालने और अपना प्रतिनिधि चुनने की समझदारी आ जाती है। तब सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से यह क्यों नहीं कहा था कि 14 साल की उम्र में सेक्स संबंध बनाने का

नाबालिग सहमति से सेक्स करें तो वह अपराध नहीं होगा

निर्णय लेने की समझ आ जाती है तो वोट देने का अधिकार भी 14 साल पर ही तय किया जाए। सुप्रीम कोर्ट का ऐसा रवैया चलता रहा तो आप समझ लें कि इस देश को भारी अराजकता की ओर जाने से कोई नहीं रोक सकता। ▶10 पर

बीएसएफ की महिला जवानों ने दिखाया पराक्रम

सांबा में पोस्ट का नाम सिंदूर रखने का प्रस्ताव

जम्मू, 27 मई (ब्यूरो)। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान बीएसएफ की महिला कर्मियों ने अग्रिम ड्यूटी चौकियों पर बहादुरी के साथ लड़ाई लड़ी। बहादुर महिला कर्मियों और सहायक कमांडेंट नेहा भंडारी ने एक अग्रिम चौकी की कमान संभाली। कांस्टेबल मंजीत कौर, कांस्टेबल मलकीत कौर, कांस्टेबल ज्योति, कांस्टेबल सम्पा और कांस्टेबल स्वप्ना और अन्य ने इस ऑपरेशन के दौरान पाकिस्तान के खिलाफ अग्रिम चौकियों पर लड़ाई लड़ी। जम्मू में बीएसएफ के आईजी जम्मू शशांक आनंद ने यह जानकारी दी। आईजी ने बताया, पाकिस्तान की ओर से बीएसएफ चौकियों पर ड्रोन हमले और गोलाबारी में हमने ▶10 पर

‘डीजलगेट’ घोटाला : वोल्क्सवैगन के चार पूर्व प्रबंधक धोखाधड़ी के दोषी करार, दो को जेल की सजा

ब्राउनश्वेग (जर्मनी) , 27 मई (एजेंसियां) ।

करीब एक दशक पहले शुरू हुए ‘डीजलगेट’ उत्सर्जन घोटाले में वोल्क्सवैगन के चार पूर्व वरिष्ठ प्रबंधकों को धोखाधड़ी का दोषी पाया गया है। जर्मनी के ब्राउनश्वेग शहर की अदालत ने सोमवार को फैसला सुनाते हुए दो अभियुक्तों को जेल की सजा, जबकि दो को निलंबित सजा (सस्पेंडेड सेंटेंस) सुनाई।

अदालत ने जिन चार लोगों को दोषी पाया है, उनमें हाइन्ज-याकब न्यूसर, जो वोल्क्सवैगन में विकास प्रमुख थे, को 01 वर्ष 03 महीने की निलंबित सजा सुनाई गई। हैनो जे, जो कंपनी में ड्राइव इलेक्ट्रॉनिक्स प्रमुख थे, को 02 वर्ष 07 महीने की जेल की सजा दी गई। जेंस एच, जो डीजल मोटर विकास प्रमुख थे, को सबसे कड़ी सजा 04 वर्ष0 6 महीने की जेल दी गई। जबकि चौथे अभियुक्त को 01 वर्ष 10 महीने की निलंबित सजा सुनाई गई। इन सभी को अपील का अधिकार प्राप्त है। इस मामले में अमेरिका में पहले ही दो वोल्क्सवैगन अधिकारियों को जेल हो चुकी है। वोल्क्सवैगन की सहयोगी कंपनी ऑडी के पूर्व प्रमुख रूपर्ट स्टैडलर को 21 महीने की निलंबित सजा और €1.1 मिलियन का जुर्माना लगाया गया, जिसकी अपील अभी विचाराधीन है। इस केस में वोल्क्सवैगन के पूर्व सीईओ मार्टिन विंटरकोर्न को भी आरोपित बनाया गया था, लेकिन स्वास्थ्य कारणों से उनके खिलाफ प्रक्रिया स्थगित कर दी गई है। विंटरकोर्न ने अपने ऊपर लगे आरोपों से इनकार किया है। फिलहाल जर्मनी में इस घोटाले से जुड़े 31 अन्य संदिग्धों के खिलाफ जांच और कानूनी कार्यवाही अब भी जारी है।

क्या था ‘डीजलगेट’ घोटाला

यह घोटाला सितंबर 2015 में सामने आया था जब अमेरिकी पर्यावरण संरक्षण एजेंसी (ईपीए) ने वोल्क्सवैगन पर आरोप लगाया कि कंपनी ने इंजन नियंत्रण सॉफ्टवेयर में हेरफेर कर वाहन परीक्षणों में कम उत्सर्जन दिखाया, जबकि वास्तविक ड्राइविंग में गाड़ियां कई गुना ज्यादा प्रदूषण छोड़ रही थीं। इस खुलासे के बाद वोल्क्सवैगन को वैश्विक स्तर पर 33 अरब डॉलर (करीब 2.75 लाख करोड़ रुपये) से ज्यादा के जुर्माने और मुआवजे चुकाने पड़े।

न्यूज ब्रीफ

दुनिया को डरा रहीं बाबा वेंगा की साल 2025 को लेकर ये भविष्यवाणियां

सोफिया। बुल्गारिया की नेत्रहीन भविष्यवक्ता बाबा वेंगा ने बिना आंखों के ही दुनिया का जो भविष्य देखा, वो उनकी मौत के दशकों बाद भी सच हो रही हैं। बाबा वेंगा ने साल 2025 में दुनिया भर में युद्ध के साथ ही आर्थिक संकट की भविष्यवाणी की थी। वैश्विक बाजारों को अस्थिर करने वाली नीतियों से भू-राजनीतिक अस्थिरता पैदा हो सकती है। ऐसे में जब दुनिया आर्थिक उथल-पुथल का अनुभव कर रही है, उनकी भविष्यवाणी पहले से अधिक प्रासंगिक हो गई है। उदाहरण के लिए अमेरिका और चीन में टैरिफ युद्ध के चलते वैश्विक अर्थव्यवस्था अस्थिर हो गई है। आपूर्ति श्रृंखला में रुकावटें आ रही हैं। आज वैश्विक अर्थव्यवस्था आपस में इतनी जुड़ी हुई है कि एक प्रमुख अर्थव्यवस्था में पतन से वैश्विक स्तर पर वित्तीय अस्थिरता फैलने की संभावना है। बाबा वेंगा ने साल 2025 में आर्थिक पतन की भी भविष्यवाणी की है। उनकी भविष्यवाणी के अनुसार, यह एक विश्वव्यापी आर्थिक तबाही होगी जिसके कारण बैंकिंग प्रणाली ध्वस्त हो सकती है और अन्य देशों में फैल सकती है। इससे हिंसा शुरू होगी जिसे उन्होंने मानवता के पतन के रूप में संबोधित किया है।बाबा वेंगा के सबसे विचित्र दावों में टेलीपैथी है। उन्होंने अनुमान गाया कि साल 2025 तक मनुष्य सीधे मन से मन तक संवाद करने में सक्षम हो जाएगा। मस्तिष्क-मशीन इंटरफेस ने इस तरफ ध्यान खींचा है। एलन मस्क का न्यूरालिंक ऐसी क्षमताओं की ओर एक संभावित कदम है। ये देखना दिलचस्प होगा कि ये नई तकनीकें बाबा वेंगा की भविष्यवाणी पर खरे उतरते हैं। भूकंप की भविष्यवाणी सत्य हुई बाबा वेंगा ने साल 2025 में विनाशकारी भूकंप का जिक्र किया है। हाल की कुछ घटनाओं को देखते हुए यह भविष्यवाणी सटीक लगती है। 28 मार्च को म्यांमार में 7.7 तीव्रता का बड़ा भूकंप आया था।

पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने युनूस पर लगाया आरोप, कहा देश अमेरिका को बेच दिया

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस पर देश को अमेरिका को बेचने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि मेरे पिता अमेरिका की सेंट मार्टिन द्वीप को लेकर रखी गई मांगों से सहमत नहीं हुए थे। उन्हें उसकी कीमत अपनी जान देकर चुकानी पड़ी। मैंने कभी सत्ता में बने रहने के लिए देश बेचने की कल्पना तक नहीं की। सरकार की बागडोर आतंकियों के हाथ में, यूनुस ने उन्हें जेलों से रिहा किया दरअसल पिछले हफ्ते अमेरिकी सेना की एक टुकड़ी ने बांग्लादेश का दौरा किया था। इस दौरान दोनों देशों के सैन्य अधिकारियों के बीच मुलाकात भी हुई थी। इसके अलावा अमेरिकी सैनिकों ने कॉक्स बाजार के बीच पर बांग्लादेशी सैनिकों के साथ अभ्यास भी किया था। हसीना का आरोप देश की कमान आतंकियों को सौंपी हसीना ने दावा किया कि यूनुस ने सरकार की बागडोर आतंकियों के हाथ में सौंप दी है। पूर्व पीएम ने अपनी पार्टी के फेसबुक अकाउंट पर किए पोस्ट में कहा कि यूनुस ने आतंकियों की मदद से सत्ता पर कब्जा किया है। हसीना ने दावा किया कि उन्होंने जिन प्रतिबंधित आतंकियों को गिरफ्तार किया था, यूनुस ने उन्हें रिहा कर दिया है। आज जेलें खाली हैं।

पूर्व अमेरिकी कांग्रेस सदस्य चार्ल्स रैंगल का 94 वर्ष की आयु में निधन

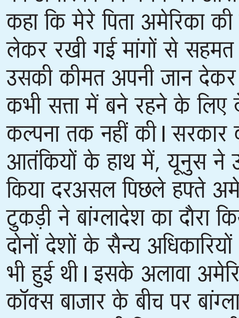

न्यूयॉर्क। कांग्रेशनल ब्लैक कॉकस के संस्थापक सदस्यों में शुमार और अमेरिकी कांग्रेस की ताकतवर हाउस वेज एंड मीन्स कमेटी के पहले अफ्रीकी-अमेरिकी अध्यक्ष चार्ल्स रैंगल का सोमवार को निधन हो गया। वह 94 वर्ष के थे। उनके निधन की पुष्टि सिटी कॉलेज ऑफ न्यूयॉर्क द्वारा जारी एक बयान में की गई। चार्ल्स रैंगल का राजनीतिक जीवन अद्वितीय रहा। वह कोरियन युद्ध के अनुभवी सैनिक थे, और उन्होंने 1970 में प्रसिद्ध हार्लेम नेता एडम क्लेटन पॉवेल को हराकर अमेरिकी कांग्रेस में प्रवेश किया। इसके बाद रैंगल ने लगातार 45 वर्षों तक न्यूयॉर्क के लोगों की सेवा की और 2016 में सार्वजनिक जीवन से संन्यास लिया। सीनेट अल्पसंख्यक नेता चक शूमर ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर रैंगल को श्रद्धांजलि दी और कहा, चार्ल्स रैंगल एक महान व्यक्ति, सच्चे मित्र और वह नेता थे जो कभी अपने मतदाताओं के लिए लड़ना नहीं छोड़ा। शूमर ने आगे कहा कि रैंगल की उपलब्धियां अनगिनत हैं और उन्होंने दुनिया को पहले से बेहतर बना दिया। उन्होंने सामाजिक न्याय, नस्लीय समानता और कर प्रणाली सुधारों के क्षेत्र में अमिट छाप छोड़ी।

दुनिया को भारत दिखा रहा है पाकिस्तान का आतंकी चेहरा, प्रतिनिधिमंडल ने की वैश्विक नेताओं से मुलाकात

जॉर्ज टाउन (गुयाना) , 27 मई (एजेंसियां) ।

कांग्रेस सांसद शशि थरूर के नेतृत्व में भारतीय संसदीय सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने गुयाना के राष्ट्रपति मोहम्मद इरफान अली से मुलाकात की है। इन दिनों अलग-अलग भारतीय नेताओं के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल कई देशों की यात्रा पर है। भारतीय प्रतिनिधिमंडल दुनिया भर के नेताओं को पहलगाम पर हुए पाकिस्तान पोषित आतंकी हमले और उसके जवाब में भारत के ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी दे रहा है। साथ ही वैश्विक नेताओं को आतंकवाद के खात्मे के लिए भारत की प्रतिबद्धता से अवगत कराया जा रहा है। अब तक हुई मुलाकातों में वैश्विक नेताओं ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई में साथ खड़े होने का संकल्प दोहराया है।

सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात के बाद गुयाना के राष्ट्रपति मोहम्मद इरफान अली ने कहा कि भारत और गुयाना के बीच असाधारण संबंध हैं। भारत से उनका खून का रिश्ता है। आर्थिक और राजनीतिक दृष्टिकोण से भारत हमारा बहुत करीबी साझेदार रहा है। पिछले कुछ वर्षों में हमने भारत से बड़े पैमाने पर निवेश देखा है। हमें उम्मीद है कि और अधिक भारतीय निवेशक, भारतीय तकनीक, डिजिटल उत्पाद हमारे अपने विकास का हिस्सा होंगे। वह आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ हैं। शशि थरूर ने कहा कि गुयाना के प्रधानमंत्री ब्रिगेडियर मार्क एंथनी फिलिप्स के साथ रात्रि भोज पर विचारों का आदान-प्रदान करना सुखद अनुभव रहा। उनकी पत्नी ने भारत में छह सप्ताह बिताए थे। उन्होंने अहमदाबाद में उद्यमिता और एनजीओ प्रबंधन का प्रशिक्षण लिया था।

दोहा में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) सांसद सुप्रिया सुले के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल में शामिल पूर्व विदेश राज्यमंत्री वी. मुरलीधरन ने कहा, भारत आतंकवाद के खिलाफ एक स्वर में आवाज उठाना चाहता है। हम दो साल पहले सुरक्षा परिषद में थे और भारत ने सुरक्षा परिषद की आतंकवाद निरोधक समिति का एक विशेष सत्र मुंबई में आयोजित किया था। दुनिया के हर देश ने एक स्वर में आतंकवाद के सभी रूपों की निंदा की लेकिन इसके बावजूद भारत को इस तरह के आतंकवादी कृत्यों का सामना करना पड़ रहा है। मुझे खुशी है कि कतर के नेतृत्व के साथ हमारी बातचीत के दौरान आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस के अपने विचार व्यक्त किए।

किंशासा (कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य) में भारतीय समुदाय से बातचीत के दौरान बीजू जनता दल सांसद सस्मित पात्रा ने कहा, भारत एकजुट है। यह एक महत्वपूर्ण संदेश है। पाकिस्तान का आतंकवाद सिर्फ भारत की समस्या नहीं, पूरी दुनिया की समस्या है। हमें सावधान रहने की जरूरत है। ऑपरेशन सिंदूर ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई की पूरी धारणा को बदल दिया है और भारत पर आतंकवाद की कार्रवाई को युद्ध की कार्रवाई के रूप में लिया जाएगा।

सिंगापुर में जदयू सांसद संजय कुमार झा के नेतृत्व में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने सिंगापुर में अधिकारियों और थिंक टैंक के साथ बैठक से पहले सिंगापुर में भारत के उच्चायुक्त, राजदूत शिल्पक अम्बुले के साथ बैठक की। स्लोवेनिया में डीएमके सांसद कनिमोझी के नेतृत्व में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने जुब्लजाना में भारतीय प्रवासियों से बातचीत की।

वायरल वीडियो पर बोले मैक्रों- हां पत्नी ने थप्पड़ मारा है ये सही है पर.....

पेरिस ,27 मई (एजेंसियां) ।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों का एक वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ। इस वीडियो में उनकी पत्नी उन्हें कथित तौर पर थप्पड़ लगाती नजर आ रही हैं। अब इस वीडियो पर मैक्रों ने अपनी चुप्पी थोड़ी है। मैक्रों ने कहा है कि यह वीडियो असली है, लेकिन इसे जिस संदर्भ में प्रसारित किया जा रहा है वह बेहद गलत है।

वायरल क्लिप पर बात करते हुए फ्रांसीसी राष्ट्रपति ने कहा, एक वीडियो है जिसमें मैं पत्नी के साथ मजाक कर रहा हूं और उसे चिढ़ा रहा हूं। किसी तरह यह एक वैश्विक स्तर की एक आपदा बन गई है।

यहां तक कि लोग इसे समझाने के लिए अपने सिद्धांत भी लेकर आ रहे हैं।मैक्रों ने कहा है कि वीडियो को हथियार के रूप में इस्तेमाल किया गया।

हालांकि उन्होंने यह भी कहा है कि वीडियो सही था। उन्होंने कहा, वीडियो असली हैं लेकिन लोग उसे बकवास बातों के साथ जोड़ रहे हैं। इससे पहले इमैनुएल के कार्यालय के सूत्रों ने इसे दंपति के बीच का निजी पल बताया था। बता दें कि फ्रांसीसी राष्ट्रपति इन दिनों एशियाई देशों के दौरे पर हैं। इस दौरान सोमवार को वियतनाम के हनोई में उतरते समय की एक क्लिप वायरल हो गई। इस वीडियो में विमान का दरवाजा खुलते ही उनकी पत्नी ब्रिजिट उनके चेहरे को हाथों से धक्का देते नजर आ रही थीं। वहीं एक और क्लिप ने सबका ध्यान खींचा जब उनकी पत्नी सबके सामने उनका हाथ पकड़ने से इनकार कर देती हैं। अब हनोई में मीडिया से बात करते हुए मैक्रों ने वीडियो की वजह से फैली अफवाहों को खारिज किया है।

यूक्रेन पर हवाई हमले के बाद ट्रम्प बोले पुतिन पूरी तरह पागल हो गए

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि पुतिन पूरी तरह पागल हो गए हैं। ट्रम्प ने यह बयान अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर दिया। उन्होंने लिखा कि मैंने हमेशा रूस के व्लादिमीर पुतिन के साथ बहुत अच्छे संबंध रखे हैं, लेकिन उनके साथ कुछ तो हुआ है। वो पूरी तरह पागल हो गए हैं। ट्रम्प ने कि वह बेवजह यूक्रेन के शहरों में मिसाइल और ड्रोन दागे जा रहे हैं। इसमें बहुत से लोग मारे जा रहे हैं। मैं उनसे खुश नहीं, बेवजह लोगों की जान ले रहे ट्रम्प ने लिखा कि मैंने हमेशा कहा है कि वह यूक्रेन का सिर्फ एक टुकड़ा नहीं, बल्कि पूरा यूक्रेन चाहते हैं, और शायद यह सही साबित हो रहा है, लेकिन अगर वह ऐसा करते हैं, तो इससे रूस का पतन हो जाएगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ने रूस पर और प्रतिबंध लगाने की धमकी दी। ट्रम्प ने यूक्रेन के राष्ट्रपति की भी आलोचना की। उन्होंने कहा कि जेलेंस्की जिस तरह से बात करते हैं, उससे वह अपने देश का भला नहीं कर रहे। उनके मुंह से निकलने वाली हर बात परेशानियां पैदा करती है, मुझे यह पसंद नहीं है, और बेहतर होगा कि इसे रोक दिया जाए। ट्रम्प का यह बयान यूक्रेन पर 3 साल में रूस के सबसे बड़े हवाई हमले के बाद आया है। यूक्रेनी एयरफोर्स के मुताबिक, शनिवार रात रूस ने कीव पर 9 बैलिस्टिक मिसाइलों, 60 क्रूज मिसाइलों और 298 ड्रोन से हमला किया था।

एएलएस के इलाज में मिली बड़ी सफलता

वॉशिंगटन, 27 मई (एजेंसियां) ।

जानलेवा बीमारी एमियोट्रोफिक लेटरल स्क्लेरोसिस (एएलएस) के उपचार के लिए एक नई दवा उलेफनेर्सन (जिसे पहले जैकीफ्यूसेन के नाम से जाना जाता था) के परीक्षण से कुछ मरीजों में चौंकाने वाला सुधार देखा गया है। अमेरिका की कोलंबिया यूनिवर्सिटी के न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. नील श्नाइडर और उनकी टीम ने इस नई दवा का परीक्षण ऐसे 12 मरीजों पर किया, जिन्हें एएलएस की एक खास और दुर्लभ किस्म थी।

इस प्रकार की एएलएस ‘एफयूएस’ नामक जीन में खराबी के कारण होती है और यह आमतौर पर युवाओं या किशोरों में तेजी से बढ़ती है। इस परीक्षण के नतीजे काफी उत्साहजनक रहे। एक महिला मरीज, जो 2020 में इस दवा का हिस्सा बनी, पहले चलने में असमर्थ थी और वेंटिलेटर पर निर्भर थी। अब वह बिना सहारे चल सकती है और सांस लेने में भी किसी उपकरण की जरूरत नहीं है।

वहीं एक 35 वर्षीय पुरुष मरीज में, जिसमें बीमारी के शुरुआती लक्षण भी नहीं थे लेकिन मांसपेशियों में कमजोरी के संकेत मिले थे, उसे लगातार तीन साल से यह दवा दी जा रही है और अब तक उसमें कोई भी लक्षण विकसित नहीं हुए हैं। इस दवा का असर सिर्फ लक्षणों पर नहीं, बल्कि शरीर में हो रहे अंदरूनी नुकसान पर भी पड़ा है। छह महीने की दवा के बाद मरीजों के शरीर में मौजूद न्यूरोफिलामेंट लाइट नामक प्रोटीन का स्तर 83 प्रतिशत तक घट गया, जो नसों को हो रहे नुकसान का संकेतक माना जाता है। यह साफ दर्शाता है कि दवा ने प्रभावी ढंग से काम किया। हालांकि सभी मरीजों को इसका समान लाभ नहीं मिला, लेकिन कई मामलों में बीमारी की गति धीमी हुई और जीवन प्रत्याशा में सुधार आया।

वैज्ञानिकों का मानना है कि अगर सही समय पर उपचार शुरू किया जाए और लक्षित थेरेपी दी जाए, तो न सिर्फ बीमारी की रफ्तार रोकी जा सकती है बल्कि कुछ हद तक नुकसान को पलटना भी संभव है। अब इस दवा को वैश्विक स्तर पर बड़े पैमाने पर परीक्षण के लिए आगे बढ़ाया जा रहा है।

बता दें कि एएलएस एक प्रोग्रेसिव न्यूरोलॉजिकल बीमारी है, जिसमें दिमाग और रीढ़ की हड्डी की मोटर नसें धीरे-धीरे काम करना बंद कर देती हैं। इससे मरीजों की मांसपेशियां कमजोर होती जाती हैं, जिससे चलना, बोलना और यहां तक कि सांस लेना भी मुश्किल हो जाता है। यह बीमारी आमतौर पर लाइलाज मानी जाती है और इससे पीड़ित लोगों की जीवन प्रत्याशा बहुत कम होती है।

कम समय में फिट और एक्टिव रहने की ‘जापानी वॉकिंग’ हुई लोकप्रिय

लंदन, 27 मई (एजेंसियां) ।

कम समय में फिट और एक्टिव रहने की ‘जापानी वॉकिंग’ दुनियाभर में लोकप्रिय हो चुकी है। जापानी वॉकिंग एक आसान लेकिन असरदार तरीका है, जिसे हर उम्र का व्यक्ति अपनाकर स्वस्थ और युवा बना रह सकता है।जापान में तैयार किया गया यह वॉकिंग पैटर्न अब एक इंटरवल वॉकिंग ट्रेनिंग यानी आईडब्ल्यूटी के नाम से जाना जाता है, जिसे वैज्ञानिक आधार पर एंटी-एजिंग और फिटनेस बढ़ाने वाला रूटीन माना जा रहा है। अब तक लोग हर दिन 10,000 कदम चलने को सेहत के लिए सबसे बेहतर मानते थे, लेकिन जापानी वॉकिंग इस धारणा को एक नई दिशा देती है। इसमें हाई इंटेंसिटी इंटरवल ट्रेनिंग की तर्ज पर 30 मिनट की वॉकिंग को खास

तकनीक से किया जाता है।

इस रूटीन में 3 मिनट तेजी से चलना और फिर 3 मिनट आराम से वॉक करना होता है। यह पैटर्न लगातार पांच बार दोहराया जाता है, जिससे न केवल मेटाबॉलिज्म तेज होता है बल्कि फैट बर्निंग भी बेहतर तरीके से होती है। जापान में हुए शोधों के अनुसार, इस वॉकिंग स्टाइल को अपनाने वालों के ब्लड प्रेशर, शुगर, कोलेस्ट्रॉल लेवल और मसल्स स्ट्रेंथ में बड़ा सुधार देखा गया। एक 68 वर्षीय प्रतिभागी ने इस वॉकिंग के दौरान अपनी हार्टबीट 130 तक बढ़ा ली, जो कि एक मध्यम स्तर की साइकिलिंग जितनी प्रभावी थी। तेज और धीमी चाल के इस क्रम में शरीर की ऊर्जा जाग्रत होती है और मेटाबॉलिक प्रोसेस एक्टिव हो जाता है। यह न सिर्फ हृदय गति को नियंत्रित करता है, बल्कि बुजुर्गों में बैलेंस और कोआर्डिनेशन भी सुधारता है।

इससे रक्त संचार बढ़ता है, अंगों का डिटॉक्स बेहतर होता है, पोषक तत्वों का अवशोषण सुधरता है और मानसिक स्पष्टता भी बढ़ती है।

पहलगाम हमले के आतंकियों की ढाल बना चीन, यूएन को एक्शन लेने में आ रही मुश्किल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में पलने वाले और भारत के खिलाफ साजिश करने वाले आतंकवादियों को संयुक्त राष्ट्र में आतंकी संगठन का टैग मिलना भी मुश्किल हो जाता है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य होने के नाते चीन हर बार इसमें अड़ंगा लगाता है और लश्कर-जैश जैसे आतंकी संगठनों का बचाव करता है। इस बार भी पहलगाम में मासूमों की जान लेने वाले लश्कर-ए-तैयबा के मुखौटा संगठन द रेसिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) को आतंकी संगठनों की सूची में शामिल करने के लिए भारत ने कोई कसर नहीं छोड़ी। भारत के प्रतिनिधिमंडल ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की समिति को टीआरएफ के खिलाफ पुख्ता सबूत दिए हैं। 1267 नाम की इस समिति का गठन 1999 में किया गया था। इसका काम आतंकियों की संपत्तियों को फ्रीज करना और संगठन पर बैन लगाना है। एनआईए ने जो डोजियर तैयार किया है उसमें 26/11 का आतंकी हमला, पुलवामा आतंकी हमला, 2016 का पठानकोट हमला और 2001 का संसद पर होने वाला हमला शामिल है। चीन-पाकिस्तान दोनों पक्के दोस्त हैं और चीन आतंक के मामले में भी पाकिस्तान का ही साथ देता है। ऊपर से भले ही वह आतंकियों की निंदा करने का दिखावा करे लेकिन जब बात आती है यूएन में आतंकी संगठनों की सूची में शामिल करने की तो वह अड़ंगा लगा देता है। पहलगाम हमले के बाद भी चीन के विदेश मंत्री ने पाकिस्तान के विदेश मंत्री से बात करके उनका समर्थन जताया था।

भारत में बनेगा 5वीं पीढ़ी का लड़ाकू विमान

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दी औपचारिक मंजूरी

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एडवांस मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एएमसीए) कार्यक्रम क्रियान्वयन मॉडल को मंजूरी दी है, जिसे एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी उद्योग साझेदारी के साथ लागू करेगी। यह कदम भारत की स्वदेशी रक्षा क्षमता और एयरोस्पेस क्षेत्र में आत्मनिर्भरता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी (एडीए) इस कार्यक्रम को उद्योगों के साथ साझेदारी के जरिए लागू करने वाली है। यह कदम भारत की स्वदेशी विशेषज्ञता, क्षमता और संसाधनों का उपयोग करके एएमसीए प्रोटोटाइप विकसित करने की दिशा में मील का पत्थर है। इससे एयरोस्पेस क्षेत्र में आत्मनिर्भरता बढ़ेगी। एएमससीए परियोजना में एक एक मध्यम वजन का गहराई तक हमला करने वाले लड़ाकू विमान का निर्माण होगा। इसमें उन्नत रडार से बचने की तकनीक होगी, जिससे देश की हवाई ताकत को मजबूती मिलेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली कैबिनेट सुरक्षा समिति ने पिछले साल इस लड़ाकू विमान परियोजना को सैद्धांतिक मंजूरी दी थी। इस परियोजना की शुरुआती विकास लागत करीब 15,000 करोड़ रुपए आंकी गई है। भारतीय वायु सेना इस परियोजना को अपने दीर्घकालिक जरूरतों को देखते हुए लगातार आगे बढ़ाने की मांग कर रही है। लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट तेजस की सफलता के भारत का आत्मविश्वास अब एएमसीए जैसे उन्नत लड़ाकू विमान को विकसित करने में भी काफी बढ़ गया है।

इसे एडीए कार्यक्रम के तहत आगे बढ़ाया जाएगा। एएमसीए के विकास चरण की जल्द ही शुरुआत होगी, जिसके लिए एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट (ईओआई) जारी किया जाएगा। इसके तहत देश की कंपनियां इसमें भाग लेंगी। इसमें कंपनी अकेले या किसी दूसरी कंपनी के साथ मिलकर बोली लगा सकेगी।

इसमें केवल वहीं कंपनियां शामिल हो सकेंगी, जो भारत के कानून और नियमों का पालन करती हों। सार्वजनिक या निजी क्षेत्र दोनों से बोली लगा सकेंगे। इसका मतलब यह है कि भारत को विदेशी लड़ाकू विमानों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। एयरोस्पेस उद्योग को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही घरेलू कंपनियों को अत्याधुनिक तकनीक पर काम करने का अवसर मिलेगा।

इसके अलावा, इससे रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। इंजीनियरिंग और तकनीकी से जुड़ी हजारों नौकरियां आएंगी। यही नहीं देश भविष्य में खुद के लड़ाकू विमानों की अन्य देशों को बिक्री करने की स्थिति में भी आ सकेगा।

मुर्मू ने किया 69 हस्तियों को पद्म पुरस्कारों से सम्मानित

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने पद्म पुरस्कारों के वितरण समारोह के दूसरे चरण में मंगलवार को 69 व्यक्तियों को सम्मानित किया।

राष्ट्रपति भवन में आज शाम आयोजित भव्य नागरिक अलंकरण समारोह में उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, गृह मंत्री अमित शाह, केन्द्रीय मंत्रिमंडल के अन्य सदस्य और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

समारोह में उच्चतम न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश जगदीश सिंह खेहड़, कथक नृत्यांगना दिवंगत कुमुदनी लखिया, लोक गायिका दिवंगत डॉ शारदा सिन्हा को पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया।

भारत नाट्यम नृत्यांगना एवं अभिनेत्री डॉ शोभना चंद्रकुमार, सिल्क उद्योग क्षेत्र की जानी-मानी हस्ती नलिनी कुपुस्वामी शेट्टी, प्रख्यात अर्थशास्त्री डॉ विवेक देवराय, पुरातत्व विशेषज्ञ एवं लेखक कैलाश नाथ दीक्षित, सात्रीय नृत्य के अग्रणी कलाकार एवं शास्त्रीय अकादमी के संस्थापक जतिन गोस्वामी, सामाजिक कार्यकर्ता एवं राजनीतिज्ञ डॉ मनोहर जोशी, फिल्म निदेशक अनंत नाग, जाने-माने पत्रकार एवं बुद्धिजीवी राम बहादुर राय और आध्यात्मिक नेता एवं समाजसेवी साध्वी रितामभरा को पद्म भूषण से सम्मानित किया गया।

समारोह में 57 लोगों को पद्म श्री से सम्मानित किया गया, जिनमें लेखक सीनी विश्वनाथ, फुटबाल खिलाड़ी आई एम विजयन, असमिया और नेपाली भाषा के साहित्यकार गीता उपाध्याय, सेंटर फॉर पालिसी स्टडीज के अध्यक्ष एम गोड्डामाने, पैरा तीरनंदाजी हरविंदर सिंह भी शामिल हैं।

आयकर रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि बढ़कर हुयी 15 सितंबर

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने आंकलन वर्ष 2025-26 के लिए 31 जुलाई 2025 तक दाखिल होने वाली आयकर रिटर्न (आईटीआर) की अंतिम तिथि को बढ़ाकर अब 15 सितंबर 2025 कर दी है।

सीबीडीटी ने मंगलवार को यहां यह जानकारी देते हुये कहा कि आंकलन वर्ष 2025-26 के लिए अधिसूचित आईटीआर में संरचनात्मक और सामग्री संशोधन किए गए हैं, जिनका उद्देश्य अनुपालन को सरल बनाना, पारदर्शिता बढ़ाना और सटीक रिपोर्टिंग को सक्षम बनाना है। इन परिवर्तनों के कारण सिस्टम विकास, एकीकरण और संबंधित उपयोगिताओं के परीक्षण के लिए अतिरिक्त समय की आवश्यकता है। इसके अलावा, 31 मई, 2025 तक दाखिल होने वाले टीडीएस विवरणों से उत्पन्न क्रेडिट जून की शुरुआत में दिखाई देने लगेंगे, जिससे इस तरह के विस्तार के अभाव में रिटर्न दाखिल करने की प्रभावी विंडो सीमित हो जाएगी।

सीबीडीटी ने कहा कि अधिसूचित आईटीआर में पेश किए गए व्यापक परिवर्तनों और आंकलन वर्ष 2025-26 के लिए आयकर रिटर्न उपयोगिताओं के रोलआउट और सिस्टम की तैयारी के लिए आवश्यक समय को देखते हुए रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि बढ़ाने का फैसला किया गया है। करदाताओं के लिए एक सहज और सुविधाजनक फाइलिंग अनुभव की सुविधा के लिए यह निर्णय लिया गया है कि आईटीआर दाखिल करने की नियत तिथि, 31 जुलाई, 2025 को बढ़ाकर 15 सितंबर, 2025 कर दिया गया है।

इस आशय की एक औपचारिक अधिसूचना अलग से जारी की जा रही है। इस विस्तार से हितधारकों द्वारा उठाई गई चिंताओं को कम करने और अनुपालन के लिए पर्याप्त समय प्रदान करने की उम्मीद है, जिससे रिटर्न दाखिल करने की प्रक्रिया की अखंडता और सटीकता सुनिश्चित होगी।

लद्दाख को कार्बन मुक्त क्षेत्र बनाने की राह में रोड़ा

आज भी लेह और करगिल के गांवों में जेनरेटरों से मिलती है बिजली

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 27 मई।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लद्दाख को कार्बन मुक्त क्षेत्र बनाने की घोषणा के बावजूद, लेह और करगिल के कई गांव बिजली के लिए डीजल जेनरेटर (डीजी) सेट पर निर्भर हैं। दरअसल चांगथांग, ज़ांस्कर और नुबरा सहित लद्दाख के कई दूरदराज के क्षेत्र अभी भी राष्ट्रीय बिजली ग्रिड से जुड़े नहीं हैं। लद्दाख पावर डेवलपमेंट डिपार्टमेंट (एलपीडीडी) के अनुसार, वर्तमान में लद्दाख में 41 डीजी सेट हैं, जिनमें नुबरा में 18, चांगथांग में 15 और जंस्कार में 8 शामिल हैं।

सरकार इन जेनरेटर को चलाने के लिए सालाना लगभग 25 करोड़ रुपए खर्च करती है। हालांकि, डीजी सेट पर निर्भर गांवों को 24 घंटे बिजली की आपूर्ति नहीं मिलती है। उन्हें शाम को छह घंटे और सुबह दो घंटे बिजली मिलती है, केवल ईद और लोसार (लद्दाख नव वर्ष) जैसे विशेष अवसरों पर अतिरिक्त आपूर्ति होती है। सर्दियों के दौरान, लद्दाख की बिजली की मांग 74 मेगावाट से अधिक हो जाती है, नुबरा, जंस्कार और चांगथांग के राष्ट्रीय ग्रिड से जुड़ जाने के बाद इस क्षेत्र की बिजली पर निर्भरता और बढ़ जाएगी।

वर्ष 2019 में, प्रधानमंत्री ने एलेस्टैंग (श्रीनगर) से द्रास, करगिल और खालसी होते हुए लेह तक 220 केवी ट्रांसमिशन लाइन चालू की थी। 300 एमवीए की क्षमता वाले चार जीआईएस सबस्टेशनों द्वारा समर्थित इस परियोजना ने लद्दाख के 72 परसेंट गांवों को उत्तरी ग्रिड से जोड़ दिया है, जिससे चौबीस घंटे बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित हो गई है। अधिकारियों ने बताया कि एलपीडीडी वर्तमान में बिजली की उपलब्धता बढ़ाने के लिए कई परियोजनाओं को लागू कर रहा है। प्रधान मंत्री विकास पैकेज (पीएमडीपी) के तहत, नुबरा और जंस्कार को 220 केवी लाइनों और डिस्किट (नुबरा) और पदुम (जंस्कार) में 220/33 केवी सबस्टेशनों के माध्यम से उत्तरी ग्रिड से जोड़ा जाएगा। नुबरा का कनेक्शन अक्टूबर 2025 तक होने की उम्मीद है, जबकि चांगथांग को रिवैम्प्ड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम (आरडीएसएस) के तहत 2026-27 तक जोड़ा जाना है। लद्दाख सौर ऊर्जा में अपनी अपार संभावनाओं के लिए प्रसिद्ध है। गैर-परंपरागत ऊर्जा परियोजनाओं को लागू करने के लिए जिम्मेदार लद्दाख अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी ने प्रदूषणकारी डीजल जेनरेटर के विकल्प के रूप में लंबे समय से सौर ऊर्जा को बढ़ावा दिया है। 2012 में, लद्दाख अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी ने पांच साल के भीतर हाइड्रो, सोलर या जियोथर्मल पावर के माध्यम से लद्दाख को बिजली देने का लक्ष्य रखा। हालांकि, 13 साल बाद भी यह विजन काफी हद तक साकार नहीं हो पाया है।

एजेंसी ने लद्दाख अक्षय ऊर्जा पहल सहित कई परियोजनाओं को लागू किया, जिसका उद्देश्य 11 माइक्रो-हाइड्रो प्रोजेक्ट (कुल 11.2 मेगावाट) विकसित करना और अलग-अलग क्षमताओं के 125 सौर फोटोवोल्टिक प्लांट लगाना था। जबकि कुछ परियोजनाएँ पूरी हो गईं, लेकिन कुल मिलाकर क्रियान्वयन उम्मीदों से बहुत कम रहा। जैसे-जैसे लद्दाख हरित भविष्य की ओर बढ़ रहा है, महत्वाकांक्षा और क्रियान्वयन के बीच की खाई को पाटना एक महत्वपूर्ण चुनौती बनी हुई है। एलपीडीडी फ्यांग/फे में 25 मेगावाट एसी और 40 मेगावाट बीईएसएस तथा 12 मेगावाट सौर संयंत्र के साथ 50 मेगावाट पी डीसी की स्थापित क्षमता वाली मेगा सौर परियोजना स्थापित कर रहा है। यह एलपीडीडी यूटी लद्दाख की स्थानीय बिजली उत्पादन होगी, जिससे बिजली शुल्क कम करने तथा सिस्टम में हरित ऊर्जा जोड़ने में मदद मिलेगी।

हाईकोर्ट के 21 न्यायधीशों के तबादले की सिफारिश

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई की अध्यक्षता वाले कॉलेजियम ने विभिन्न उच्च न्यायालयों के 21 न्यायाधीशों के तबादले की सिफारिश की है।

शीर्ष अदालत की ओर से मंगलवार को एक बयानी जारी कर यह जानकारी दी गई। बयान के मुताबिक 26 मई को आयोजित बैठक में कॉलेजियम ने न्यायाधीशों के स्थानांतरण करने संबंधी फैसला किया।

न्यायमूर्ति सुजॉय पॉल को तेलंगाना से कलकत्ता उच्च न्यायालय स्थानांतरित करने की सिफारिश की गई है जबकि न्यायमूर्ति वी कामेश्वर राव को कर्नाटक उच्च न्यायालय से दिल्ली उच्च न्यायालय तबादला करने की सिफारिश की गई।

इसी प्रकार न्यायमूर्ति लानुसुंगकुम जमीर को गुवाहाटी से कलकत्ता उच्च न्यायालय, न्यायमूर्ति मानस रंजन पाठक को गुवाहाटी से उड़ीसा उच्च न्यायालय, न्यायमूर्ति नितिन वासुदेव साम्ब्रे को बॉम्बे से दिल्ली उच्च न्यायालय, न्यायमूर्ति अश्विनी कुमार मिश्रा को इलाहाबाद से पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय भेजने की सिफारिश की गई है।

न्यायमूर्ति सुमन श्याम को गुवाहाटी से बॉम्बे उच्च न्यायालय तबादला करने की सिफारिश की गई। न्यायमूर्ति संजीव प्रकाश शर्मा को पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय से वापस राजस्थान स्थानांतरित करने की संस्तुति की गई है।

इसी प्रकार से न्यायमूर्ति विवेक चौधरी को इलाहाबाद से दिल्ली उच्च न्यायालय, न्यायमूर्ति दिनेश कुमार सिंह को केरल से कर्नाटक उच्च न्यायालय, न्यायमूर्ति विवेक कुमार सिंह को मद्रास से मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय तथा न्यायमूर्ति बट्टू देवानंद को मद्रास उच्च न्यायालय से वापस आंध्र प्रदेश स्थानांतरित करने की सिफारिश की गई है।

कॉलेजियम ने न्यायमूर्ति ओम प्रकाश शुक्ला को इलाहाबाद से दिल्ली उच्च न्यायालय, न्यायमूर्ति श्री चंद्रशेखर को राजस्थान से बॉम्बे उच्च न्यायालय तथा न्यायमूर्ति सुधीर सिंह को पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय से वापस पटना स्थानांतरित करने की संस्तुति की गई है।

शीर्ष अदालत कॉलेजियम ने न्यायमूर्ति अनिल क्षेत्रपाल को पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय से दिल्ली उच्च न्यायालय, न्यायमूर्ति अरुण कुमार मोंगा को राजस्थान से दिल्ली उच्च न्यायालय, न्यायमूर्ति जयंत बनर्जी को इलाहाबाद से कर्नाटक उच्च न्यायालय तथा न्यायमूर्ति सी सुमालता को कर्नाटक से तेलंगाना उच्च न्यायालय में वापस स्थानांतरित करने की सिफारिश की गई है। कॉलेजियम ने न्यायमूर्ति ललिता कन्नेगंती को कर्नाटक से तेलंगाना और न्यायमूर्ति अनिरेड्डी अभिषेक रेड्डी को पटना उच्च न्यायालय से तेलंगाना वापस स्थानांतरित करने की संस्तुति की है।

प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की जीडीपी को 10वें से चौथे स्थान पर लाया : अमित शाह

मुंबई, 27 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कामों की तारीफ की, खास तौर पर भारत की जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) को 10वें स्थान से चौथे स्थान पर लाने के लिए।

माधवबाग में लक्ष्मी-नारायण मंदिर की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने कहा, जब कुछ लोग पूछते हैं कि मोदी ने पिछले एक दशक में क्या किया है, तो मेरा जवाब है कि उन्होंने देश की जीडीपी को 10वें स्थान से चौथे स्थान पर ला दिया है, साथ ही, हमारी सुरक्षा में सेंध लगाने की कोशिश करने वालों को करारा जवाब दिया है।

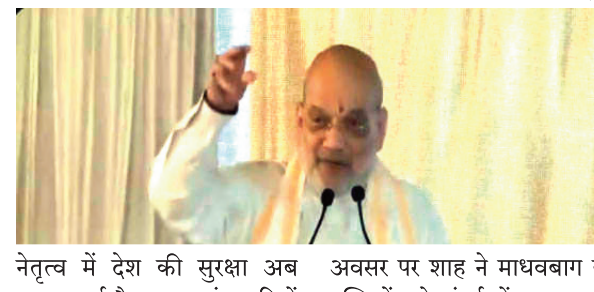

उन्होंने कहा प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश की सुरक्षा अब मजबूत हुई है। हम आतंकवादियों को मुंहतोड़ जवाब देने में सक्षम हैं। सौ साल से अधिक समय तक भगवान राम की मूर्ति एक टेंट में थी, लेकिन श्री मोदी ने अब वहां मंदिर बना दिया है। इसके अलावा काशी विश्वेश्वर कॉरिडोर बनाया है और योग और आयुर्वेद को दुनिया में ले गए हैं। उन्होंने कहा कि श्री मोदी ने ये सभी बदलाव किए हैं और देश का इतिहास स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा। इस अवसर पर शाह ने माधवबाग के ट्रस्टियों को मुंबई में 150 वर्षों तक इतनी बड़ी संस्था चलाने के लिए बधाई भी दी। उन्होंने कहा कि 150 साल पुरानी संस्था ने मध्यम वर्ग की समस्याओं का समाधान किया है और ट्रस्टियों से कहा कि वे अपनी मातृभाषा सिखाने के लिए यहां एक भाषा प्रशिक्षण केंद्र शुरू करें। इस अवसर पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी संबोधित किया।

600 साल पुराने मंदिर के नजदीक प्रशासन ने शुरू की पैमाइश

मुजफ्फरनगर, 27 मई (एजेंसियां)। मीरापुर कस्बे के मोहल्ला मुस्तर्क में मुस्लिम बस्ती के बीच स्थित प्राचीन मनकेश्वर महादेव मंदिर के आसपास बने मुस्लिम समाज के मकानों की पैमाइश शुरू कर दी गई है। राजस्व विभाग की टीम ने मंगलवार को पहुंचकर कार्रवाई की। राजस्व विभाग निरीक्षक संजीव शर्मा, लेखपाल ओमबीर सिंह टीम के साथ प्राचीन मनकेश्वर महादेव मंदिर पहुंचे। मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष मूलचंद शर्मा व अन्य को साथ लेकर टीम ने आसपास बने मुस्लिम समाज के मकानों की भूमि की पैमाइश की। लेखपाल ओमबीर सिंह ने बताया कि बुधवार को भी जांच की जाएगी। पैमाइश के बाद उच्चाधिकारियों को रिपोर्ट प्रेषित की जाएगी। कुछ दिन पहले यशवीर महाराज ने करीब 600 वर्ष पुराने शिव मंदिर को जाग्रत किया था। उन्होंने मंदिर की भूमि पर कब्जा किए जाने का आरोप लगाते हुए प्रशासन से आसपास के मुस्लिम मकानों के बैनामों की जांच, मकानों की पैमाइश की मांग की थी। इसके बाद एसडीएम जानसठ ने राजस्व विभाग की टीम को जांच के लिए भेजा।

एनसीआरटी 'आपरेशन सिंदूर' पाठ्यक्रम में शामिल करने पर कर सकती है विचार: प्रधान

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने मंगलवार को कहा कि राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) 'ऑपरेशन सिंदूर' को इतिहास के पाठ्यक्रम में शामिल करने पर विचार कर सकती है।

श्री प्रधान ने यहां शिक्षा क्षेत्र पर एनडीटीवी टीवी चैनल के सम्मेलन में चर्चा के दौरान इस विषय में एक सवाल पर कहा, देश के पराक्रम और शक्ति बढ़ाने के लिए जन-जिन विषयों में सरकार की श्रद्धा है, वे सब बच्चों के अंदर आनी चाहिए। उन्होंने कहा, ' जिन राज्य सरकारों ने इस दिशा में पहल की है उन्होंने अच्छा काम किया है, एनसीईआरटी हमेशा इस तरह के अच्छे विषयों पर ध्यान देती आई है. एनसीईआरटी इन सभी विषयों पर भी निश्चित ही ध्यान देगी।

उन्होंने कहा , इतिहास भविष्य में चलने के लिए दर्पण का काम करता है और अपने इतिहास को सही तरह से दिखाना हमारा दायित्व है, क्यों कि हमें भविष्य को और प्रभावशाली और स्पष्ट करना है।

बातचीत में उन्होंने यह भी कहा, ' हम इतिहास को मिटाने वाले लोग नहीं हैं. हम लंबी लकीर खींचने वाले लोग हैं। इस देश में अनेकों गुमनाम और अज्ञात हैं, क्या देश में कभी शहीद जोरावार और फतेह सिंह की वीरगाथा के बारे में बच्चों को पढ़ाया जाता था? क्या कोहिमा के बच्चे उन शहीदों की वीरगाथा जानते थे?' उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार इतिहास के तमाम गुमनाम नायकों की कहानियों को देश की नयी पीढ़ी के सामने लाने का काम कर रही है। लेकिन कुछ लोग इस पर सवाल उठाते हैं कि ये क्यों लाया जा रहा है।

मुमताज़, 77 साल की उम्र में फिर से अभिनय के लिए तैयार!

लेकिन शाहरुख खान की माँ का किरदार नहीं निभाएंगी

उनमें हमेशा से वो बात थी - चीज़ों को शान से करने की क्षमता। चाहे दो रास्ते की मोहक भूमिका हो, खिलौना की गणिका, दुश्मन की खुशमिज़ाज लड़की या अपराध की धोखेबाज महिला, मुमताज़ हर किरदार में फिट बैठती थीं और हर भूमिका को शानदार तरीके से निभाती थीं। यह कोई संयोग नहीं था कि 1960 के दशक के अंत और 1970 के दशक की शुरुआत के बीच, वह हिंदी सिनेमा की सबसे अधिक भुगतान पाने वाली अभिनेत्री थीं। रोटी, आप की कसम और प्रेम कहानी जैसी फिल्मों से उन्होंने सिनेप्रेमियों को अपने मोहक जादू में बांधे रखा। फिर, 70 के दशक के मध्य में व्यवसायी मयूर माधवानी से शादी करने के बाद उन्होंने अचानक अभिनय छोड़ दिया, केवल 1990 में आंधियां में एक उपस्थिति दर्ज कराई। अपने करियर के चरम पर, मुमताज़ अक्सर गपशप पत्रिकाओं में अपने सह-कलाकारों, शम्मी कपूर, राजेश खन्ना और फ़िरोज़ खान, और निर्देशक यश चोपड़ा के साथ लिंक-अप की ख़बरों में रहती थीं। हालांकि शम्मी कपूर और मुमताज़ दोनों अपने रिश्ते को लेकर हमेशा खुले रहे, लेकिन दूसरों के बारे में रिपोर्टें हमेशा अटकलों के दायरे में रहीं। वयोवृद्ध अभिनेत्री ने अब इस संबंध में स्थिति स्पष्ट कर दी है। उन्होंने 35 साल बाद वापसी करने की इच्छा भी व्यक्त की है। हालांकि परिपक्व भूमिकाएं निभाने को लेकर उत्सुक हैं, लेकिन बीते ज़माने की ये दिवा बड़े अभिनेताओं की माँ की भूमिका निभाने के खिलाफ हैं।

मुमताज़ इस बात से वाकिफ हैं कि आंधियां में माँ के रूप में उनकी भूमिका को दर्शकों ने स्वीकार नहीं किया था और वह गलती दोहराना नहीं चाहतीं। 77 वर्षीय अभिनेत्री को जब उनके उस बयान के बारे में याद दिलाया गया कि वह शाहरुख खान या अक्षय कुमार की मां का किरदार नहीं निभाएंगी, तो उन्होंने विक्की लालवानी शो में कहा कि वह अपनी बात पर कायम हैं क्योंकि उन्होंने एक नियम बनाया था कि वह केवल उसी अभिनेता की मां का किरदार निभाएंगी जो उनसे कम से कम 20 साल छोटा हो।

जब पूछा गया कि क्या वह जया बच्चन की तरह (शाहरुख की माँ का किरदार) निभाएंगी, तो मुमताज़ ने कहा: वह जया का फैसला हो सकता है। मैं केवल उसी अभिनेता की माँ का किरदार निभाऊंगी जो मुझसे 20 साल छोटा हो और अगर मैं अच्छी दिखूं। जब लालवानी ने पूछा कि क्या शाहरुख (जो इस साल के अंत में 60 साल के हो जाएंगे) इस मानदंड को पूरा करने में विफल रहे, तो मुमताज़ ने कहा कि शायद अभिनेता खुद ही इस विचार को अस्वीकार कर देंगे। उन्हें बताया गया कि शाहरुख ने एक टॉक शो में कहा था कि मुमताज़ उनकी पहली क्रश थीं और शायद वह उनका बेटा बनने से इनकार नहीं करेंगे।

अभिनेत्री ने कहा कि उन्होंने शायद यह बात मज़ाकिया अंदाज़ में कही होगी। शाहरुख, मैं आपसे सीधे पूछ रही हूं। अगर आपको मेरा बेटा बनने में कोई आपत्ति नहीं है, तो मैं आपकी मां बनूंगी, जैसी मैं हूं और अगर मैं अच्छी दिखूं। लेकिन वह खुद ही मना कर देंगे, मुमताज़ ने कहा, साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि वह कहेंगे कि यह अच्छा नहीं लगेगा। अभिनेत्री ने कहा कि शाहरुख एक प्यारे, बुद्धिमान और स्मार्ट व्यक्ति हैं। सिर्फ इसलिए कि उन्हें वह पसंद थीं, इसका मतलब यह नहीं कि वह कोई भी भूमिका स्वीकार कर लेंगे।

मुमताज़ ने कहा कि उनकी शादी बहुत कम उम्र में हो गई थी और उनके और उनके बच्चों के बीच उम्र का ज़्यादा फासला नहीं था। वह हॉलीवुड अभिनेत्री जेन फोंडा की मदर-इन-लॉ जैसी भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं, जो मज़बूत और स्टाइलिश थी। वह एक खूबसूरत विषय था। दिवंगत निर्देशक यश चोपड़ा, जो उनसे लगभग 15 साल बड़े थे, कभी उनके प्यार में पागल थे, ऐसी अफवाह थी। वह अपनी सफेद कार में उनके फ्लैट पर जाते थे और उनकी मौसी और नानी से मिलते थे, मुमताज़ से शादी करने की अपनी इच्छा व्यक्त करते थे। जब उनसे इसके बारे में पूछा गया, तो उन्होंने पुष्टि की कि यश ने ऐसा किया था।

क्या निर्देशक ने कभी उनसे कहा था कि वह उनसे प्यार करते हैं, मुमताज़ ने कहा: वह मुझसे प्यार करते थे। मैं उन्हें तब से जानती थी जब मैंने उनके बड़े भाई बी.आर. चोपड़ा की फिल्म में काम किया था। तब वह एक असिस्टेंट थे, निर्देशक नहीं। हालांकि वह हमराज़ का जिक्र कर रही थीं, लेकिन उन्हें इस बात की जानकारी नहीं थी कि यश चोपड़ा तब तक एक निर्देशक बन चुके थे और धूल का फूल, धर्मपुत्र और अत्यधिक सफल वक्त जैसी फिल्में निर्देशित कर चुके थे।

विस्तार से बताते हुए उन्होंने कहा कि यश चोपड़ा ने कई बार उनसे कहा कि वह उनसे प्यार करते हैं और उनसे शादी करने के लिए कहा। लेकिन, मुझे उनसे प्यार नहीं था। किसी व्यक्ति से शादी करने के लिए, आपको उससे प्यार होना चाहिए, उसके करीब होना चाहिए और दोनों के बीच एक निश्चित केमिस्ट्री … होनी चाहिए। मुझे वह एक फि… निर्माता और एक अच्छे इंसान के रू… पसंद थे। वह एक परफेक्शनिस्ट … लेकिन, चूंकि मुझे उनसे प्यार नहीं थ… कोई केमिस्ट्री नहीं थी, इसलिए मैंने उनसे शादी नहीं की।

हालांकि, यश चोपड़ा के साथ उनके जुड़ाव की सुखद यादें थीं और उन्होंने कहा कि जब उनकी मृत्यु हुई तो वह बहुत रोई थीं। उनकी मृत्यु से पहले, यश चोपड़ा ने उन्हें लंदन में फोन किया था और उनसे मुंबई में अपने स्टूडियो आने के लिए कहा था। यश चोपड़ा की बहू रानी मुखर्जी ने भी यश की मृत्यु के बाद इस संबंध में उनसे बात की थी, लेकिन किसी तरह वह स्टूडियो नहीं जा पाईं। मुमताज़ और राजेश खन्ना ने कम से कम 10 सुपरहिट फिल्मों में एक साथ काम किया और उन दिनों अफवाह थी कि उनका अफेयर चल रहा था।

मुमताज़ ने कहा कि उन्होंने कई बार इस बात से इनकार किया कि वह राजेश खन्ना के साथ रिश्ते में थीं। काश मैं इसमें शामिल होती। सिर्फ इसलिए कि हमने इतनी फिल्मों में एक साथ काम किया, इसका मतलब यह नहीं था कि हमारा अफेयर था। अभिनेत्री अंजू महेंद्रू और राजेश खन्ना का लिव-इन रिलेशनशिप था और अंजू को तब झटका लगा था जब राजेश ने 1973 में डिंपल कपाड़िया से शादी करने का फैसला किया था। अंजू मेरी दोस्त भी थी। मुझे राजेश के फैसले पर आश्चर्य हुआ। अंजू जो एक पार्टी में थी, चौंक गई थी और उसने कहा कि उसे नहीं पता था कि राजेश के फैसले का क्या कारण था। हालांकि अंजू टूट नहीं गई थी, लेकिन वह बहुत आहत हुई थी, मुमताज़ ने कहा, और उन्होंने यह भी कहा कि अंजू ने बीमारी से जूझ रहे राजेश खन्ना का भी ख्याल रखा था। …ात यह है कि दिवंगत संगीत … मदन मोहन की भतीजी अंजू …, जिन्होंने मुमताज़ को बताया …कि उन्हें राजेश खन्ना के फैसले … आश्चर्य हुआ था, ने बाद में …क साक्षात्कार में स्वीकार किया … कि वह 1971 में राजेश …न्ना के शादी के प्रस्ताव को …स्वीकार करने के लिए …रिपक्व थीं और उन्होंने कहा था …गर उन्होंने प्रस्ताव स्वीकार कर …ता, तो वह राजेश खन्ना की …

मुमताज़ ने राजेश खन्ना के कारण उनके और शर्मिला टैगोर के बीच मतभेदों की अटकलों को भी शांत किया। उन्होंने कहा कि जब वे शीर्ष अभिनेत्रियां थीं तब उनके बीच कोई गहरी प्रतिद्वंद्विता नहीं थी। मैंने शर्मिला टैगोर से ज़्यादा फिल्में राजेश खन्ना के साथ कीं। वह पहले से ही शादीशुदा थीं और उनके खूबसूरत बच्चे थे। वह एक बड़ी हीरोइन थीं। मैं भी थी। पहले, हमने कुछ फिल्मों में एक साथ काम किया जहाँ वह मुख्य अभिनेत्री थीं और मैं सहायक अभिनेत्री थी, लेकिन हम कभी सच्चे अर्थों में दोस्त नहीं थे। जब भी हम मिलते हैं तो वह हमेशा मुझसे अच्छी तरह से मिलती हैं।

शम्मी कपूर के बारे में बात करते हुए, मुमताज़ ने कहा कि वे प्यार में थे और शादी करना चाहते थे (शम्मी की पत्नी गीता बाली की मृत्यु के बाद), लेकिन शम्मी के परिवार का एक नियम था कि उनकी बहुएं फिल्मों में काम नहीं करेंगी। राज कपूर, जो उन्हें मेरा नाम जोकर में कास्ट करने की योजना बना रहे थे, उन्होंने यह विचार छोड़ दिया, हालांकि तब तक उनका शम्मी कपूर से ब्रेकअप हो चुका था। हमारी शादी होना तय नहीं था, उन्होंने कहा।

मुमताज़ मधुबाला और उनके पिता के बहुत करीब थीं। मधुबाला के पिता मुझे छोटी मुमताज़ कहते थे क्योंकि मधुबाला का असली नाम भी ममताज़ था। वह यूसुफ साहब (दिलीप कुमार) के प्यार में पागल थीं। उन्होंने उनसे अपना रिश्ता नहीं तोड़ा। कहा जाता था कि यूसुफ साहब ने मधुबाला, जिन्हें दिल की गंभीर बीमारी थी, से अपना रिश्ता तोड़ लिया था क्योंकि डॉक्टरों ने उन्हें बताया था कि वह शादी के बाद गर्भधारण नहीं कर पाएंगी। जब उनसे पूछा गया कि क्या मधुबाला ने उन्हें भी इसके बारे में बताया था, तो मुमताज़ ने मधुबाला को अपने अंतिम दिनों में यह कहते हुए उद्धृत किया कि यूसुफ (दिलीप कुमार) ने इसी वजह से उनसे शादी नहीं की।

हरभजन सिंह और उनकी पत्नी लेकर आ रहे नया चैट शो हू इज द बॉस, जाने क्या होगी थीम?

भारतीय क्रिकेट खिलाड़ी हरभजन सिंह और उनकी पत्नी गीता बसरा ने हाल ही में अपनी नई प्रोडक्शन कंपनी पर्पल रोज एंटरटेनमेंट शुरू की है। अब उन्होंने इस बैनर के तले एक नया चैट शो हू इज द बॉस शुरू किया है। हरभजन सिंह ने बताया कि इस शो को बनाने का आइडिया उन्हें महिलाओं से मिला। उन्होंने कहा, लोग क्रिकेटरों को तो जानते हैं, लेकिन उनकी पत्नियों को नहीं जानते। इन महिलाओं की अपनी एक पहचान है, एक अलग कहानी है। ये अपने आप में बेहद खास हैं, और हम चाहते हैं कि इनकी कहानियां सबके सामने आएं। इसी सोच के साथ इस शो को शुरू करने का आइडिया आया।

वहीं गीता बसरा ने भी बात की और घर में असली बॉस कौन है?, इसका जवाब देते हुए कहा, मुझे लगता है कि हम दोनों मिलकर बराबरी से जिम्मेदारियां निभाते हैं।उन्होंने कहा, मैं ज्यादातर बच्चों की देखभाल करती हूं, उनकी रोज की एक्टिविटी, क्लासेस, खाना और घर के छोटे-मोटे काम भी देखती हूं। हरभजन पैसे से जुड़े फैसले लेते हैं कि क्या खरीदना है और क्या नहीं खरीदना है। हरभजन ने गीता की बात से सहमति जताते हुए कहा, हां, मैं आमतौर पर पैसों से जुड़े काम संभालता हूं, लेकिन घर में क्या ठीक करवाना है और क्या नहीं, उसमें गीता की भी राय होती है। कह सकते हैं हमारे बीच एक पार्टनरशिप है।

जब गीता बसरा से पूछा गया कि क्या उनका शो हू इज द बॉस कॉमेडियन कपिल शर्मा के शो से प्रेरित है, तो इस पर उन्होंने जवाब दिया, ऐसा नहीं है। कपिल शर्मा का शो कई सालों से चल रहा है और उसमें लाफ्टर, जोक्स, मस्ती-मजाक ज्यादा होता है। हमारे शो में भी मजेदार बातें हैं, लेकिन यह शो उससे काफी अलग है। हरभजन सिंह ने कहा, हमारा शो इस बात पर ज्यादा आधारित है कि जो लोग पब्लिक में फेमस हैं, उनकी असली जिंदगी कैसी है। जैसे सभी रोहित शर्मा को एक क्रिकेटर के तौर पर जानते हैं, लेकिन असल जिंदगी में वह कैसे इंसान हैं.. इस बारे में लोग नहीं जानते, और उनकी पत्नी के बारे में तो और भी कम लोग जानते हैं। हम उनका असली जीवन दिखाना चाहते हैं, वो कपल के तौर पर कैसे हैं, और उनका साथ में सफर कैसा रहा है। गीता बसरा ने आखिर में कहा, हमारा शो सेलिब्रिटीज के पीछे छुपी इंसानी कहानियों को दिखाने के लिए बना है, और यही बात इसे कपिल के शो से अलग बनाती है। लेकिन हां, हम चाहते हैं कि हमारा शो कपिल शर्मा शो के जितना पॉपुलर हो, और हम तो ये भी चाहेंगे कि एक दिन कपिल शर्मा खुद हमारे शो में मेहमान बनकर आएं।

अक्षरा सिंह को मिला बीजेएएनए यूएसए अवॉर्ड, कहा

यह मेरे सपनों की जीत

भोजपुरी सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री अक्षरा सिंह को हाल ही में अमेरिका में एक खास सम्मान से नवाजा गया है। एक्ट्रेस की प्रतिभा, मेहनत और कला को देखते हुए उन्हें बिहार झारखंड एसोसिएशन ऑफ नॉर्थ अमेरिका (बीजेएएनए यूएसए) द्वारा एप्रिसिएशन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। यह अवॉर्ड भारतीय संस्कृति और भोजपुरी सिनेमा में अक्षरा के योगदान को दर्शाता है। इस सम्मान को पाकर अक्षरा सिंह बेहद खुश नजर आईं और उन्होंने सोशल मीडिया पर भी अपने फैंस के साथ इस खुशी को साझा किया। अक्षरा सिंह ने इंस्टाग्राम पर अवॉर्ड लेते हुए अपनी एक फोटो शेयर की। इस फोटो में वह ब्लैक कलर की ड्रेस में नजर आ रही हैं। इस पोस्ट के कैप्शन में अक्षरा ने लिखा, कभी सोचा नहीं था कि बिहार के एक छोटे से कोने से चलकर अमेरिका की धरती पर अपने राज्य और देश का प्रतिनिधित्व करूंगी। आज जब बीजेएएनए यूएसए से मुझे एप्रिसिएशन अवॉर्ड मिला, तो वह सिर्फ एक अवॉर्ड नहीं था, वह मेरी मेहनत, संघर्ष और सपनों की जीत थी।

उन्होंने कैप्शन में आगे लिखा, भारत से इतनी दूर आकर जब लोग बिहार का नाम सम्मान और सराहना के साथ लेते हैं, तो लगता है जैसे वर्षों की तपस्या रंग लाई है। उस मिट्टी से जुड़ाव, जिसने मुझे सब कुछ सिखाया और आज उसी मिट्टी की खुशबू को मैंने अमेरिका तक पहुंचाया। यह अवॉर्ड सिर्फ मेरा नहीं है, यह हर उस लड़की का है जो बड़े सपने देखती है, हर उस इंसान का है जो अपनी जड़ों से जुड़े रहकर आगे बढ़ता है। उन्होंने पोस्ट के आखिर में लिखा, दिल से धन्यवाद बीजेएएनए यूएसए को, इतनी दूर होकर भी अपने लोगों को जोड़ने, पहचान देने और सम्मानित करने के लिए। आज एक भारतीय, एक बिहारी होने पर पहले से कहीं ज़्यादा गर्व महसूस हो रहा है। बीजेएएनए बिहार झारखंड एसोसिएशन ऑफ नॉर्थ अमेरिका (बीजेएएनए) एक गैर-लाभकारी संगठन है, जिसका उद्देश्य बिहार की संस्कृति, शिक्षा, और समुदाय को बढ़ावा देना है।

खतरनाक राक्षस से भिड़ी काजोल

बताया कब जारी होगा फिल्म मां का ट्रेलर?

बॉलीवुड स्टार काजोल ने अपनी नई फिल्म मां से अपना पहला पोस्टर जारी किया, जिसमें वह एक बहादुर योद्धा के अवतार में नजर आ रही हैं। इस फिल्म में वह एक ऐसे किरदार में हैं जो अपने परिवार को खतरनाक और बुरी ताकत से बचाने के लिए लड़ती हैं। पोस्टर के साथ एक्ट्रेस ने ट्रेलर के रिलीज होने की डेट का भी खुलासा किया। काजोल ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का नया पोस्टर शेयर किया है। पोस्टर में काजोल और एक शैतान नजर आ रहा है, जिसकी लाल आंखें चमक रही हैं और शरीर बेहद डरावना है। दोनों एक-दूसरे पर चिल्लाते हुए नजर आ रहे हैं। बैकग्राउंड में आकाशीय बिजली चमकती नजर आ रही है। कुल मिलाकर पोस्टर काफी डरावना है।

पोस्टर पर लाल रंग में लिखा है, रक्षक, भक्षक और मां, पोस्टर में दमदार ऑडियो सुनाई दे रहा है। यह ऑडियो काफी जोशीला है। ऐसा लगता है काजोल शैतान से लड़ने को पूरी तरह तैयार हैं। इस पोस्टर को शेयर करते हुए काजोल ने कैप्शन में लिखा- रक्षक, भक्षक, मां। बचाने वाली। बर्बाद करने वाली। चार के दिन के बाद ट्रेलर आएगा। फिल्म का निर्देशन विशाल फुरिया ने किया है। वह छोरी और छोरी 2 जैसी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। फिल्म मां को अजय देवगन और ज्योति देशपांडे प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिल्म में काजोल के अलावा इंद्रनील सेनगुप्ता, रोनित रॉय और जितिन गुलाटी अहम किरदारों में नजर आएंगे। यह एक महिला की कहानी है, जो अपनी बेटी को बुरी ताकतों से बचाने के लिए किसी भी हद तक जाती है।वर्कफ्रंट की बात करें तो काजोल की झोली में एक्शन थ्रिलर फिल्म महारागनी: क्वीन ऑफ क्वींस है, जिसका निर्देशन चरण तेज उप्पलपति ने किया है। इस फिल्म में काजोल के साथ प्रभु देवा भी नजर आएंगे। बता दें कि दोनों ने पहले भी साथ में काम किया था। 1997 में तमिल फिल्म मिनसारा कनवु में प्रभु देवा और काजोल ने एक साथ अभिनय किया था। अब 27 साल बाद फिर से दोनों साथ में नजर आएंगे।

गणेशजी की कृपा से तुला सहित अन्य राशियों के विघ्न होंगे दूर

आज 28 मई दिन बुधवार है और तिथि है ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि। ऐसे में आज के दिन के स्वामी ग्रह बुध और देवता रहेंगे भगवान गणेशजी। जबकि आज चंद्रमा का गोचर वृषभ उपरांत बुध की राशि मिथुन में होने जा रहा है और ऐसे में आज गुरु और चंद्रमा की युति भी मिथुन राशि में बनेगी जिससे आज के दिन गजकेसरी योग बनेगा। जबकि दिन के पहले भाग में आज चंद्रमा, बुध और सूर्य का त्रिग्रह योग प्रभावी रहेगा। इसके साथ ही आज मृगशिरा नक्षत्र के संयोग में सर्वार्थ सिद्धि योग का भी शुभ संयोग बनने जा रहा है। जिससे आज का दिन भगवान गणेश और गजकेसरी योग से तुला सहित 5 राशि के जातकों के लिए भाग्यशाली रहेगा।

मेष राशि – मेष राशि के जातकों के लिए आज बुधवार का दिन बिगड़े कामों को बनाने वाला रहेगा। आज आपमें बुद्धिमत्ता, विवेकशीलता, वाक्पटुता और साहस का अद्भुत मिश्रण देखने को मिलेगा। जिसकी मदद से आप अपने कार्यों में आ रहीं अड़चनों को दूर करेंगे। आज के दिन आपके कार्य इच्छित लाभ दिलाएंगे। खासकर आज टीचिंग, कोचिंग, रेस्टोरेंट, होटल आदि से जुड़े जातकों को अच्छा धन लाभ कमाने को मिल सकता है। इसके साथ ही आज कारोबार के सिलसिले में आपको छोटी यात्रा पर जाने का अवसर मिल सकता है जो काफी सुखद रहेगी। आज आप अपने धन को सही जगह निवेश करने में सफल होंगे। नौकरीपेशा जातकों को कारोबार में अपनी कार्यक्षमता का फायदा मिलेगा। उनकी सराहना होगी। आज परिवार में काफी अच्छा माहौल रहेगा। छोटे भाई बहनों का साथ मिलेगा, जबकि परिवार में अन्य सदस्यों के साथ भी आपका तालमेल बना रहेगा।

उपाय : आज गाय को हरा चारा या पालक खिलाएं। इसके साथ ही आज बुधवार के दिन 108 बार ऊं गं गणपतये नमः मंत्र का जप करें। इससे आपको गणेशजी की कृपा प्राप्त होगी।

मिथुन राशि – मिथुन राशि के जातकों के लिए आज बुधवार का दिन सुख सुविधाओं में इजाफा करने वाला रहेगा। आज आपकी लंबे समय से दबी हुई इच्छा पूरी हो सकती है। इससे आपकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। नौकरीपेशा जातकों को आज कहीं से अच्छी खबर सुनने को मिल सकती है। खासकर आज आपमें धैर्य और लचीलेपन का मिश्रण नजर आएगा जिससे आप किसी भी परिस्थिति में अपने लिए लाभ अर्जित कर सकेंगे। इसके साथ ही आज आध्यात्मिक कार्यों में आपका मन अधिक लगेगा। अस्पताल, मेडिआज स्टोर, विदेश से व्यापार, आयात निर्यात आदि का काम करने वालों को आज उम्मीद से बेहतर लाभ मिल सकता है। आज आपके मान सम्मान में इजाफा होगा। और घर से दूर रह रहे परिवार के सदस्य का आना हो सकता है। इससे घर में माहौल खुशनुमा रहेगा।

उपाय : आज बहते हुए जल में खाली मटका बहा दें और मूंग की दाल को रातभर के लिए भिगोकर रख दें और सुबह इसे जानवरों को खिला दें। इससे आपके दुख दूर होंगे।

सिंह राशि – सिंह राशि वालों को आज बुधवार के दिन भाग्य का सहयोग मिलेगा। आज आपके सोच हुए काम समय पर पूरे होंगे, किस्मत का साथ मिलने से आपके कार्यों में आ रहीं परेशानी दूर होगी। अगर आपका धन कहीं फंसा था तो आज उसके वापस मिलने के आसार हैं। इसके साथ ही आज कारोबार में लंबी दूरी की यात्रा पर जा सकते हैं। यात्रा आपके

लिए उत्तम रहने वाली है। यहां आपकी मुलाकात किसी प्रभावशाली शख्सियत से होगी, जो आपके कारोबार को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में मदद कर सकता है। आज राजनीति, सामाजिक क्षेत्र, मार्केटिंग, सेल्स आदि का काम करने वाले जातकों को विशेष रूप से लाभ मिल सकता है। आज आपके काम की तारीफ होगी और आप उपलब्धि हासिल कर सकते हैं। परिवार में जीवनसाथी के साथ संबंध अच्छे रहेंगे। आपके बीच प्रेमभाव बना रहेगा।

उपाय : आज सुहागिन महिलाओं को हरी चूड़ियां, माला और वस्त्रों का दान करें। इसके साथ ही आज एक माला ऊं ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः मंत्र का जप करें। इससे आपके संकट दूर होंगे।

तुला राशि – तुला राशि वालों के लिए आज बुधवार का दिन शुभ रहने वाला है। इसके साथ ही आज आपको कारोबार में बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे। इन्हें सकारात्मक रूप से लेंगे तो आपको बड़ा फायदा होगा। कारोबार के सिलसिले में सुखद और सफल यात्रा पर जा सकते हैं। पैतृक व्यवसाय करने वालों के लिए आज का दिन काफी मुनाफा दिलाने वाला रहने वाला है। आज आपको पद और प्रतिष्ठा का फायदा मिल सकता है। उच्च शिक्षा के सिलसिले में चली आ रही परेशानियां दूर होंगी। इसके साथ ही आज सेहत से जुड़े समस्याओं से जूझ रहे थे तो कुछ राहत मिलने के आसार हैं। परिवार में आपको पिता का सहयोग मिलेगा। जीवनसाथी के साथ भी संबंध मधुर रहेंगे।

उपाय : आज अपने पर्स में हरे रंग की कांच गोलियां रखें और आज के दिन तुलसी के पत्ते को गंगाजल से धोकर खाएं। यह बहुत शुभ माना जाता है।

मीन राशि – मीन राशि के जातकों के लिए आज का दिन बेहद स्पेशल रहने वाला है। आज के दिन आपको साहसिक फैसलों का लाभ मिलेगा। नपा तुला जोखिम लेने से आप अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं। आज मीडिया, प्रकाशन, लेखन आदि के कार्यों से जुडे. जातकों को विशेष रूप से लाभ मिल सकता है। इसके साथ ही रियल एस्टेट और वाहनों से जुड़ा काम करने वाले भी आज फायदे में रहने वाले हैं। आज आपके परिवार में सुख समृद्धि बनी रहेगी। आपको माता की तरफ से काफी सहयोग मिलेगा। इसके साथ ही मातृ पक्ष से संपत्ति का लाभ भी मिल सकता है। विवाह योग्य जातकों के लिए आज नया रिश्ता आ सकता है। प्रेम संबंधों में हैं तो आज पार्टनर के साथ आपके संबंध और प्रगाढ़ होंगे।

उपाय : आज गणेश भगवान को मोदक का भोग लगाने के बाद बच्चों में प्रसाद बांट दें। साथ ही गणेश अथर्वशीर्ष का पाठ करें। इससे आपके कार्यों में आ रहे विघ्न दूर होंगे।

लाल किताब के इन चार विशेष उपायों से आएगा जीवन में सकारात्मक बदलाव

जीवन में कभी-कभी ऐसा होता है कि दिन बहुत ही बोझिल होते जाते हैं और कुछ भी अच्छा नहीं चलता। करियर में समस्याएं खड़ी होने लग जाती हैं। निजी जीवन में परिवार के सहयोग में कमी आती है, तो कभी जीवनसाथी के साथ गलतफहमियां होने लग जाती हैं। ऐसे में समझ नहीं आता कि हम अपने जीवन में सब कुछ ठीक कैसे करें। लाल किताब के अनुसार कुछ ऐसे विशेष उपाय हैं, जिन्हें आजमाने से आपके जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का वास होने लगता है।

हनुमान जी की आराधना से बनने लग जाएंगे बिगड़े काम

हर दिन सुबह हनुमान चालीसा पढ़ना शुरू कर दें। इसके बाद घर में सुंदरकांड का पाठ करवाएं। ये दोनों काम होने के बाद, लगभग 43 दिनों तक किसी मंगलवार या शनिवार को एक ही जगह पर बैठकर 300 बार हनुमान चालीसा का पाठ करें। पाठ करने के बाद प्रसाद बांटें और किसी एक बच्चे को खाना खिलाएं।

नारियल के उपाय से घर में आएगी सकारात्मक ऊर्जा

मंगलवार या शनिवार को यह उपाय करें। एक पानीदार नारियल लें। इसे अपने सिर के ऊपर से 21 बार घुमाएं। फिर इसे घर से बाहर ले जाकर जला दें। इससे आपके सारे संकट दूर हो जाएंगे और नारियल के धुएं से सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा।

शनिदेव को शांत रखें

शनि देव को शांत करने के लिए कुछ खास काम करने से बचना चाहिए। जैसे, दूसरों की पत्नी पर बुरी नजर रखना, शराब पीना, ब्याज पर पैसे देना और किसी को भी तआजीफ देने से शनिदेव के प्रकोप का सामना करना पड़ता है। घर की महिलाओं की इज्जत करें। गंदे रहना, गुस्सा करना और मन में किसी के लिए गलत बातें सोचना भी शनि देव को नाराज कर सकता है।

हर शनिवार पीपल के वृक्ष के नीचे दीपक जलाएं

हर शनिवार की शाम पीपल के वृक्ष के नीचे सरसों के तेल का दीपक जरूर जलाना चाहिए। इससे नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और देवी-देवताओं की कृपा आप पर बनी रहती है।

वृषभ राशि वालों पर कब से शुरू होगी साढ़ेसाती? इन उपायों से पाएं शनिदेव की कृपा

सनातन धर्म में शुक्रवार का दिन मां लक्ष्मी को समर्पित होता है। इस दिन मां लक्ष्मी की भक्ति भाव से पूजा की जाती है। साथ ही वैभव लक्ष्मी व्रत भी रखा जाता है। इसके अलावा, शुक्रवार के दिन सुखों के कारक शुक्र देव की भी उपासना की जाती है। शुक्रवार के दिन देवी मां लक्ष्मी की पूजा करने से कुंडली में अशुभ ग्रहों का प्रभाव समाप्त हो जाता है। साथ ही शुक्र और चंद्र समेत सभी शुभ ग्रहों की कृपा साधक पर बरसती है। सुखों के कारक शुक्र देव वृषभ राशि में स्वामी हैं। इस राशि की आराध्या जगत की देवी मां दुर्गा हैं। इसके लिए शुक्रवार के दिन मां लक्ष्मी की भक्ति भाव से पूजा की जाती है। लेकिन क्या आपको पता है कि कब से वृषभ राशि के जातकों पर शनि की साढ़ेसाती शुरू होगी?

वर्तमान समय में शनिदेव मीन राशि में विराजमान हैं। इस राशि में शनिदेव अगले ढाई साल तक रहेंगे। इसके बाद राशि परिवर्तन करेंगे। शनिदेव मार्गी चाल चलकर मेष राशि में गोचर करेंगे। शनिदेव के राशि परिवर्तन करने के साथ ही वृषभ राशि वालों पर शनि की साढ़ेसाती शुरू हो जाएगी।

शनि गोचर 2027

ज्योतिषीय गणना के अनुसार, न्याय के देवता शनिदेव गुरुवार 03 जून, 2027 को राशि परिवर्तन करेंगे। इस दिन कर्मफल दाता शनिदेव मेष राशि में गोचर करेंगे। इससे पहले शनिदेव मेष राशि में विराजमान रहेंगे। शनिदेव के राशि परिवर्तन करने से कुंभ राशि के जातकों को साढ़ेसाती से मुक्ति मिल जाएगी। वहीं, मीन राशि के जातकों पर साढ़ेसाती का अंतिम चरण शुरू होगा। शनिदेव के राशि परिवर्तन यानी वृषभ राशि में गोचर करने से सिंह और धनु राशि के जातकों को शनि की ढैय्या से मुक्ति मिल जाएगी।

ऐसे करें शनिदेव को प्रसन्न

शनिदेव को प्रसन्न करने के लिए वृषभ राशि के जातक जगत की देवी मां दुर्गा की भक्ति भाव से पूजा करें। साथ ही सोमवार और शुक्रवार के दिन महादेव का जलाभिषेक करें। आर्थिक संपन्नता होने पर कच्चे दूध से भी महादेव का अभिषेक कर सकते हैं। इसके साथ ही सोमवार और शुक्रवार के दिन सफेद चीजों का दान करें। वहीं, शनि की बाधा से मुक्ति के लिए मंगलवार और शनिवार के दिन हनुमान चालीसा का पाठ करें।

ऊंचाई से गिरना या सांप का काटना, इन सपनों को बिल्कुल भी न करें नजरअंदाज

स्वप्न शास्त्र में लगभग हर सपने का कोई-न-कोई अर्थ माना जाता है, जिसका संबंध हमारे निकट भविष्य से होता है। कई लोगों को ऊंचाई से गिरने का सपना आता है, तो कई लोगों को सपने में सांप भी दिखाई देता है। चलिए जानते हैं ऐसे ही कुछ सपनों के बारे में।

शादी का सपना

हमें कई बार सपने में खुद की या दूसरी की शादी होते हुए दिखाई देती है। अगर सपने में आपकी शादी आपके लव पार्टनर से हो रही है, तो यह एक शुभ संकेत के रूप में देखा जाता है। इसका अर्थ है कि आप जल्द ही विवाह के बंधन में बंधने वाले हैं। वहीं शादी टूटते का सपना अशुभ माना जाता है।

अशुभ है ये सपना

कई लोगों को ऊंचाई से गिरने के सपना भी आता है। स्वप्न शास्त्र में माना गया है कि यह सपना आपको भविष्य में आने वाली कुछ कठिनाइयों का संकेत देता है। वहीं यह सपना आपको धन हानि का संकेत भी देता है। ऐसे में सावधानी बरतने की जरूरत है।

यह सपना भी है शुभ

भविष्य पुराण में वर्णन मिलता है कि यदि कोई व्यक्ति सपने में खुद को सोने के गहने पहनते हुए देखता है, तो यह एक शुभ संकेत हो सकता है। यह सपना भविष्य में होने वाले आर्थिक लाभ की ओर इशारा करता है। साथ ही यह सपना इस बात का भी संकेत देता है कि आपको कोई खुशखबरी मिल सकती है।

दूर होगी परेशानी

सपने में सांप आने पर कोई भी व्यक्ति डर सकता है, लेकिन स्वप्न शास्त्र में सांप से जुड़े कुछ सपनों को शुभ माना गया है। अगर आपको सपने में रंग-बिरंगे सांप दिखाई देते हैं, तो यह अच्छा संकेत माना जाता है। इसका अर्थ है कि आपके जीवन में जल्दी ही खुशियां आने वाली हैं।

वहीं अगर आप सपने में खुद को सांप पकड़ते हुए देखते हैं, तो इसे एक बहुत ही शुभ सपने के तौर पर देखा जाता है। स्वप्न शास्त्र में इस सपने का अर्थ है कि आपकी आर्थिक परेशानियां जल्द ही दूर होने वाली हैं।

हथेली के निशान से पता चलता है धनवान बनने का योग

हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार, हाथ में मौजूद रेखाएं और निशान जीवन के हर पहलू के बारे में जानकारी देते हैं। इन रेखाओं और निशानों के माध्यम से आप यह जान सकते हैं कि धनवान बनने के लिए किस्मत आपका साथ देगी या नहीं। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि किसी व्यक्ति के भविष्य को उसके हाथ की लकीरों से जाना जा सकता है। हमारी हाथों की रेखाएं और निशान हमारे भाग्य और जीवन के कई पहलुओं के बारे में बताते हैं। आपने अपने आसपास ऐसे कई लोग देखें होंगे जिन्होंने कम समय में ही बड़ा बिजनेस स्थापित किया और बहुत नाम कमाया। हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार, कुछ व्यक्तियों के हाथ पर खास निशान होते हैं। ऐसे निशान व्यक्ति को सफलता दिलाते हैं। आइए जानते हैं इन रेखाओं और लकीरों के बारे में जो किसी व्यक्ति को सफल बनाती हैं। जिस व्यक्ति की भाग्य रेखा मणिबंध स्थान से शुरू हो रही हो और शनि पर्वत तक पहुंच रही हो और इस रेखा पर कोई अशुभ निशान न हो तो ऐसे व्यक्ति व्यापार में काफी उच्च स्तर पर पहुंच सकते हैं। अगर किसी व्यक्ति की मस्तिष्क रेखा में कोई दोष न हो तो साथ ही भाग्य रेखा से कोई शाखा जीवन रेखा छूकर निकल जाए तो ऐसा व्यक्ति बड़ा बिजनेसमैन बनता है। इतना ही नहीं ऐसा लोगों का व्यापार देश और विदेश दोनों जगहों पर फैलता है।

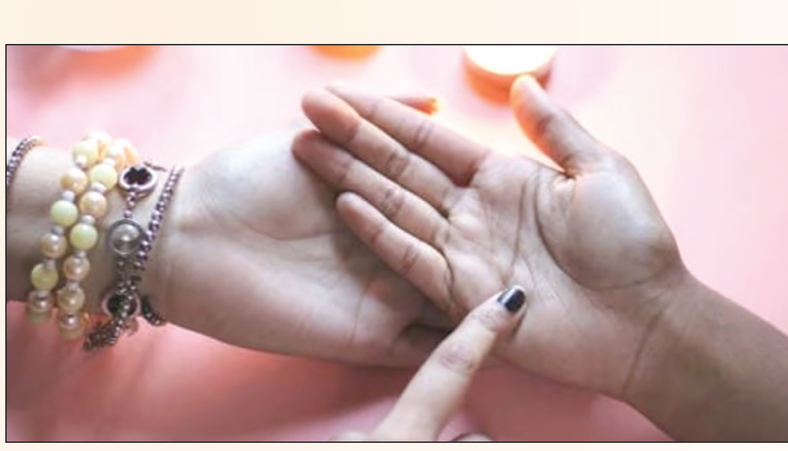

हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार, यदि किसी व्यक्ति के हाथ में शुक्र पर्वत पर मछली का निशान बना हो तो ऐसा व्यक्ति बहुत प्रभावी और आकर्षक होता है। साथ ही ऐसा लोगों का भाग्य उनका पूरा सहयोग करता है। ऐसा व्यक्ति सेलिब्रिटी या बड़ा कारोबारी बन सकता है। इतना ही नहीं ऐसे लोग कम उम्र में ही व्यापार में अच्छी सफलता हासिल करने के साथ ही बड़े व्यापारी बन सकते हैं। साथ ही ऐसे लोगों को समाज में विशेष स्थान मिला है। साथ ही वह अपने व्यवहार के बल पर लोगों का दिल जीत लेते हैं। साथ ही ऐसे लोग अपने संबंधों को लंबे समय तक बनाए रखते हैं। यदि किसी व्यक्ति के हाथ में चंद्रमा पर्वत भाग्य रेखा से निकल रहा हो और अंगूठा पीछे की तरफ झुका हुआ रहा हो तो ऐसा व्यक्ति प्रतिष्ठित व्यवसायी होता है और खूब धन कमाता है। ऐसे लोग अपने बिजनेस में बढ़ाने के लिए नए-नए आइडिया का प्रयोग करते रहते हैं और उनके प्रयोग सफल भी होते हैं। यदि हाथ में भाग्य रेखा और जीवन रेखा एक साथ चल रहीं है तो ऐसे लोग बहुत व्यवहारिक होते हैं और हर क्षेत्र में आसानी से सफलता प्राप्त करते हैं। यदि किसी व्यक्ति की भाग्य रेखा टूटी हुई है तो उसे अपने जीवन में कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

विष्णुजी का मिलता है आशीर्वाद

हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार, अगर किसी व्यक्ति की हथेली पर कमल का चिन्ह मौजूद है तो यह बहुत शुभ माना जाता है। कमल भगवान विष्णु का चिन्ह माना गया है और हथेली पर यह निशान है तो विष्णु योग कहलाता है। ऐसे व्यक्ति पर भगवान विष्णु की कृपा बनी रहती है और भाग्य भी हमेशा इनका साथ देता है। कमल का निशान होने से व्यक्ति नेतृत्व और वाकपटुता में काफी माहिर होता है और इनको जीवन में कभी भी धन की कमी का सामना नहीं करना पड़ता।

भगवान शिव की कृपा

त्रिशूल का निशान हथेली पर होना बहुत भाग्यशाली माना जाता है। अगर यह निशान किसी रेखा या पर्वत के ऊपर मौजूद है तो उस व्यक्ति पर भगवान शिव की कृपा हमेशा बनी रहती है। त्रिशूल का निशान अगर मंगल पर्वत पर मौजूद है तो इससे यह शिव योग बनता है। ऐसे व्यक्ति को जीवन में कभी किसी अड़चन का सामना नहीं करना पड़ता और जीवन में हमेशा तरक्की मिलती है।

कभी नहीं होती धन-धान्य की कमी

अगर आपकी हथेली पर सूर्य पर्वत और गुरु पर्वत ऊंचा उठा हुआ है तो ऐसे व्यक्ति को धन-धान्य की कभी कमी नहीं होती। समाज में इनकी प्रतिष्ठा बढ़ती रहती है और यह कभी पीछे मुड़कर नहीं देखते। ऐसे व्यक्ति काफी दानवीर भी होते हैं, जो हमेशा दूसरों की मदद के लिए तैयार रहते हैं। यह लोग करियर बनाने के लिए हमेशा उत्सुक रहते हैं और नई-नई चीजों में अपना दिमाग लगाते रहते हैं, जिससे सफलता इनके कदम चूमती है।

भाग्य हमेशा देता है साथ

अगर किसी व्यक्ति के मणिबंध से निकलती हुई रेखा सीधी और स्पष्ट हो और वह शनि पर्वत तक पहुंच रही हो तो ऐसा व्यक्ति काफी भाग्यशाली माना जाता है क्योंकि इस रेखा को भाग्य रेखा कहा जाता है।

ऐसे व्यक्ति काफी धनवान होता है और जीवन में कभी किसी चीज की कमी नहीं होती है। वहीं अगर किसी व्यक्ति की हथेली पर दो सूर्य रेखा बन रही हों तो ऐसे व्यक्ति को समाज में काफी सम्मान मिलता है और धन संपत्ति से काफी समृद्ध रहता है।

अचानक धन की प्राप्ति

हथेली के ऊपरी भाग में मणिबंध के पास जीवन रेखा से लगा हुआ मछली का चिन्ह मिलता है तो यह काफी शुभ माना जाता है। ऐसे व्यक्ति को अचानक धन की प्राप्ति होती है और उनको विदेशों से भी अच्छा लाभ मिलता है। इनके आसपास के लोग इनकी काफी इज्जत करते हैं और पैतृक संपत्ति भी काफी मिलती है।

संपादकीय

1991 का भारत-पाक करार

भारत और पाकिस्तान के दरमियान 6 अप्रैल, 1991 को एक करार हुआ था। दोनों देशों के तत्कालीन विदेश सचिवों ने उस दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए थे। तब चंद्रशेखर भारत के कार्यवाहक प्रधानमंत्री थे। कांग्रेस उनकी सरकार से समर्थन वापस ले चुकी थी, लिहाजा व्यवहार में तो सरकार गिर चुकी थी, लेकिन यह संसदीय परंपरा रही है कि नई सरकार बनने तक 'कार्यवाहक प्रधानमंत्री' की व्यवस्था रहती है, ताकि देश नेतृत्वहीन न रहे और सरकार की व्यवस्थाएं सुचारू रूप से जारी रहें। पहला सवाल तो यही है कि क्या एक कार्यवाहक प्रधानमंत्री ऐसे द्विपक्षीय समझौते का प्रारूप तय कर सकता है और उसे अंजाम तक पहुंचा सकता है? क्या उस समझौते का प्रारूप 6 मार्च, 1991 के बाद तय किया गया, जब कांग्रेस ने चंद्रशेखर सरकार से समर्थन वापस लिया था? यदि समझौते का दस्तावेज कांग्रेस-समर्थन के दौरान तैयार किया गया, तो जाहिर है कि कांग्रेस की सहमति भी रही होगी! जिस सरकार के पास पर्याप्त जनादेश ही नहीं था, वह ऐसे द्विपक्षीय करार और वह भी पाकिस्तान के साथ कैसे कर सकती थी? नितांत असंवैधानिक और अवैध था! लोकसभा चुनाव हुए और तत्कालीन प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव के नेतृत्व में सरकार बनी। अंततः करार दिसंबर, 1994 में लागू किया गया। जाहिर हो गया कि 1991 का करार कांग्रेस की ही कूटनीतिक और मानसिक उपज था। चूंकि मई, 2025 में उस करार के दस्तावेज को भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने सार्वजनिक किया है, लिहाजा कांग्रेस उसे चंद्रशेखर सरकार पर लाद रही है, जबकि कांग्रेस सरकार ने ही वह करार लागू किया था। 2004-मई 2014 तक केंद्र में कांग्रेस नेतृत्व की ही यूपीए सरकार थी। क्या मनमोहन सरकार को इस करार की जानकारी नहीं थी? यदि जानकारी थी और करार कांग्रेस ने नहीं तय किया था, तो करार रद्द क्यों नहीं किया गया? चूंकि करार भारत सरकार ने किया था, लिहाजा अब प्रधानमंत्री मोदी या विदेश मंत्री जयशंकर आधिकारिक तौर पर स्पष्ट करें कि उस द्विपक्षीय करार का सच क्या है? क्या करार आज भी प्रभावी है? यह भाजपा-कांग्रेस का विवाद नहीं है। देश की सरकार ने पाकिस्तान के साथ समझौता किया था, लिहाजा उसे पूरी तरह जानने का अधिकार देश को है। समझौता दोनों देशों की सेनाओं की गतिविधियों और युद्धाभ्यास आदि को लेकर था कि दोनों देश उसकी सूचनाएं साझा करते रहेंगे। कोई गलतफहमी नहीं होनी चाहिए। सीमा के 10 किमी के अंदर लड़ाकू विमान उड़ान नहीं भरेंगे। इसी तरह नौसेना के जहाजों की दूरी भी तय की गई थी। सेनाओं की गतिविधियों और आवाजाही की जानकारी लिखित में साझा करनी होगी। ऐसा ही समझौता परमाणु हथियारों के मद्देनजर किया गया था। कांग्रेस दलीलें दे रही है कि वह करार 'शांति-काल' के मद्देनजर था। ये दलीलें सर्वथा गलत हैं, क्योंकि भारत में तब कई तरह के आतंकवाद और उग्रवाद फैल चुके थे। कश्मीर घाटी से पंडितों और हिंदुओं को बेदखल किया जा चुका था और वे विस्थापित हो रहे थे। पंजाब में खालिस्तानी उग्रवाद का हिंसक दौर चरम पर था। तमिलनाडु में लिट्टे आतंकी सक्रिय थे, जिन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 21 मई, 1991 को हत्या की थी। देश के पूर्वोत्तर राज्यों में अलग-अलग उग्रवादी गुट उभर आए थे। उसे 'शांति-काल' कैसे कहा जा सकता है? चूंकि मौजूदा परिदृश्य में विदेश मंत्री जयशंकर कांग्रेस और खासकर उसके नेता राहुल गांधी के निशाने पर हैं। कांग्रेस उन्हें 'देशद्रोही' और 'जयचंद' तक करार दे रही है। पार्टी नेताओं और प्रवक्ताओं की व्याख्या है कि पाकिस्तान में आतंकी अड्डों पर भारतीय सेना के प्रहार से पहले ही विदेश मंत्री ने हमले की जानकारी पाकिस्तान के साथ साझा की थी। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी इसे चूक नहीं, अपराध मानते हैं। हालांकि विदेश मंत्रालय और सेना बार-बार स्पष्ट कर चुके हैं कि ऐसा नहीं किया गया। दरअसल आतंकियों के अड्डे तबाह करने और करीब 170 आतंकियों को ढेर करने के बाद हमने पाकिस्तान को ब्रीफ किया था कि सेना ने सिर्फ आतंकवाद को निशाना बनाया है, पाकिस्तान की फौज और अवाम को नहीं। कांग्रेस मानने को तैयार ही नहीं है। ऐसे हालात में 1991 का करार सामने आया है। हम मोदी सरकार से अपेक्षा करते हैं कि वह 1991 के करार का सच स्पष्ट करे। इस समय पूरे देश को एकजुट होकर चलना चाहिए तथा आतंकवाद पर करारी चोट करनी चाहिए।

कांग्रेस उनकी सरकार से समर्थन वापस ले चुकी थी, लिहाजा व्यवहार में तो सरकार गिर चुकी थी, लेकिन यह संसदीय परंपरा रही है कि नई सरकार बनने तक 'कार्यवाहक प्रधानमंत्री' की व्यवस्था रहती है, ताकि देश नेतृत्वहीन न रहे और सरकार की व्यवस्थाएं सुचारू रूप से जारी रहें। पहला सवाल तो यही है कि क्या एक कार्यवाहक प्रधानमंत्री ऐसे द्विपक्षीय समझौते का प्रारूप तय कर सकता है और उसे अंजाम तक पहुंचा सकता है? क्या उस समझौते का प्रारूप 6 मार्च, 1991 के बाद तय किया गया, जब कांग्रेस ने चंद्रशेखर सरकार से समर्थन वापस लिया था? यदि समझौते का दस्तावेज कांग्रेस-समर्थन के दौरान तैयार किया गया, तो जाहिर है कि कांग्रेस की सहमति भी रही होगी! जिस सरकार के पास पर्याप्त जनादेश ही नहीं था, वह ऐसे द्विपक्षीय करार और वह भी पाकिस्तान के साथ कैसे कर सकती थी? नितांत असंवैधानिक और अवैध था! लोकसभा चुनाव हुए और तत्कालीन प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव के नेतृत्व में सरकार बनी। अंतत: करार दिसंबर, 1994 में लागू किया गया।

आप का नजरिया

पुलिस जांच के काले सफदे

फिर एक जांच के दरवाजे सीबीआई के शो केस में खुलेंगे और हिमाचल पुलिस के संदर्भ मुखौटे बन जाएंगे। फिर मुखौटे खुल रहे हैं और जिन परिस्थितियों में विमल नेगी मौत का मामला सीबीआई तक पहुंच रहा है, वहां माननीय हाई कोर्ट की टिप्पणियां पूरे पुलिस महकमे की चादर में अनेक छेद ढूंढ लेती हैं। पुलिस मुख्यालय की अकड़ में और शिमला के एसपी जांच की पकड़ के बीच कई पलटबाजियां और जांच के विरोधाभास सामने आ रहे हैं। विमल नेगी मौत जांच से पहले भी गुडिया कांड और उस दौरान हिरासत में मौत के चिथड़ों ने एक पूरी एसआईटी को जेल में ठूंस दिया था, तो अब ऐसा ही भयावह परिदृश्य पुनः उभरा है। माननीय अदालत ने पुलिस बनाम पुलिस की मलिनता, अफसरों के बीच एक दूसरे को पटकनी देने की साजिशें और जांच में होते विषयांतर को गहनता से पकड़ कर आइंदा के लिए सीबीआई के हवाले पूरे प्रकरण को कालिमा समेत सौंप दिया है। इस कसूर की गवाही में पुलिस कितनी कसूरवार होगी, यह अब एक अलग कहानी के रूप में सामने आएगी। एक मौत के पीछे हजारों दुश्मन हिमाचल की ही व्यवस्था को कुतर रहे थे या एक निजी मामले की गर्त में पुलिस के सितारे डूब रहे हैं। संदेहों की मोटी परत पावर कारपोरेशन की उन फाइलों से निकल चुकी है, जिनसे होकर ओंकार शर्मा की रिपोर्ट निकली है। यहां कई सफे काले हैं, हाथ साफ करने वालों के सबूत काले हैं। एक मौका था, जांच का एहसास था और एक होनहार अधिकारी की मौत का सदमा अगर व्यवस्था को पुकार रहा था, तो अदालत में पुलिस की फजीहत न होती। मृतक नेगी के घरवालों की अपील और दलील ने अगर पुलिस जांच के कान न पकड़े होते, तो केस में रूपांतरित आशंकाएं कई धड़ों में न बंटती। अदालत के सख्त लहजे का सारांश केवल सीबीआई जांच नहीं, बल्कि पुलिस बनाम पुलिस भी है। आश्चर्य यह कि एसपी शिमला अदालत से बाहर निकल कर विभागीय वीरता पर निशाने साध रहा है। पुलिस अधिकारी की प्रेस वार्ता को बहादुरी का सबूत या ईमानदारी का सर्टिफिकेट मानें या बिलासपुर की झील में डूबी कहानी को खोज के लाएं। जांच के करई जिन्न मंडरा रहे हैं, तेरे कातिल पर्दे में किसे डरा रहे हैं। पावर कारपोरेशन की असली 'पावर' की गुत्थियों में ओंकार शर्मा की रिपोर्ट जहां पहुंची थी, वहां असली और नकली चेहरों के बीच सीबीआई शायद किसी रहस्य को पकड़ लाए या विरोधाभास की पुलिस जांच के बीच पुलिस के 'रंग' का भेद हटा पाए। जो भी हो हिमाचल में पुलिस की वर्दी बार-बार सीबीआई के घाट पर धोई जा रही है। ऐसे में पुलिस को ही पुलिस की पड़ताल करनी पड़ेगी। बड़े रैंक के अधिकारियों के बीच महकमा बार-बार इंगित कर रहा है कि बेड़े में सवार ही खुद नैया को डुबो रहे हैं। पुलिस की प्रतिबद्धता, तौर-तरीकों, अनुशासन व कर्त्तव्य परायणता पर फिर एक बार चोट लगी है। ऐसे में सरकार के लिए भी जांच के आने वाले लम्हे सियासत से भरे होंगे। कुछ तो हाथ जलेंगे, इस धुएं को जब-जब कुरेदा जाएगा। अदालत ने मामले के मर्म से निकाल कर नेगी परिवार को राहत का पैगाम, न्याय का नया आयाम और निष्पक्ष जांच के आधार सौंपे हैं।

एमएसएमई क्षेत्र के उद्यमियों और निर्यातकों को भी नई चुनौतियों के मद्देनजर तैयार होना होगा

अब व्यापार घाटे पर नियंत्रण जरूरी

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों में कहा जा रहा है कि वैश्विक व्यापार तनाव, टैरिफ में हुई बढ़ोतरी और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान जैसी चुनौतियों से भारत के सामने व्यापार घाटा बढ़ने का खतरा है। इस परिप्रेक्ष्य में उल्लेखनीय है कि हाल ही में वाणिज्य मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक अप्रैल 2025 में जहां भारत से वस्तु निर्यात बढ़कर 38.49 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गए, वहीं भारत के वस्तु आयात अधिक तेजी से बढ़कर 64.91 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गए हैं। ऐसे में वस्तुओं के व्यापार घाटे का आकार 26.42 अरब डॉलर पर रेखांकित हो रहा है। अतएव भारत के द्वारा व्यापार घाटे पर नियंत्रण के लिए रणनीतिपूर्वक आगे बढ़ना जरूरी है।

इन दिनों विदेश व्यापार पर प्रकाशित हो रही राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों में कहा जा रहा है कि वैश्विक व्यापार तनाव, टैरिफ में हुई बढ़ोतरी और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान जैसी चुनौतियों से भारत के सामने व्यापार घाटा बढ़ने का खतरा है। इस परिप्रेक्ष्य में उल्लेखनीय है कि हाल ही में वाणिज्य मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक अप्रैल 2025 में जहां भारत से वस्तु निर्यात बढ़कर 38.49 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गए, वहीं भारत के वस्तु आयात अधिक तेजी से बढ़कर 64.91 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गए हैं। ऐसे में वस्तुओं के व्यापार घाटे का आकार 26.42 अरब डॉलर पर रेखांकित हो रहा है। अतएव भारत के द्वारा व्यापार घाटे पर नियंत्रण के लिए रणनीतिपूर्वक आगे बढ़ना जरूरी है। निश्चित रूप से इस समय सूक्ष्म, लघु और मझौले उद्यम (एमएसएमई) जहां देश से निर्यात बढ़ाने में नई भूमिका निभा सकते हैं, वहीं आयात नियंत्रण में भी मददगार हो सकते हैं। इस समय नए व्यापार युग के बदलाव के दौर में भारत के एमएसएमई के लिए चुनौतियों के बीच दुनिया में आगे बढ़ने के ऐतिहासिक अवसर भी हैं और ये उद्योग वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में प्रतिस्पर्धी बन सकते हैं। इसमें कोई दो मत नहीं है कि टैरिफ वार से एमएसएमई क्षेत्र को जो झटका लग रहा है, उस झटके से एमएसएमई के उबारने के लिए जहां एक ओर सरकार के द्वारा एमएसएमई के समक्ष दिखाई दे रही चुनौतियों के समाधान के लिए रणनीति बनाकर निर्यातकों को सहारा देना होगा, वहीं एमएसएमई क्षेत्र के उद्यमियों और निर्यातकों को भी नई चुनौतियों के मद्देनजर तैयार होना होगा। इस परिप्रेक्ष्य में यह बात महत्वपूर्ण है कि सरकार निर्यातकों को सहारा देने के लिए 2250 करोड़ रुपए के निर्यात संवर्धन मिशन को तेजी से लागू करने और बिना रेहन के कर्ज दिए जाने की योजना बना रही है। साथ ही चालू वित्त वर्ष 2025-26 में एमएसएमई को दिए जाने वाले कर्ज का लक्ष्य पिछले वर्ष की तुलना में करीब 20 फीसदी बढ़ाकर 17.5 लाख करोड़ रुपए किया गया है। इसी तरह एमएसएमई क्षेत्र भी नए व्यापार युग की सच्चाइयों को समझते हुए नवाचार, प्रतिस्पर्धा, क्षमता में सुधार तथा शोध की डगर पर आगे बढ़ने की तैयारी कर रहा है। चूंकि पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ भारत की कार्रवाई पर चीन पाकिस्तान के साथ खड़ा दिखाई दिया है और चीन ने न केवल पाकिस्तान को पूर्ण समर्थन दिया, वरन चीन ने पाकिस्तान को मिसाइलों सहित विभिन्न हथियारों की सीधी आपूर्ति भी की। चीन अप्रत्यक्ष रूप से भारत को तेजी से आर्थिक

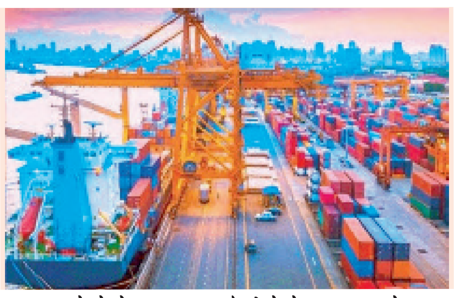

शक्ति बनने से रोकना चाहता है। ऐसे में अब भारत के साथ शत्रुपूर्ण आचरण कर रहे चीन से वर्ष-प्रतिवर्ष तेजी से बढ़ते हुए आयातों को नियंत्रित करके चीन को भी आर्थिक सबक दिया जाना जरूरी है। हाल ही में प्रकाशित नवीनतम आंकड़ों के मुताबिक चीन के साथ द्विपक्षीय कारोबार में भारत लगातार घाटे की स्थिति में बना हुआ है। पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में चीन को भारत का निर्यात 14.5 प्रतिशत घटकर 14.25 अरब डॉलर रह गया, जबकि 2023-24 में यह 16.66 अरब डॉलर था। इतना ही नहीं, चिंताजनक यह भी है कि चीन से 2024-25 में आयात 11.52 प्रतिशत बढ़कर 113.45 अरब डॉलर हो गया, जबकि 2023-24 में यह 101.73 अरब डॉलर था। चीन के साथ व्यापार घाटा पिछले वित्त वर्ष में करीब 17 प्रतिशत बढ़कर 99.2 अरब डॉलर हो गया, जो 2023-24 में 85.07 अरब डॉलर था। चीन 2024-25 में 127.7 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार के साथ भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बना रहा। दोनों देशों के बीच 2023-24 में 118.4 अरब डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार हुआ था। चीन पर निर्भरता कम करने के जो रणनीतिक कदम उठाए गए हैं, उनका अभी जमीनी तौर पर कोई विशेष असर नहीं दिखा है। अब आतंकी देश पाकिस्तान को विश्व मंच पर खुला समर्थन दे रहे, चीन के साथ कोई छह माह पूर्व भारत ने मित्रता की जिस राह को आगे बढ़ाया था, अब उस राह को रोकते हुए चीन के साथ कारोबार असंतुलन को कम करने के लिए हरसंभव कदम उठाने जाने जरूरी हैं। निःसंदेह भारत की नई वैश्विक व्यापार रणनीति के तहत नए मुक्त व्यापार समझौतों और द्विपक्षीय व्यापार समझौतों से व्यापार घाटे में कमी लाई जानी होगी। भारत के द्वारा ब्रिटेन के साथ किए गए मुक्त व्यापार समझौते के बाद अब अमेरिका और यूरोपीय यूनियन के साथ-साथ मुक्त व्यापार समझौतों को 31 दिसंबर 2025 तक पूर्ण किए जाने के लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढ़ना होगा। इस समय भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय कारोबार समझौते (बीटीए) के शुरुआती चरण के लिए वार्ता तेजी से आगे बढ़ रही है। हाल ही में अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने व्हाइट हाऊस में एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि पूरी दुनिया में भारत एक ऐसे पहले देश के रूप में सामने आया है, जो अमेरिका के साथ सबसे पहले टैरिफ पर प्रभावी वार्ता करते हुए द्विपक्षीय कारोबार समझौते को तेजी से अंतिम रूप देने की डगर पर आगे बढ़ रहा है। भारत के द्वारा ओमान, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका, इजराइल, भारत गल्फ कंट्रीज काउंसिल सहित अन्य प्रमुख देशों के साथ भी एफटीए को शीघ्रतापूर्वक अंतिम रूप दिया जाना होगा। इसमें कोई दो मत नहीं है कि देश से सेवा निर्यात (सर्विस एक्सपोर्ट) बढ़ाकर व्यापार घाटे में कमी लाई जा सकती है। इस समय पूरी दुनिया में भारत सेवा निर्यात की डगर पर छलांगे लगाकर आगे बढ़ रहा है। भारत को सेवा निर्यात की नई वैश्विक राजधानी के रूप में रेखांकित किया जा रहा है। हाल ही में वाणिज्य मंत्रालय के द्वारा प्रकाशित आंकड़ों के मुताबिक पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत का सेवा निर्यात करीब 387.5 अरब डॉलर का रहा है। भारत में बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) की तेजी से नई स्थापनाओं के कारण भी सेवा निर्यात तेजी से बढ़ रहा है। हाल ही में नैसकॉम और जिनोव की ओर से जारी इंडिया जीसीसी, लैंडस्केप रिपोर्ट के मुताबिक जीसीसी के लिए भारत दुनिया का सबसे बड़ा हब बनते हुए दिखाई दे रहा है। फिलहाल देश में 1700 जीसीसी हैं जिनसे 20 लाख से अधिक लोगों को रोजगार मिल रहा है। देश में जीसीसी का बाजार आकार 5.4 लाख करोड़ रुपए का है और यह 2030 तक 8.4 लाख करोड़ रुपए का होगा। दुनिया के 50 प्रतिशत जीसीसी सिर्फ भारत में हैं। भारतीय जीडीपी में भारत के जीसीसी का योगदान एक प्रतिशत है और 2030 तक यह 3.5 प्रतिशत हो जाएगा। ऐसे में भारत को सेवा निर्यात और तेजी से बढ़ाने की नई रणनीति के साथ आगे बढ़ना होगा। यह बात ध्यान में रखी जानी होगी कि अब सेवा निर्यात के क्षेत्र में भी लगातार प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है। ऐसी स्थिति में भारत से डिजिटल सेवा निर्यात में तेजी से वृद्धि के लिए सेवाओं की गुणवत्ता, दक्षता, उत्कृष्टता तथा सुरक्षा को लेकर और अधिक प्रयास करने होंगे। हम उम्मीद करें कि भारत सरकार बढ़ते हुए व्यापार घाटे को नियंत्रित करने के लिए एमएसएमई की मजबूती, चीन से आयात नियंत्रण, मुक्त और द्विपक्षीय व्यापार समझौतों, सेवा निर्यात बढ़ाने तथा निर्यात के लिए संभावित नए देशों में कारगर प्रयासों की रणनीति को मुट्ठी में लेकर आगे बढ़ने का प्रयास करेगी।

देश दुनिया से

कश्मीरी आस को विश्वास चाहिए

जम्मू कश्मीर में जम्हूरियत ने अपनी पहली परीक्षा पास कर ली है। गुजरे बुधवार को पहले चरण के चुनाव में सर्वाधिक संवेदनशील मानी जाने वाली 24 विधानसभा सीटों के लिए मनपसंद उम्मीदवार चुनने को लोग उमड़ पडे.। यहां 61.11 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने लोकतांत्रिक हक-हुकूक का इस्तेमाल किया। पिछले 35 वर्षों में इतने वोट कभी नहीं पडे. थे। उम्मीद है, अगले दो चरणों में यह सिलसिला जारी रहेगा। इतनी बड़ी तादाद में मतदान से क्या अर्थ निकाला जाए? क्या आतंकवाद से लहूलुहान इस धरती से दहशत की विदाई हो रही है? क्या जम्मू-कश्मीर के लोग शेष देश के साथ कदमताल को तैयार हो गए हैं? क्या 'गन कल्चर' की रुखसती का रुक्का इन चुनावों के जरिये लिखा जा रहा है? इन सवालों के जवाब ढूंढ़ने में जल्दबाजी आत्मघाती साबित हो सकती है। पिछले 75 बरस के घटनाक्रम गवाह हैं कि वहां शांति की हर पहल अगली अशांति के बीज बोती है। शक, शुबहे और संशय के साथ इस वातावरण के लिए वहां का अवाम नहीं, बल्कि सियासी जमात जिम्मेदार है, जिसने कभी भी जिम्मेदारी का परिचय नहीं दिया। प्रमुखतम राजनीतिक पार्टी नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला से चर्चा शुरू करता हूं। उमर साहब कल तक फरमा रहे थे कि मैं चुनाव नहीं लड़ूंगा। उनका मानना था कि उनके चुनाव लड़ने से प्रदेश विभाजन के केंद्रीय फैसले को मान्यता मिल जाएगी, लेकिन वह अब एक नहीं, दो सीटों से चुनाव लड़ रहे हैं। कोई उनसे पूछता है कि क्या आप चुनाव के बाद मुख्यमंत्री की कुर्सी भी संभालेंगे, तो उनका जवाब होता है कि मैं भविष्य के बारे में कुछ नहीं कहना चाहता। सियासत समझने वाले समझते हैं कि उमर अब्दुल्ला को यह चुनाव मजबूरी में लड़ना पड़ रहा है। अगर वह नहीं लड़ते, तो भला किस मुंह से जनता से वोट मांगने जाते? वह कैसे कहते कि हमारे प्रत्याशियों को जिताओ? अगर उनका गठबंधन जीतता है, तो ना-नुकूर के बाद इस 'अधूरे' राज्य का मुख्यमंत्री पद भी स्वीकार कर सकते हैं। राजनीति में राम और भरत नहीं होते। अब्दुल्ला पिता-पुत्र अपनी पार्टी में कोई जीतनराम मांझी अथवा चंपाई सोरेन नहीं पनपने देना चाहेंगे। बात यहीं खत्म नहीं होती। नेशनल कॉन्फ्रेंस ने पहले अनुच्छेद-370 को मुख्य मुद्दा बनाने से इनकार किया था। ऐसा उन्होंने कांग्रेस के साथ चुनावी जुगलबंदी के लिए किया होगा। राष्ट्रीय पार्टी होने के नाते कांग्रेस शेष देश में यह मुद्दा भारतीय जनता पार्टी को नहीं सौंपना चाहती कि वह कश्मीर के मुद्दे पर तुष्टिकरण की राजनीति कर रही है। उमर यहां भी अपनी बात से पीछे हट चुके हैं। अब उन्हें पूर्ण राज्य के दर्जे की बहाली के साथ अनुच्छेद-370 की वापसी भी चाहिए। हालांकि, पूर्ण राज्य का दर्जा सभी बहाल करना चाहते हैं। भारतीय जनता पार्टी भी इससे इनकार नहीं करती, लेकिन नेशनल कॉन्फ्रेंस के तौर-तरीके ने उस पर सवाल खडे.कर दिए हैं। इससे कांग्रेस के सामने वैचारिक दुविधा खड़ी हो गई है। क्या यह विरोधाभास उन क्षेत्रीय दलों का रास्ता हमवार करेगा, जो बातों ही बातों में अलगाव का मुद्दा परोस जाते हैं? इस सवाल के जवाब के लिए इंजीनियर राशिद के बयानों पर नजर डाल देखिए। राशिद उमर अब्दुल्ला को हराकर संसद में पहुंचे हैं। उन्होंने वह चुनाव तिहाड़ जेल से लड़ा और जीता। जेल से छूटने के दूसरे ही दिन राशिद ने अपने निर्वाचन क्षेत्र में एक जनसभा की। देर शाम आयोजित इस सभा में उमड़ी भीड़ ने लोगों को हैरत में डाल दिया है। सवाल उठ रहे हैं, क्या इंजीनियर राशिद इस चुनाव में बहुत बड़ा उलट-फेर करने जा रहे हैं? जवाब के लिए हमें अक्तूबर की आठ तारीख का इंतजार करना पडेग़ा, उस दिन नतीजे घोषित होने हैं। हालांकि, राशिद अपने तईं यही कोशिश कर रहे हैं। इसी वजह से वह राष्ट्रीय पार्टियों, नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी सहित सभी के निशाने पर हैं। उमर अब्दुल्ला उन पर सवाल उठाते हैं कि जिस यूएपीए कानून के तहत इंजीनियर राशिद गिरफ्तार थे, उसमें आमतौर पर जमानत नहीं होती। उन्हें कैसे मिल गई? राजनीतिक बिरादरी में यह भी चर्चा है कि जिस कश्मीर में शाम ढलते ही नाके लगा दिए जाते हैं, वहां बारामूला जैसे जिले में देर शाम भला इतनी भीड़ जुटने कैसे दी गई? जमात-ए-इस्लामी से राशिद के गठबंधन पर भी सवाल उठ रहे हैं। उनके विपक्षियों को शक है कि राशिद अपने प्रत्याशियों के साथ निर्दलीय उम्मीदवार को जिताने की कोशिश करेंगे। जरूरत पड़ने पर निर्दलीय विधायक 'कहीं भी' यानी भाजपा के पाले में भी जाने को स्वतंत्र होंगे। इस शक-शुबहे का खात्मा खुद इंजीनियर राशिद को करना चाहिए, पर वह भी पहेलियां बुझा रहे हैं। वह अनुच्छेद-370 और जनमत संग्रह जैसे संवेदनशील मुद्दों पर सीधा जवाब देने के बजाय, प्रश्नकर्ता को इतिहास की कंदराओं में भटकाने का प्रयास करते हैं। उनका निशाना नेशनल कॉन्फ्रेंस के आदि पुरुष शेख अब्दुल्ला से लेकर 'मैडम' यानी महबूबा मुफ्ती तक होते हैं? वह यहां तक कहते हैं कि महबूबा मुफ्ती की पार्टी का जन्म एक 'मिलिट्री कैंप' में हुआ था। राशिद ने भी कश्मीर के वरिष्ठ नेताओं की तरह संदेहों के नए बबूल रोपना सीख लिया है। सज्जाद लोन और चुनावी समर के अन्य योद्धा भी इसी रास्ते पर चल रहे हैं। कश्मीर और कश्मीरियों को इन प्रवृत्तियों ने ही लहूलुहान किया है। पीढ़ी-दर-पीढ़ी चली आ रही इस रवायत ने वहां के सामाजिक कार्यकर्ताओं और पत्रकारों पर भी असर डाला है। मैं खुद ऐसे तमाम लोगों से मिला हूं, जो दिल्ली में कुछ, जम्मू में कुछ और श्रीनगर में बिल्कुल उल्टा बोलने के अभ्यस्त हैं। प्रवंचनाओं के इस सतत अभ्यास ने वहां के साधारण जन को भी दोहरे मानदंड जीने पर मजबूर कर दिया है। यहां ऐसे लोगों की बड़ी जमात है, जो आम मजलिसों में अलगाववाद के समर्थन की दावेदारी करते हैं और रात के अंधेरे में सुरक्षा बलों व खुफिया दस्तों को जरूरी 'टिप्स' बांटते फिरते हैं। इनके लिए दहशतगर्द और बंदूकधारी पुलिस के जवान एक बराबर हैं।

कुछ अलग

सचिवालय का डस्टबिन

वह डस्टबिन अलोम-विलोम करता हुआ मिला। वह अपनी सांसें रोकने का प्रयास कर रहा था ताकि दुर्गन्ध से आसपास का माहौल न बिगड़े। इस डस्टबिन ने कभी साफ-सुथरा कूड़ा तो कभी साफ सुथरे लोगों के गंदे हाथ देखे थे। उसे हर तरह का कूड़ा कुछ न कुछ कहता हुआ मिला। समाज कितना बदल गया, देश कितना बदल गया और आइंदा कितना बदलेगा, यह डस्टबिन से बेहतर और कौन जान सकता है। कितना आश्चर्य है कि हर डस्टबिन एक जैसा पैदा होता है, लेकिन किसी घर और किसी दफ्तर में घुसते ही इसका रंग-रूप और आचरण बदल जाता है। डस्टबिन को लोगों की नीयत, क्षमता, उपयोगिता और मूल्यों का पता है। देश में कौन खा और कौन कितना खा रहा है, इससे बेहतर और कौन जान सकता। डस्टबिन घर-घर के किचन से डरता है। यह रोटियों-बोटियों से डरता है। सास-बहू की लड़ाई से डरता है। खाने के सलीके और काटने के तरीके से डरता है। डस्टबिन अपने मालिक के नाम से डरने लगा है। लोग धर्म की पहचान में डस्टबिन छानने लगे हैं। दायित्व के प्रति सचेत डस्टबिन, हमेशा इस्तेमाल होने की मुद्रा में अपने अस्तित्व की सफाई में व्यस्त रहने लगा है। उस दिन सचिवालय के भीतर का डस्टबिन बाहर वाले से भिड़ गया, 'देख! मेरे भीतर पूरे सचिवालय का चरित्र रहता है, जबकि तू लोगों के गिरे हुए सामान से अटा रहता है। सचिवालय में आती इच्छाओं, दरख्वास्तों, सिफारिशों और मीडिया की रपटों को मैं करीने से छुपा लेता हूं। मैं अरमानों भरा, सचिवालय के किरदार की तरह, हर दिन को छानकर सरकारी फाइलों की चिंता मिटाता हूं। याद रखना सचिवालय का डस्टबिन हूं, इसलिए आम नागरिक की आशाओं से कहीं अधिक साफ सुथरा रहता हूं। प्रदेश की स्वच्छता का राज मैं हूं।' बाहर वाला डस्टबिन यह सुनकर मायूस हुआ कि उसकी मेहनत को कचरा माना जा रहा है, जबकि जो राज्य की मेहनत को बर्बाद कर रहा है, उसे पुचकारा जा रहा है। सचिवालय का डस्टबिन रौब मार रहा था, उसे बाहर वाले से कोई मुकाबला मंजूर नहीं। सचिवालय वाले को गुरूर था, 'मैं सत्ता का डस्टबिन हूं, चुटकी में उठाकर नाले में फिंकवा दूंगा।' बाहर वाला गिड़गिड़ा रहा था, 'मेरी वजह से तुम साफ लगते हो, वरना मैं जनता के बीच, जनता के करीब हूं।' सचिवालय के डस्टबिन पर सत्ता की चमक का असर इतना था कि उसे भरोसा था कि पूरे पांच साल चलेगा, लेकिन अचानक सरकार गिरने की गाज उसके ऊपर पड़ी। नई सरकार ने नए डस्टबिन आर्डर देकर पुनः दोनों को एक जैसा कर दिया। सारे पुराने डस्टबिन गंगा के करीब कबाडख़ाने पहुंच गए। सचिवालय का डस्टबिन वहां रोने लगा, लेकिन बाहर वाला मान चुका था कि कबाडख़ाने में उसे सारी गंदगी से मुक्ति मिल जाएगी। वह दूर गंगा घाट पर पवित्र होते लोगों को अपने जैसा मानने लगा था। उसे लग रहा था कि डस्टबिन का अंत अगर कबाडख़ाना है, तो इनसान भी जीवन के कबाडख़ाने को गंगा के सामने देखता है। उसने देखा कबाड़ी ने गंगा में डुबकी लगाने के बाद, एक-एक करके डस्टबिन पानी में खाली कर दिए। पहली बार बाहर वाला डस्टबिन पूरी तरह खाली था।

दृष्टि कोण

प्रदेश की वर्तमान स्थिति : एक चिंतन

स्वर्गीय विमल नेगी जी की मृत्यु जिन परिस्थितियों में हुई है और इसके बाद जो हालात हमारे प्रदेश में बने हैं, उनसे प्रदेश की आम जनता का विश्वास व्यवस्था के प्रति चरमरा गया है। व्यवस्था परिवर्तन की नीति का ढिंढोरा पीटते-पीटते हिमाचल में व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। स्वर्गीय विमल नेगी की मृत्यु आत्महत्या है या हत्या, यह अभी तक प्रदेश पुलिस जांच नहीं कर पाई है। लेकिन 18 मार्च के बाद 22 मई को जब यह शोर मच गया कि स्वर्गीय विमल नेगी की जेब से एक पेन ड्राइव मिला है और उसे पुलिस द्वारा ही न केवल गायब कर दिया गया बल्कि उसे फॉरमैट भी कर दिया गया। 18 मार्च से 24 मार्च तक जब पूरी सरकार के चार-चार मंत्री स्वर्गीय विमल नेगी की मृत्यु के आक्रोश से उत्पन्न आंदोलन को शांत करवाने के लिए विशेष अन्वेषण दल के गठन का आश्वासन दे रहे थे, उसी समय विमल नेगी की पेन ड्राइव, जिसमें डाईंग डिक्लेरेशन या भ्रष्टाचार की तमाम कड़ियों की जानकारी हो सकती थी, उसे गायब करने के जुगाड़ में कुछ लोग लगे थे। यह भी नहीं कि माननीय उच्चतम न्यायालय में हिमाचल सरकार ने दोषियों की जमानत रद्द करने का आग्रह ही नहीं किया। ऐसी परिस्थितियों में जब विमल नेगी की पत्नी ने सीबीआई से जांच मांगी, तो सरकार और उसके मंत्रियों की अनर्थक बयानबाजी से स्पष्ट था कि सरकार की मंशा लीपापोती करने की ही है। आज, यह लेख लिखते समय मुझे स्पष्ट लग रहा है कि बाड़ ही खेत को खा रही है। प्रदेश की पुलिस का महानिदेशक अपनी सेवानिवृत्ति के 15 दिन पहले माननीय उच्च न्यायालय में एक शपथ पत्र अपने जिला पुलिस अधीक्षक की कार्यप्रणाली के बारे में देता है। उसके बाद जिला पुलिस अधीक्षक प्रेस कान्फ्रेंस कर दो-दो पुलिस महानिदेशकों, प्रदेश के मुख्य सचिव, पूर्व जिलाधीश और यहां तक कि संविधान के पद पर बैठे सर्वोच्च व्यक्तित्वों पर भी आरोप लगा देता है। वह किसी राजनीतिक दल की चर्चा करने का प्रयास करता है। भारत संविधान से चलने वाला देश है। संविधान में कार्यपालिका के लिए कुछ कंडक्ट रूल तय किए गए हैं। गलत को गलत बोलने के लिए व्यवस्था स्थापित की गई है, इसीलिए न्यायालय भी स्थापित किए गए हैं। लेकिन जब जिला पुलिस अधीक्षक आरोपों की झड़ी लगा कर प्रदेश सरकार के सभी बड़े अधिकारियों के खिलाफ गंभीर आरोप लगा देता है, तो इससे प्रदेश की जनता के मन में कई सवाल खड़े होते हैं। जैसे, अगर चिट्टा तस्करी में पुलिस महानिदेशक के निजी स्टाफ की मिलीभगत है, तो आम जन किस पर विश्वास करे? पुलिस महानिदेशक के शपथ पत्र का जवाब प्रेस वार्ता क्या हो सकती है? खैर, इन बहुत सारे प्रश्नों को फिर पूछ लेंगे, लेकिन इस प्रकरण से यह स्पष्ट हो गया है कि प्रदेश की पुलिस और प्रशासन की छानबीन में बड़े-बड़े छिद्र हो गए हैं। हिमाचल पुलिस के शिमला जिला के कप्तान की प्रेस वार्ता सुक्खू सरकार की नाकामी का प्रशस्ति पत्र लगती है। हिमाचल, जो दो-ढाई वर्ष पहले पूरे भारत में सबसे अच्छा, शांत और पारदर्शी प्रदेश था, उसकी हालत वर्तमान सरकार में कमजोर हो गई है। शिक्षा बोर्ड से परीक्षा ढंग से नहीं ली जा रही है। बच्चे खतरनाक कदम शिक्षा बोर्ड की लापरवाही के कारण उठा रहे हैं। पत्रकारों पर एक के बाद एक एफआईआर (प्रथम सूचना रिपोर्ट) पुलिस द्वारा दर्ज की जा रही हैं, जिससे लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को डराया जा रहा है। प्रदेश के निर्भीक प्रशासनिक अधिकारियों, जैसे ओंकार शर्मा, पर दबाव बनाए जा रहे हैं। भर्ती प्रक्रिया ढाई वर्ष से ठप्प है। ठेकेदारों को भुगतान न मिलने से आर्थिक दबाव का सामना करना पड़ रहा है। कर्मचारियों को प्रताड़ित किया जा रहा है, ट्रांसफर माफिया फल-फूल रहा है, और खनन माफिया को सरकार का संरक्षण मिलने के आरोप हैं। वहीं, भ्रष्टाचार के मामलों को रफा-दफा करने का प्रयास इस सरकार की विश्वसनीयता पर संकट है। आरोप लग रहे हैं कि झूठी गारंटियों के दम पर बनी यह सरकार हिमाचल को बर्बाद करने पर ही उतारू है। हिमाचल की वर्तमान दुर्दशा के लिए केवल पुलिस और प्रशासन की खींचतान ही जिम्मेदार नहीं है, बल्कि यह व्यवस्था के पतन की ओर संकेत है, ऐसी धारणा बन रही है। समय रहते, हिमाचल की जनता को सोचने की आवश्यकता है। हमें यह विचार करना होगा कि हम आने वाली पीढियों को किस प्रकार का हिमाचल सौंपेंगे। क्या पुलिस अधीक्षक अनुशासनहीनता का पाठ पढ़ाएंगे? क्या चिट्टे के स्मगलर पुलिस के बड़े कार्यालयों पर कब्जा कर लेंगे? क्या पुलिस के जवान मृतक से रिकवर हुई पेन ड्राइव को गायब कर, फॉरमैट कर, जांच को मोडऩे और किसी को बचाने के तरीके सिखाएंगे? भारत ने ऑपरेशन सिंदूर से सेना के तीनों अंगों के शौर्य और अनुशासन को प्रदर्शित किया है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

इस राशि के कुछ लोगों को आज संतान पक्ष से आर्थिक लाभ होने की उम्मीद है। आज आपको अपनी संतान पर गर्व महसूस होगा। आपके जीवन-साथी की लापरवाही संबंधों में दूरी बढ़ा सकती है। आपका प्रतिस्पर्धी स्वभाव आपको दूसरों से आगे रखने में मदद करेगा। जो चीजें आपके लिए आवश्यक नहीं हैं उनपर आज अपना अधिकतर समय आप जाया कर सकते हैं। जब आपका जीवनसाथी जब सारे मनमुटाव भुलाकर प्यार के साथ आपके पास फिर आएगा, तो जीवन और भी सुन्दर लगेगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

धन आपके लिए जरुरी है लेकिन धन को लेकर इतने संजीदा न हो जाएं कि अपने रिश्तों को ही खराब कर दें। एक पारिवारिक आयोजन में आप सभी के ध्यान का केन्द्र होंगे। आपके ज़हन में काम का दबाव होने के बावजूद आपका प्रिय आपके लिए ख़ुशी के पलों को लाएगा। आज कार्यालय में आपको कुछ अच्छा समाचार सुनने को मिल सकता है। अपने समय की कीमत समझें, उन लोगों के बीच रहना जिनकी बातें आपके समझ में नहीं आती हैं गलत है। ऐसा करना भविष्य में आपको परेशानियों के अलावा कुछ नहीं देगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

अपना तनाव दूर करने के लिए परिवार वालों की मदद लें। उनकी सहयता को खुले दिल से स्वीकारें। आज के दिन निवेश करने से बचना चाहिए। आपके माता-पिता की सेहत चिंता और घबराहट का कारण बन सकती है। आज का दिन बहुत ख़ूबसूरत रहेगा। आज आपकी कलात्मक और रचनात्मक क्षमता को काफ़ी सराहना मिलेगी और इसके चलते अचानक लाभ मिलने की संभावना भी है। यह आपके पूरे वैवाहिक जीवन के सबसे ज़्यादा स्नेहपूर्ण दिनों में से एक हो सकता है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज के दिन आप ऊर्जा से लबरेज़ रहेंगे और मुमकिन है कि अचानक अनदेखा मुनाफ़ा भी मिले। पारिवारिक तनावों को अपना ध्यान भंग न करने दें। काम की अधिकता के बावजूद भी आज कार्यक्षेत्र में आपमें ऊर्जा देखी जा सकती है। आज आप दिये गये काम को तय वक्त से पहले ही पूरा कर सकते हैं। आज अपने प्रेमी के साथ वक्त बिता पाएंगे और उनके सामने अपने जज्बातों को रख पाएंगे। अपने जीवनसाथी की नुक़्ताचीनी से आप आज परेशान हो सकते हैं, लेकिन वह आपके लिए कुछ बढ़िया भी करने वाला है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपकी माता पक्ष से आज आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है। हो सकता है कि आपके मामा या नाना आपकी आर्थिक मदद करें। अगर आप पार्टी करने की सोच रहे हैं, तो अपने अपने अच्छे दोस्तों को बुलाएँ। ऐसे कई लोग होंगे, जो आपका उत्साह बढाएंगे। एकतरफ़ा लगाव आपके लिए सिर्फ दिल तोड़ने का काम करेगा। मानसिक स्पष्टता आपको व्यवसाय में प्रतिस्पर्धियों पर बढ़त दिलाएगी। आप सारी पुरानी दुविधाएँ ख़त्म करने में भी सफल रहेंगे। चीज़ों और लोगों को तेज़ी-से परखने की क्षमता आपको दूसरों से आगे बनाए रखेगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपको काफ़ी समय से चल रही बीमारी से छुटकारा मिल सकता है। धन आपके लिए जरुरी है लेकिन धन को लेकर इतने संजीदा न हो जाएं कि अपने रिश्तों को ही खराब कर दें। आपका मज़ाकिया स्वभाव आपके चारों ओर के वातावरण को ख़ुशनुमा बना देगा। दफ़्तर में आपको कुछ ऐसा काम मिल सकता है, जिसे आप हमेशा से करना चाहते थे। व्यस्त दिनचर्या के बावजूद भी आज आप अपने लिए समय निकालपाने में सक्षम होंगे। आज के दिन आपका वैवाहिक जीवन एक ख़ूबसूरत बदलाव से गुज़रेगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

धैर्य बनाए रखें, क्योंकि आपकी समझदारी और प्रयास आपको सफलता ज़रूर दिलाएंगे। आज आपको अपने भाई या बहन की मदद से धन लाभ होने की संभावना है। आपका जीवनसाथी आपकी सहायता करेगा और मददगार साबित होगा। आज आप अपने प्रेमी के साथ कहीं घूमने का प्लान बनाएंगे लेकिन किसी जरुरी काम के आने की वजह से यह प्लान कामयाब नहीं हो पाएगा जिसकी वजह से आप दोनों के बीच कहासुनी हो सकती है। नए ग्राहकों से बात करने के लिए बेहतरीन दिन है। घर के छोटे सदस्यों के साथ गप्पें लगाकर आज आप अपने खाली समय का अच्छा इस्तेमाल कर सकते हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अचानक आए ख़र्चे आर्थिक बोझ बढ़ा सकते हैं। घरेलू ज़िन्दगी में कुछ तनाव का सामना करना पड़ सकता है। आपका रचनात्मक काम आस-पास के लोगों को अचरज में डाल देगा और आपको काफ़ी सराहना मिलेगी। लोग आपके बारे में क्या सोचते हैं आज आपको इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। बल्कि आज आप खाली समय में किसी से मिलना जुलना भी पसंद नहीं करेंगे और एकांत में आनंदित रहेंगे। जीवनसाथी से आपको अपने दिल की सारी बातें करने का भरपूर समय मिलेगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

उधार मांगने वाले लोगों को नज़रअन्दाज़ करें। आपका मज़ाकिया स्वभाव सामाजिक मेल-जोल की जगहों पर आपकी लोकप्रियता में इज़ाफ़ा करेगा। दिन को ख़ास बनाने के लिए स्नेह और उदारता के छोटे-छोटे तोहफ़े लोगों को दें। कारोबारी जितना हो अपने कारोबार से जुड़ी बातों को किसी से शेयर न करें। अगर आप ऐसा करते हैं तो आप बड़ी मुश्किल में पड़ सकते हैं। दिन उम्दा है, आज के दिन अपने लिए समय निकालें और अपनी कमियों और खुबियों पर गौर फर्माएं। इससे आपके व्यक्तित्व में सकारात्मक परिवर्तन आएंगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

प्राप्त हुआ धन आपकी उम्मीद के मुताबिक़ नहीं होगा। व्यक्तिगत मामलों को सुलझाते समय उदारता दिखाएँ, लेकिन अपनी जुबान पर क़ाबू रखें ताकि उन्हें चोट न पहुँचे जो आपसे प्यार करते हैं और आपकी परवाह करते हैं। बैंकिंग क्षेत्र से जुड़े लोगों को कोई अच्छी ख़बर मिल सकती है। पदोन्नति की काफ़ी संभावना है। आप अपनी ख़ुशी दुगनी करने के लिए सहकर्मियों से बांट सकते हैं। आज काफ़ी दिमाग़ी कसरत मुमकिन है। मुश्किल हालात से उबरने में आपके जीवनसाथी की तरफ़ से ज़्यादा सहयोग नहीं हासिल होगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आपके पास अपनी सेहत को सुधारने के लिए पर्याप्त समय होगा। इस राशि के कुछ लोगों को आज जमीन से जुड़े किसी मुद्दे को लेकर धन खर्च करना पड़ सकता है। दिन के दूसरे हिस्से में आप आराम करना और अपने परिवार के साथ समय बिताना पसंद करेंगे। जो भी बोलें, सोच-समझकर बोलें। क्योंकि कड़वे शब्द शांति को नष्ट करके आपके और आपके प्रिय के बीच दरार पैदा कर सकते हैं। मुश्किल मामलों से बचने के लिए आपको अपने संपर्क उपयोग करने की ज़रूरत है। इस राशि वाले जातकों को आज खाली वक्त में आध्यात्मिक पुस्तकों का अध्ययन करना चाहिए।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

रियल एस्टेट सम्बन्धी निवेश आपको अच्छा-ख़ासा मुनाफ़ा देंगे। परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों को तरजीह दें। उनके सुख-दु:ख के भागीदार बनें, ताकि उन्हें महसूस हो कि आप वाक़ई उनका ख़याल रखते हैं। किसी तीसरे इंसान का दखल आपके और आपके प्रिय के बीच गतिरोध पैदा करेगा। आज कार्यालय में आपको कुछ अच्छा समाचार सुनने को मिल सकता है। आज खाली वक्त का सही उपयोग करने के लिए आप अपने पुराने मित्रों से मिलने का प्लान बना सकते हैं। सम्भव है कि आपके जीवनसाथी की वजह से आपकी प्रतिष्ठा को थोड़ी ठेस पहुँचे।

आज का पंचांग

दिनांक : 28 मई 2025 , बुधवार
विक्रम संवत : 2082
मास : ज्येष्ठ , शुक्ल पक्ष
तिथि : द्वितीया रात्रि 01:57 तक
नक्षत्र : मृगशिरा रात्रि 12:30 तक
योग : धृति रात्रि 07:08 तक
करण : बालव सायं 03:28 तक
चन्द्र राशि : वृषभ दोपहर 01:37 तक
सूर्योदय : 05:41 , सूर्यास्त 06:45 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:52 , सूर्यास्त 06:41 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:44 , सूर्यास्त 06:35 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:34 , सूर्यास्त 06:35 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : चन्द्रदर्शन

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

लापरवाही पर होगी सख्त कार्रवाई, ड्रेनों की सफाई को प्राथमिकता दें : नायब सिंह

चंडीगढ़, 27 मई (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जिलों में बाढ़ सुरक्षा प्रयासों की निगरानी कर रहे सभी उपायुक्तों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने जिलों में मानसून सीजन से पहले ड्रेनों की सफाई को सर्वोच्च प्राथमिकता देना सुनिश्चित करें। उन्होंने इस कार्य के लिए उन्हें तुरंत एक शेड्यूल बनाने और कार्य की निगरानी के लिए अपने अधीनस्थ अधिकारियों को नियुक्त करने के निर्देश दिए ताकि ड्रेन की सफाई का कार्य हर हाल में 15 जून, 2025 से पहले पूरा हो सके।

इसके अतिरिक्त, फील्ड में कार्यरत सभी अधीक्षण अभियंताओं को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके संबंधित क्षेत्रों में ड्रेनों की सफाई सही तरह से की जाए।

मुख्यमंत्री आज यहां सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग तथा जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों के साथ अल्पकालिक बाढ़ सुरक्षा कार्यों तथा ड्रेनों की आंतरिक सफाई की प्रगति की समीक्षा के लिए आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।ड्रेनों की आंतरिक सफाई की वर्तमान गति पर चिंता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मानसून आने में बहुत कम समय बचा है और अभी यह काम शेष है। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट समय-सीमा निर्धारित करते हुए इस सम्बन्ध में सभी लंबित कार्यों को बिना देरी के पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी अन्य प्रशासनिक सचिवों के साथ 10 जून को फिर से इस कार्य प्रगति की समीक्षा करेंगे। यदि किसी अधिकारी की ओर से कोई लापरवाही पाई जाती है तो उसके खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई अमल में ली जाएगी।

बाढ़ सुरक्षा के व्यापक उपायों की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि अधिकारी अल्पकालिक उपायों पर फोकस करते हुए बाढ़ नियंत्रण से संबंधित चल रही योजनाओं को पूरा करना सुनिश्चित करें। उन्होंने अधिकारियों को जल निकासी के लिए आवश्यक पंपों की स्थिति और उपलब्धता का आकलन करने के भी निर्देश दिए। इसके अलावा, उन्होंने अधिकारियों को विशिष्ट क्षेत्रों में जलभराव के कारणों की पहचान करने तथा स्थायी समाधान प्रदान करने के लिए लक्षित योजनाएं बनाने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनप्रतिनिधियों और पंचायतों द्वारा अनुशंसित बाढ़ सुरक्षा कार्यों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए तथा उन्हें जल्द से जल्द पूरा किया जाना चाहिए।

बैठक में मुख्यमंत्री ने टांगरी और मारकंडा नदियों में गाद निकालने के काम की भी समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

नायब सिंह ने सूर्य नमस्कार अभियान के 264 प्रतिभागियों को किया सम्मानित

चंडीगढ़, 27 मई (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने योग को जन-जन तक पहुंचाने के लिए कार्य करने वाले आयुष योग सहायकों की सेवा के दौरान दुर्घटना में मृत्यु होने पर उनके परिजनों को अपने ऐच्छिक कोष से तीन-तीन लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान करने की घोषणा की। इसके अलावा, उन्होंने घोषणा करते हुए कहा कि अब योग व प्राकृतिक चिकित्सकों का भी पंजीकरण किया जाएगा, इसकी इसी वर्ष से शुरुआत की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार ने स्कूलों में पहली से 10वीं कक्षा तक योग को पाठ्यक्रम के रूप में शामिल किया हुआ है। अब एक कदम और आगे बढ़ाते हुए योग, खेल व अन्य विषयों को सम्मिलित करते हुए पाठ्यक्रम में शामिल कर औपचारिक रूप से इनकी परीक्षाएं भी आयोजित की जाएंगी। इससे बच्चों को बचपन से ही योग को समझने और जीवन का हिस्सा बनाने की प्रेरणा मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने ये घोषणाएं आज पंचकूला में आयोजित भव्य योग महोत्सव के दौरान की। इससे पहले, मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से 'सूर्य नमस्कार अभियान 2025' के 264 उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया।

बीएस नारा को बीबीएमबी के सिंचाई कार्यों की जिम्मेदारी

चंडीगढ़, 27 मई (एजेंसियां)। हरियाणा के वरिष्ठ अभियंता बी.एस. नारा को बीबीएमबी (भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड) के सिंचाई कार्यों का नया प्रभार सौंपा गया है। यह जिम्मेदारी उन्हें आगामी छह माह की अवधि के लिए, या नियमित नियुक्ति होने तक, अथवा अगले आदेशों तक दी गई है। बी.एस. नारा एक अनुभवी और दक्ष अभियंता हैं, जिन्होंने अपने लंबे सेवाकाल में तकनीकी से लेकर प्रशासनिक स्तर तक कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों को सफलतापूर्वक निभाया है। सिंचाई क्षेत्र में उनका अनुभव व्यापक रहा है, जिससे बीबीएमबी के कार्यों में न केवल गति बल्कि गुणवत्ता और कुशल प्रबंधन की भी उम्मीद जताई जा रही है।

बोर्ड से जुड़े अधिकारियों का मानना है कि नारा का नेतृत्व सिंचाई योजनाओं की निरंतरता बनाए रखने में अहम भूमिका निभाएगा। वर्तमान में जब जल प्रबंधन और कृषि आधारित सिंचाई संरचनाएं बढ़ते जल संकट और बदलते मौसम के कारण चुनौतीपूर्ण होती जा रही हैं, ऐसे में अनुभवी नेतृत्व की जरूरत पहले से कहीं ज़्यादा है।

बीबीएमबी प्रशासन ने भरोसा जताया है कि बी.एस. नारा के मार्गदर्शन में संगठन को तकनीकी कुशलता के साथ-साथ प्रशासनिक मजबूती भी मिलेगी। यह निर्णय भविष्य की जल योजनाओं और क्षेत्रीय सिंचाई जरूरतों को सुचारु बनाए रखने की दिशा में एक सकारात्मक और दूरदर्शी कदम माना जा रहा है।

पंचकूला में एक ही परिवार के 7 लोगों ने किया सुसाइड

कार में मिले शव, कर्ज़ और आर्थिक तंगी बनी वजह

पंचकूला, 27 मई (एजेंसियां)। हरियाणा के पंचकूला से एक दिल को झकझोर देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक ही परिवार के सात लोगों ने सामूहिक रूप से आत्महत्या कर ली। सभी शव एक गाड़ी के अंदर संदिग्ध हालात में पाए गए। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि सभी ने ज़हर खाकर अपनी जीवनलीला समाप्त की। पुलिस के अनुसार, यह परिवार मूल रूप से उत्तराखंड की राजधानी देहरादून का रहने वाला बताया जा रहा है।

गाड़ी में मिले दस्तावेज़ और पहचान पत्र से मृतकों की शिनाख्त हो रही है। शवों की हालत देखकर आशंका जताई जा रही है कि यह आत्महत्या देर रात की गई होगी।

मौके पर पहुंचे जांच अधिकारियों ने बताया कि कार का अंदरूनी हिस्सा पूरी तरह बंद था और खिड़कियां भी ढकी हुई थीं। गाड़ी से एक सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है, जिसमें परिवार ने अपनी आत्महत्या की वजह कर्ज़ और लगातार बिगड़ती आर्थिक स्थिति को बताया है। परिवार के मुखिया, जो कि एक छोटा व्यवसाय चलाते थे, नोट में लिखा कि पिछले कुछ वर्षों से व्यापार में घाटा हो रहा था और ऊपर से लगातार बढ़ते कर्ज़ ने मानसिक तनाव को असहनीय बना दिया था। उन्होंने लिखा कि हर रास्ता बंद हो गया था... अब जीने की हिम्मत नहीं बची...

इस हृदयविदारक घटना ने न सिर्फ पंचकूला बल्कि पूरे क्षेत्र को सदमे में डाल दिया है। पड़ोसी और स्थानीय लोग घटना को लेकर बेहद व्यथित हैं और एक ही सवाल पूछ रहे हैं – आखिर कोई पूरा परिवार इस कदर टूट कैसे सकता है?

फिलहाल पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और मामले की विस्तृत जांच जारी है। साइबर और फोरेंसिक टीम भी मामले की तह तक पहुंचने के लिए जुट गई है।यह घटना एक बार फिर समाज के उस कड़वे सच को उजागर करती है, जहां आर्थिक बोझ और मानसिक तनाव इंसान को जीते जी मार डालते हैं।

कोरोना वैरियंट घातक नहीं, लेकिन लक्षण नजर आएं तो चिकित्सक से परामर्श लें : गजेन्द्र सिंह खींवसर

सीएम भजनलाल शर्मा की तत्परता से क्रियान्विति हो रही सुनिश्चित

जयपुर, 27 मई (एजेंसियां)। देशभर में कोरोना के केस सामने आने के बाद चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि भारत सरकार के अनुसार कोरोना का वर्तमान मे सामने आया वैरियंट घातक नहीं है, लेकिन आमजन खांसी-जुकाम या बुखार जैसे लक्षण नजर आने पर सामान्य एहतियात बरतते हुए चिकित्सा संस्थान जाकर आवश्यक परामर्श, जांच एवं उपचार लें।

खींवसर ने कहा कि संवेदनशील वर्ग जैसे बुजुर्ग, गर्भवती महिलाएं, गंभीर बीमारियों से ग्रसित रोगी एवं बच्चे कोरोना के केसेज को देखते हुए स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। आईएलआई के लक्षण नजर आने पर चिकित्सक से परामर्श लें एवं भीड़-भाड़ से बचें। उन्होंने चिकित्सा विभाग के अधिकारियों से कहा कि चिकित्सा विशेषज्ञों ने वर्तमान स्थितियों के दृष्टिगत कोरोना से ज्यादा खतरा नहीं बताया है, लेकिन चिकित्सा संस्थानों में जांच, दवा एवं उपचार के लिए आवश्यक इंतजाम रखे जाएं, ताकि आईएलआई लक्षणों के मरीजों को जरूरी जांच एवं उपचार मिल सके।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने ऑक्सीजन प्लांट्स की क्रियाशीलता पर बल देते हुए कहा कि प्रदेश में विभिन्न चिकित्सा संस्थानों में स्थापित ऑक्सीजन प्लांट्स की नियमित मॉनिटरिंग की जाए। इनकी क्रियाशीलता सुनिश्चित करने के साथ ही बंद ऑक्सीजन प्लांट्स को शीघ्र ठीक करवाएं। उन्होंने कहा कि भारत सरकार की ओर से कोरोना के संबंध में समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों की पालना की जाए।

निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश शर्मा ने बताया कि प्रदेश में मंगलवार को कोरोना के 9 केस सामने आए हैं। उन्होंने बताया कि 2 केस एम्स जोधपुर में, 2 सवाई मानसिंह अस्पताल जयपुर में तथा 4 केस बी लाल लैब जयपुर एवं 1 केस अनाविक डायग्नोस्टिक सेंटर जयपुर में आया है। इस वर्ष अब तक 32 केस सामने आ चुके हैं। इनमें अजमेर में 2, बीकानेर में एक, डीडवाना में 3, जयपुर में 13, जोधपुर में 6, फलौदी में 1, सवाई माधोपुर में एक, उदयपुर में 4 एवं एक अन्य केस सामने आया है।

खाटू श्यामजी के भक्तों को ट्रोले ने कुचला, 3 की मौके पर मौत

जयपुर, 27 मई (एजेंसियां)। राजधानी से सटे मनोहरपुर-दौसा नेशनल हाईवे (एनएचए-148) एक बार फिर मौत की पटरियों में तब्दील हो गया। रविवार सुबह गठवाड़ी मोड़ के पास हुए भीषण सड़क हादसे में तीन श्रद्धालुओं की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर हालत में ज़िंदगी से संघर्ष कर रहे हैं। सभी श्रद्धालु खाटूश्यामजी के दर्शन के लिए निकले थे, लेकिन घर से निकले तो लौटकर लाश बनकर आए।

हादसा उस वक्त हुआ जब श्रद्धालुओं से भरी तेज रफ्तार कार ओवरटेक करते हुए सामने से आ रहे ट्रोले से भिड़ गई। टक्कर इतनी भयंकर थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें बैठे लोग बुरी तरह फंस गए। क्षत-विक्षत शव देखकर मौके पर मौजूद लोग सिहर उठे। हादसे के बाद घटनास्थल पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। लेकिन हैरानी की बात यह रही कि पुलिस और हाईवे चेतक करीब आधे घंटे बाद मौके पर पहुंचे। देरी से पहुंची पुलिस को देखकर गुस्साए ग्रामीणों ने लापरवाही पर नाराजगी जताई और मौके पर ही हंगामा कर दिया।

ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत कर कार में फंसे शवों और घायलों को बाहर निकाला। कुछ ने एंबुलेंस की व्यवस्था की, तो कुछ घायलों को संभालते रहे। इस मंजर को जिसने देखा उसकी आंखें नम हो गईं। किसी की बहन गई, किसी का भाई और किसी का बेटा – खाटूश्यामजी की राह पर निकले श्रद्धालु मौत की राह चले गए। रायसर थाना प्रभारी रघुवीर सिंह राठौड़ ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक तौर पर हादसे की वजह तेज रफ्तार और ओवरटेक के दौरान नियंत्रण खोना बताया जा रहा है। पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और घायलों का इलाज निम्स अस्पताल में जारी है।

मुख्यमंत्री दुग्ध संबंल योजना : पशुपालकों को 88.43 करोड़ की सहायता

पशुपालन मंत्री ने सीएम भजनलाल का जताया आभार

जयपुर, 27 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य के दुग्ध उत्पादकों को 88.43 करोड़ रू. अनुदान राशि का भुगतान किया है। यह राशि मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक संबल योजना के तहत दी गई है। राज्य सरकार की ओर से सहकारी समितियों से जुड़ी डेयरियों पर दूध देने वालों को 5 रुपए प्रति लीटर के हिसाब से भुगतान किया जाता है।

पशुपालन एवं डेयरी मंत्री जोराराम कुमावत ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल मार्गदर्शन में प्रदेश के करीब साढे चार लाख पशुपालक किसानों के बैंक खाते में यह राशि डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से हस्तांतरित की गई है। उन्होंने बताया कि हमारी सरकार राजस्थान के प्रत्येक पशुपालक की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने, पशुपालन क्षेत्र को विकसित करने तथा किसानों की आय बढ़ाने हेतु पूर्णतः प्रतिबद्ध है।

उन्होंने इसके लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बजट घोषणा-2025-25 में इस योजना के लिए घोषित की गई 500 करोड़ रुपए की राशि का भुगतान कर दिया गया है। अब बजट घोषणा 2025-26 के लिए घोषित अनुदान राशि में से जनवरी, फरवरी, मार्च व अप्रेल-2025 माह की बकाया अनुदान राशि 200 करोड़ रुपए की डिमांड के लिए वित्त विभाग को प्रस्ताव भेज दिया गया है, जो कि जल्द ही लाभार्थी पशुपालक किसानों को राशि डीबीटी कर दी जाएगी।

पंचायती राज और नगर निकाय उप चुनावों में भाजपा के 5 प्रत्याशी निर्विरोध जीते: दाधीच

जयपुर, 27 मई (एजेंसियां)। पंचायती राज और नगर निकाय उप चुनावों में भारतीय जनता पार्टी के 5 प्रत्याशी निर्विरोध निर्वाचित हुए। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच ने बताया कि पंचायती राज एवं नगरीय निकाय उप चुनावों में भाजपा के प्रत्याशियों के निर्विरोध निर्वाचन भाजपा की नीतियों और राज्य सरकार के कल्याणकारी कार्यों पर जनता की मोहर है। उन्होंने कहा कि पिछले डेढ़ साल में राज्य सरकार ने गरीब कल्याण एवं विकास को जिस तरह गति दी और भाजपा के कार्यकर्ताओं ने जनता के सुख-दूख में भागीदारी निभाई, जिसका सुखद परिणाम हमें मिला है। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच ने कहा कि जिन सीटों पर चुनाव होना है, वहां भी भाजपा के कार्यकर्ता पुरी प्रतिबद्धता और जन सरोकार के अपने संकल्प के साथ जुटा हुआ है, जिसके परिणाम भी ऐतिहासिक रहेंगे। उन्होंने बताया कि नगर निकाय उपचुनाव में कोटपुतली नगर पालिका के वार्ड 17 से शारदा देवी, नागौर जिले के कुचेरा नगर पालिका के वार्ड 17 से आरती देवी और गंगानगर के करणपुर नगर पालिका के वार्ड 23 से जितेंद्र सिंह (समर्थित निर्दलीय) निर्विरोध निर्वाचित हुए है। इस प्रकार पंचायती राज उपचुनाव में पंचायत समिति डीग के वार्ड 9 से रामरतन (समर्थित निर्दलीय) और करौली जिले के श्रीमहावीर जी पंचायत समिति के वार्ड 15 से विमला देवी निर्विरोध निर्वाचित हुई है।

60 फीट गहरी खाई में गिरी कार, दो युवक गंभीर घायल

उदयपुर, 27 मई (एजेंसियां)। उदयपुर जिले के बेकरिया थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह गोगुंदा-पिंडवाड़ा हाईवे पर एक बड़ा हादसा हो गया। तेज रफ्तार कार अचानक अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर चढ़ गई और फिर सड़क के बीच बनी पुलिया से फिसलते हुए करीब 60 फीट गहरी खाई में जा गिरी। कार में सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसा अकियावड़ गांव के पास स्थित सुरंग के आगे एक तीखे मोड़ पर हुआ, जहां गुजरात से उदयपुर की ओर आ रही तेज रफ्तार कार अचानक संतुलन खो बैठी। डिवाइडर पर चढ़ने के बाद कार पुलिया को पार करते हुए गहरी खाई में जा गिरी। गिरते ही कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे की आवाज सुनकर आस-पास के ग्रामीण और राहगीर मौके पर दौड़े। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए लोगों ने बिना देर किए खाई में उतरकर घायलों को कार से बाहर निकाला। करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद दोनों युवकों को ऊपर सड़क तक लाया गया।

सूचना मिलते ही बेकरिया थाना प्रभारी उत्तम सिंह जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे। घायलों को तुरंत गोगुंदा हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां उनकी गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें उदयपुर एमबी हॉस्पिटल रेफर कर दिया।हादसे में कार के परखच्चे उड़ गए हैं। वहीं दोनों युवकों को सिर, छाती और पैरों में गंभीर चोटें आई हैं।

अंतरराष्ट्रीय तस्कर गिरोह कर रहा अमानवीय प्रयोग

चार तस्करों के पेट से निकले सोने के कैप्सूल

मुरादाबाद, 27 मई (एजेंसियां)। मुरादाबाद में चार तस्करों के पेट से एक करोड़ से ज्यादा के सोने के कैप्सूल निकले गए हैं। चौथे के पेट में अब भी दो कैप्सूल बाकी हैं, उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। तीन तस्करों को जेल भेजा गया है। मुरादाबाद में सोने की तस्करी करने वाले अंतरराष्ट्रीय गिरोह का पुलिस ने पर्दाफाश किया है। इस गिरोह के चार तस्करों के पेट से सोने के 27 कैप्सूल (वजन 1.052 किग्रा.) निकाले गए हैं। तस्कर यह सोना दुबई से पेट में छिपाकर लाए थे।

सोमवार को पुलिस ने मूंढापांडे थाने में केस दर्ज कर चारों तस्करों को गिरफ्तार किया। इस मुकदमे में नौ फाइनेंसरों और चिकित्सकों को भी आरोपी बनाया गया है। चारों तस्करों को सोमवार को कोर्ट में पेश किया, जहां से तीन को जेल भेज दिया गया, जबकि एक के पेट में सोने के कैप्सूल होने के कारण पुलिस ने उसे रिमांड पर लिया है। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि

शुक्रवार दोपहर करीब दो बजे दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर पुराने टोल प्लाजा के पास दुबई और सऊदी अरब से लौट रहे तस्करों की कार को बदमाशों ने रुकवा ली थी। बदमाशों ने खुद को पुलिसकर्मी बताकर कार की जांच शुरू कर दी। इस दौरान बदमाश ने कार सवारों को हथियारों के बल पर अगवा कर लिया और मूंढापांडे क्षेत्र में ले गए।

यहां बदमाशों ने उनको धमकाया और कहा कि तुम्हारे पेट में सोना है। सोना निकालने के लिए बदमाशों ने सभी का पेट चीरने की तैयारी शुरू कर दी। इसी दौरान जुल्फेकार कूद कर भाग गया था।

उसकी सूचना पर पुलिस ने घेराबंदी कर उसके अन्य छह साथियों को छुड़ा लिया था। चालक को छोड़कर बाकी सभी छह आरोपियों का अल्ट्रासाउंड कराया गया, जिसमें से चार के पेट में सोना होने की पुष्टि हुई।

शनिवार शाम सभी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों की टीम ने चारों तस्करों के पेट से 27 कैप्सूल निकाले हैं। एसपी सिटी ने बताया कि चारों अंतरराष्ट्रीय सोना तस्कर गिरोह के सदस्य हैं। इन गिरोह को फाइनेंसर चला रहे हैं। जिसमें ट्रैवल एजेंट, डॉक्टर और अन्य शामिल हैं। मूंढापांडे में सभी के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने तस्करों से फर्जी आधार कार्ड और पासपोर्ट भी बरामद किए हैं।

डॉक्टरों की टीम के काफी प्रयास के बाद भी एक तस्कर के पेट से सोने के दो कैप्सूल नहीं निकल पाए। पुलिस ने उसे कोर्ट में पेश किया और रिमांड मांगी। कोर्ट से तस्कर की पुलिस रिमांड मंजूर होने के बाद उसे दोबारा जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रामपुर के टांडा थाना क्षेत्र के यूसुफ चौक निवासी मुत्तलीब के पेट से आठ कैप्सूल निकल चुके हैं, लेकिन दो कैप्सूल उसके गेट में ही फंसे हैं। एसपी सिटी कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि आरोपी तस्कर मुत्तलीब को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। चारों तस्करों पर पुलिस ने दस हजार रुपये खर्च कर दिए हैं। पेट में फंसे सोने के कैप्सूल निकालने के लिए पुलिस ने इन्हें कोल्ड ड्रिंक, बिरयानी, केले और अन्य फल खिलाए हैं।

मूंढापांडे थाने में अपराध निरीक्षण जितेंद्र कुमार की ओर से चारों तस्करों और नौ नामजद फाइनेंसरों और कुछ अज्ञात के खिलाफ बीएनएस की धारा 111, 318(4), 338, 336(3), 340 और 135 कस्टम एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। एसपी सिटी ने बताया कि बरामद सोने की जांच कराई गई है, जिसमें पता चला कि बरामद सोना 99.9 प्रतिशत शुद्ध है। मुरादाबाद में मुठभेड़ के दौरान पकड़े गए तस्करों में शाने आलम, निवासी मोहल्ला रांड, थाना टांडा, रामपुर, मुत्तलीब, निवासी मोहल्ला यूसुफ चौक टांडा बादली, थाना टांडा, रामपुर, अजहरुद्दीन, निवासी मोहल्ला यूसुफ चौक, टांडा बादली, रामपुर और जुल्फिकार अली, निवासी मोहल्ला नज्झुपुरा, थाना टांडा, रामपुर शामिल हैं। इनमें शाने आलम के पेट से तीन कैप्सूल वजन 113.71 ग्राम सोना निकला। मुत्तलीब के पेट से आठ कैप्सूल, वजन 311 ग्राम सोना, अजहरुद्दीन के पेट से आठ कैप्सूल वजन 320.12 ग्राम सोना और जुल्फिकार के पेट से आठ कैप्सूल वजन 311.72 ग्राम सोना निकला।

सामूहिक विवाह योजना पर योगी सरकार का ऐलान

अब कन्याओं के लिए किया जाएगा सिंदूर-दान

लखनऊ, 27 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान पर सेना द्वारा किए ऑपरेशन सिंदूर के बाद यूपी सरकार ने बड़ा ऐलान किया है। अब प्रदेश में सामूहिक विवाह योजना में कन्याओं को सरकार की तरफ से सिंदूर-दान भी दिया जाएगा। इसके लिए शासनादेश भी जारी कर दिया गया है।

उत्तर प्रदेश सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद एक बड़ा फैसला लिया है। अब सामूहिक विवाह योजना के तहत मिलने वाले उपहारों में कन्या को सिंधौरा (सिंदूर-दान) भी दिया जाएगा। इतना ही नहीं लाभ लेने के लिए कन्या पक्ष की अधिकतम आय सीमा भी दो लाख रुपए से बढ़ाकर तीन लाख रुपए कर दी गई है। प्रति जोड़ा खर्च 51 हजार रुपए से बढ़ाकर एक लाख रुपए किए जाने का शासनादेश भी जारी किया गया है।

शासनादेश के अनुसार, कन्या के अभिभावक का यूपी का मूल निवासी होना चाहिए। विवाह योग्य आयु की पुष्टि के लिए स्कूल का रिकॉर्ड, जन्म प्रमाणपत्र, मतदाता पहचान पत्र, मनरेगा जॉब कार्ड और आधार कार्ड मान्य होंगे। योजना में निराश्रित कन्या, विधवा महिला की पुत्री, दिव्यांग अभिभावक की पुत्री व दिव्यांग बेटी को प्राथमिकता दी जाएगी।

जिलास्तर पर डीएम की निगरानी में समाज कल्याण अधिकारी सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन कराएंगे। कन्या के खाते में 60 हजार रुपए डीबीटी के माध्यम से भेजे जाएंगे। 25 हजार रुपए मूल्य की वैवाहिक उपहार सामग्री दी जाएगी। प्रति जोड़ा 15 हजार रुपए आयोजन पर खर्च होगा। इस राशि में विवाह सम्पन्न कराने वाले पुजारी और मौलवी की दक्षिणा और पारिश्रमिक भी शामिल होगा। 100 या उससे अधिक जोड़ों के विवाह समारोह के लिए जर्मन हैंगर की व्यवस्था की जाएगी। यह पंडाल काफी उम्दा किस्म का होता है।

यूपी में लागू हुई केंद्र की राहवीर योजना

घायल को अस्पताल पहुंचाने पर मिलेगा 25 हजार

लखनऊ, 27 मई (एजेंसियां)। केंद्र द्वारा प्रस्तावित राहवीर योजना यूपी में लागू कर दी गई है। घटना के एक घंटे के भीतर जख्मी को अस्पताल ले जाने वाले को 25 हजार का ईनाम मिलेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रारंभ की गई राहवीर योजना को उत्तर प्रदेश में लागू कर दिया गया है, जिसके तहत दुर्घटना में घायल व्यक्ति को गोल्डन-ऑवर में अस्पताल पहुंचाने वाले मददगार को 25,000 रुपए का इनाम मिलेगा। इस योजना के तहत सरकार सड़क हादसों में घायल लोगों को अस्पताल पहुंचाने वाले लोगों को इनाम देगी। यह योजना लखनऊ सहित पूरे उत्तर प्रदेश में लागू की गई है। योजना के तहत, अगर कोई नागरिक घायल व्यक्ति को गोल्डन ऑवर या दुर्घटना के तुरंत बाद अस्पताल या ट्रॉमा सेंटर पहुंचाता है तो उसे 25 हजार रुपए तक की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। यदि कोई नागरिक सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को गोल्डन-ऑवर (पहले 1 घंटे) के भीतर अस्पताल पहुंचाता है और घायल की जान बच जाती है, तो उस मददगार को 25,000 रुपए का इनाम दिया जाएगा। यह पुरस्कार राशि पहले 5,000 थी, जिसे अब बढ़ाकर 25,000 कर दिया गया है। घायल को सीधे अस्पताल पहुंचाने पर अस्पताल द्वारा पुलिस को सूचना दी जाएगी और इसकी एक प्रति उस नागरिक को भी सौंपी जाएगी। पुलिस कलेक्टर को भी इस संबंध में पत्र लिखेगी और इसके बाद परिवहन विभाग द्वारा मददगार के बैंक खाते में सीधे राशि ट्रांसफर की जाएगी।

यूपी में 69000 करोड़ का निवेश करेंगी देश की दिग्गज कंपनियां

लखनऊ, 27 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में निवेश के लिए देश की कई दिग्गज कंपनियां सामने आ रही हैं। आने वाले समय में देश की बड़ी कंपनियां 69 हजार करोड़ का निवेश करेंगी। देश की कई दिग्गज कंपनियों ने यूपी में लगभग 69 हजार करोड़ रुपए के निवेश का करार किया है। यह समझौता मंगलवार को प्रदेश सरकार की निवेश प्रोत्साहन एवं सुविधा एजेंसी इन्वेस्ट यूपी द्वारा मुंबई के जिओ वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में उच्चस्तरीय निवेशक राउंड टेबल आयोजन में किए गए। बैठक की अध्यक्षता मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह और संचालन इन्वेस्ट यूपी के सीईओ विजय किरन आनंद ने किया। निवेशकों ने डाटा सेंटर, हरित ऊर्जा, सीमेंट और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों में बड़े निवेश का ऑफर दिया।

इस अवसर पर यूपी के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश भारत का सबसे आकर्षक निवेश गंतव्य

बनकर उभरा है। हम प्रगतिशील उद्यमों का स्वागत करते हैं। राउंड टेबिल में हीरानंदानी समूह के अध्यक्ष डॉ. निरंजन हीरानंदानी ने कहा कि 30 मेगावाट क्षमता का डाटा सेंटर 18 महीनों में तैयार होगा। उन्होंने क्षमता में 30 मेगावाट की वृद्धि करने की घोषणा की और 28,440 करोड़ की चिप निर्माण परियोजना (टार्क सेमीकंडक्टर्स नोएडा) की जानकारी दी।

अवादा ग्रुप की उपाध्यक्ष सिंदूर मित्तल ने 20,000 करोड़ के अतिरिक्त निवेश की घोषणा की। अल्ट्राटेक सीमेंट के प्रबंध निदेशक के.सी. झंवर ने बताया कि अलीगढ़, बारा, डाला, दादरी, टांडा, सिकंदराबाद और लखनऊ में विस्तार के बाद अब अलीगढ़, शाहजहांपुर और टांडा में 1,981 करोड़ का निवेश करेंगे। टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी के सीईओ व एमडी संजय बंगा ने 13,700 करोड़ के निवेश से दो 800 मेगावाट अल्ट्रा-सुपरक्रिटिकल पावर यूनिट्स स्थापित करने की घोषणा की। यूपीडीएफ के अध्यक्ष पंकज जायसवाल ने लखनऊ में निवेशक सम्मेलन और दुबई में रोड शो का प्रस्ताव रखा। कृष्णानंद समूह लखनऊ और नोएडा में 25 करोड़ से रेडी मिक्स प्लास्टर प्लांट लगाएगा। ईएन कम्युनिकेशन के राजीव रंजन सिंह ने यीडा में 1500 करोड़ रुपए के निवेश से महाभारत संग्रहालय का प्रस्ताव रखा। रिमेंस डीएसपी इंफ्रा ने लखनऊ में 5 करोड़ से कोल्ड इमल्शन-आधारित रोड पैच मिक्स प्लांट और लॉर्ड्स ग्रुप ने रूफ टॉप सोलर के लिए 1500 करोड़ रुपए की फैक्ट्री का ऐलान किया। डायसिस इंडिया 10 करोड़ रुपए से अपने प्लांट की क्षमता दोगुना करेगी।

प्रदेश सरकार ने बलरामपुर चीनी मिल्स के साथ लखीमपुर खीरी के कुंभी चीनी मिल में 250 टीपीडी (टन प्रतिदिन) क्षमता का पॉलीलैक्टिक एसिड (पीएलए) प्लांट स्थापित करने के लिए एमओयू किया इस समझौते में 2,850 करोड़ का निवेश शामिल है और इससे 225 लोगों को रोजगार मिलेगा। ये समझौता इन्वेस्ट यूपी के सीईओ विजय किरण आनंद और बलरामपुर चीनी मिल्स की कार्यकारी निदेशक अवंतिका सरोगी के बीच हुआ।

सिखों को ईसाई बनाने का चल रहा कुचक्र, 3000 सिख धर्मांतरित

पीलीभीत, 27 मई (एजेंसियां)। यूपी के पीलीभीत में धर्मांतरण का धंधा तेजी से चल रहा है। ऑल इंडिया सिख पंजाबी वेलफेयर काउंसिल के अध्यक्ष हरपाल सिंह ने यह दावा किया है। पीलीभीत गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सदस्य परमजीत सिंह के मुताबिक पीलीभीत में 3 हजार सिखों को ईसाई बनाया गया है। नेपाल-भारत सीमा से लगे एक गांव में तो अब चर्च भी बन रहा है। सिख संगठन के मुताबिक यह साजिश इन इलाकों में डेमोग्राफिक बदलाव के लिए की जा रही है। संगठन का आरोप है कि नेपाल से ड्रग्स और दूसरे नशीले पदार्थ की बड़ी खेप मंगाई जाती है।

इस इलाके में नेपाल से होते हुए कुछ पादरी ईसाई धर्म के प्रचार के लिए 2002 में आए थे। 2025 तक यहां की फिजा बदल गई है। पिछले 23 साल में यहां विदेशी फंडिंग से खूब पैसा आया। लोगों को पैसों और घर का लालच देकर धर्मांतरण कराया जा रहा है। नौकरी का झांसा भी दिया जाता है और बेरोजगार लोगों को फंसाया जाता है। इन घरों में दक्षिण कोरिया का कैलेंडर देखा जा सकता है। पीलीभीत में टाइगर रिजर्व के साथ घने जंगल हैं लेकिन शारदा नदी पार करते ही आराम से बेल्हा गांव पहुंच सकते हैं जो भारत का यहां अंतिम गांव है। इससे सटे भागीरथ और सिंघाड़ा गांव हैं। इन तीनों गांवों में पादरी की पैठ काफी है और लोग बड़ी संख्या में ईसाई धर्म अपना रहे हैं। यहां से सिर्फ 2 किलोमीटर की दूरी पर नेपाल का कंचनपुर का छिछा टाउन है जहां काफी विशालकाय चर्च बना हुआ है।

नेपाल-भारत का ये बॉर्डर दूसरी सीमाओं से बिल्कुल अलग है। यहां कटीले तार नहीं, बल्कि पिलर बने हैं, जिस पर नंबर लिखा हुआ है। इनके बीच काफी गैप है। इससे होकर लोग आराम से आना-जाना करते हैं। दोनों ओर खड़ी फसल खेतों में लहलहा रही होती है इसके बीच से लोगों को आते जाते एसएसबी के जवान भी नहीं रोक पाते। धर्मांतरण के मामले में यूपी प्रशासन ने 8 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज किया है। दो लोगों को नारकोटिक्स का मामला दर्ज किया गया है।

निजीकरण के खिलाफ आंदोलन : सरकार धमकाने पर उतरी

29 मई से होने वाली बिजली कर्मियों की हड़ताल स्थगित

लखनऊ, 27 मई (एजेंसियां)। यूपी में 29 मई से बिजलीकर्मियों द्वारा होने वाली हड़ताल फिलहाल स्थगित कर दी गई है। जिला मुख्यालयों में होने वाला विरोध प्रदर्शन चलता रहेगा। पावर कारपोरेशन की ओर से हर स्तर पर कड़ाई करने, कार्य बहिष्कार को हड़ताल की श्रेणी में मानते हुए निरंतर कार्रवाई करने, वैकल्पिक व्यवस्था का रास्ता अपनाने के बाद निजीकरण के विरोध में आंदोलन चला रहे बिजली अभियंताओं एवं अन्य कार्मिकों ने भी रास्ता बदल दिया है। अब 29 को होने वाला अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार स्थगित कर दिया गया है। इस दिन निजीकरण के विरोध में राष्ट्रव्यापी प्रदर्शन होगा। पावर कारपोरेशन प्रबंधन के साथ असहयोग आंदोलन चलता रहेगा।

नेशनल कोऑर्डिनेशन कमेटी ऑफ इलेक्ट्रिसिटी इम्प्लॉइज एंड इंजीनियर्स की मंगलवार को बैठक हुई। इसमें तय किया गया कि निजीकरण के विरोध में 29 मई से होने वाला अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार स्थगित रखा जाएगा। इस दिन देशभर में विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। 29 मई से प्रबंधन के साथ पूर्ण असहयोग आंदोलन चलाया जाएगा। कार्पोरेशन के अध्यक्ष की वीडियो कांफ्रेंसिंग का बहिष्कार होगा, लेकिन उपभोक्ताओं को कोई कठिनाई नहीं होने दी जाएगी। नेशनल कोऑर्डिनेशन कमेटी ऑफ इलेक्ट्रिसिटी इम्प्लॉइज एंड इंजीनियर्स ने यह भी कहा है कि यदि प्रदेश सरकार निजीकरण के लिए एक भी कदम आगे बढ़ाती है। निजीकरण के लिए टेंडर नोटिस प्रकाशित करती है तो उत्तर प्रदेश के साथ ही अन्य राज्यों के 27 लाख बिजली कर्मचारी विरोध में सड़क पर उतरेंगे। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति का दावा है कि मंगलवार शाम पांच बजे हुई वीडियो कांफ्रेंसिंग में अभियन्ताओं ने हिस्सा नहीं लिया। ऐसे में उन्होंने कर्मचारियों और अभियन्ताओं का वेतन और समयबद्ध वेतनमान कम करने की धमकी दी है। उनके इस बयान से ऊर्जा निगमों में औद्योगिक अशांति का वातावरण बन गया है। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने मंगलवार को प्रदेश के सभी जिलों एवं परियोजना मुख्यालयों पर विरोध प्रदर्शन जारी रखा। ऐलान किया कि अब बिजली कार्मिकों के साथ ही किसान व अन्य उपभोक्ता भी उनके साथ जुड़ रहे हैं। संघर्ष समिति की मंगलवार को लखनऊ में हुई बैठक में तय किया गया कि बिजली कर्मियों के 181 दिन से आंदोलन चल रहा है। अभी तक प्रबंधन पूर्वांचल एवं दक्षिणांचल के निजीकरण का टेंडर नहीं कर पाया है। भीषण गर्मी है। ऐसे में उपभोक्ताओं को कोई तकलीफ न हो। इसलिए भी 29 से होने वाले अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार स्थगित किया जाता है। इस दौरान यह भी तय किया गया कि जिलों में और परियोजनाओं पर विरोध प्रदर्शन पहले की तरह चलता रहेगा। इस बीच किसी कार्मिक के खिलाफ प्रबंधन ने कार्रवाई की तो वे सड़क पर उतरने के लिए विवश होंगे। इस दौरान संजय सिंह चौहान, जितेंद्र सिंह गुर्जर, गिरीश पांडे, महेंद्र राय, पीके दीक्षित, सुहेल आबिद, चंद्रभूषण उपाध्याय आदि मौजूद रहे।

पावर कार्पोरेशन अध्यक्ष आशीष कुमार गोयल ने निर्देश दिया कि आंदोलन के जरिए बिजली आपूर्ति प्रभावित करने वाले अभियंताओं और कार्मिकों की पहचान की जाए। उनकी सूची तैयार करें। ऐसे लोगों को कॉर्पोरेशन की ओर से भेजी गई एडवाइजरी भी भेज दें। अध्यक्ष ने निर्देशित किया कि बायोमीट्रिक हाजिरी हर स्थान पर सुनिश्चित की जाए। वह मंगलवार को शक्ति भवन में वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा है कि जितनी बिजली आपूर्ति हो, उसी हिसाब से राजस्व संग्रह होना चाहिए।

1750 राजकीय नलकूपों का होगा पुनर्निर्माण

सिंचाई क्षमता में होगी पौने दो लाख हेक्टेयर की वृद्धि

लखनऊ, 27 मई (एजेंसियां)। योगी सरकार किसानों की आय बढ़ाने और कृषि क्षेत्र में तकनीकी सशक्तिकरण की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। अब सरकार राज्य के 1750 राजकीय नलकूपों का पुनर्निर्माण कर उन्हें ईको फ्रेंडली ट्यूबवेल में तब्दील करेगी। जिससे प्रदेश के करीब ढाई लाख कृषक परिवारों को सीधा लाभ मिलेगा। इसके साथ ही सिंचाई क्षमता में पौने दो लाख हेक्टेयर की वृद्धि भी होने जा रही है। ये सभी सिंचाई परियोजनाएं अगले दो वर्षों में पूरी कर ली जाएंगी, जो किसानों के लिए टर्निंग प्वाइंट साबित होंगी। सबसे खास बात ये है कि सौर ऊर्जा के माध्यम से हाईब्रिड मोड पर लघु डाल नहरों को संचालित करने का अभिनव प्रयोग किया जा रहा है। राजकीय नलकूपों को पर्यावरण अनुकूल बनाया जा रहा है। इसके अंतर्गत नलकूपों के चारों ओर पौधरोपण किया जाएगा और उन्हें ईको फ्रेंडली ट्यूबवेल के रूप में विकसित किया जाएगा। इससे पर्यावरण संतुलन भी बना रहेगा और हरित क्षेत्र में वृद्धि होगी। सतही जल के अधिकतम उपयोग को बढ़ावा देने के लिए 21 नवीन लघु डाल नहरों के निर्माण के लिए व्यापक सर्वेक्षण किया जा रहा है। इन नहरों को सौर ऊर्जा के माध्यम से हाईब्रिड मोड पर संचालित करने का अभिनव प्रयोग शुरू किया गया है। इससे ऊर्जा की बचत के साथ-साथ सतत सिंचाई संभव हो सकेगी।

सरकार की योजना केवल भौतिक संरचनाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि सिंचाई में आधुनिक तकनीकों को भी शामिल किया जा रहा है। इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) स्मार्टफोन टूल्स और सेंसर जैसी तकनीकों का उपयोग कर स्मार्ट सिंचाई प्रणाली लागू की जा रही है। इस तकनीक के जरिए पानी के प्रवाह को दूर से नियंत्रित किया जा सकता है, जिससे पानी की बर्बादी को रोका जा सकता है और आवश्यकतानुसार ही पानी का उपयोग सुनिश्चित किया जा सकता है। दो वर्षों के भीतर यह सभी सिंचाई परियोजनाएं पूरी कर ली जाएंगी।

कार्लो एंसेलोटी ने ब्राज़ील की पहली टीम का किया ऐलान, नेमार बाहर, कासेमीरो की वापसी

रियो डी जेनेरियो,27 मई (एजेंसियां) । ब्राज़ील के नए कोच कार्लो एंसेलोटी ने सोमवार को अपनी पहली 25 सदस्यीय टीम का ऐलान किया, जिसमें सबसे बड़ा नाम गायब रहा नेमार चोट से जूझ रहे नेमार हाल ही में सैंटोस क्लब में लौटे हैं, लेकिन एंसेलोटी ने बताया कि वो अभी राष्ट्रीय टीम में वापसी के लिए पूरी तरह फिट नहीं हैं।

एंसेलोटी ने कहा, दुर्भाग्य से हमारे कई खिलाड़ी चोटिल हैं, जिनमें नेमार भी शामिल हैं। लेकिन हम उन पर भरोसा करते हैं। मैंने आज सुबह उनसे बात की और वह पूरी तरह सहमत हैं।

कासेमीरो की वापसी, अनुभव पर जोर

टीम में मिडफील्डर कासेमीरो की वापसी हुई है, जो पिछले लगभग डेढ़ साल से टीम से बाहर चल रहे थे। 2022 विश्व कप में टीम के कप्तान रहे कासेमीरो की वापसी को एंसेलोटी ने नेतृत्व और बलिदान की जरूरत से जोड़ा।

कोच ने कहा, राष्ट्रीय टीम को ऐसे खिलाड़ियों की जरूरत है जिनमें करिश्मा, टैलेंट और समर्पण हो — कासेमीरो उन खिलाड़ियों में से हैं।

रियल मैड्रिड छोड़ने के बाद ब्राज़ील की कमान संभालने वाले एंसेलोटी ने अपने पुराने शिष्य विनीसियस जूनियर पर पूरा भरोसा जताया। उन्होंने कहा, मैं पूरी तरह से मानता हूं कि विनीसियस राष्ट्रीय टीम में भी अपना सर्वश्रेष्ठ रूप दिखाएंगे। फिर उन्होंने मजाक में कहा, जैसे मैड्रिड में... लेकिन इस साल वाला नहीं, पिछले साल वाला।

ब्राज़ील के कोच बने पहले विदेशी, एंसेलोटी ने मीडिया को किया प्रभावित

65 वर्षीय एंसेलोटी ब्राज़ील की राष्ट्रीय टीम के पहले पूर्णकालिक विदेशी कोच हैं। उन्होंने अपने प्रेस कॉन्फ्रेंस में करीब 200 मीडिया कर्मियों को अपने जवाबों से प्रभावित किया।

न्यूज ब्रीफ

भारतीय खेल प्राधिकरण शाखा काशीपुर उत्तराखंड में आशीष सिंह का चयन

मुरादाबाद। भारतीय खेल प्राधिकरण शाखा काशीपुर उत्तराखंड द्वारा ताइक्कांडो खेल में खिलाड़ियों का चयन प्रक्रिया जनवरी माह में कराई गई थी जिसमें देशभर के 300 से अधिक खिलाड़ियों ने चयन प्रतिभाग किया था। इस प्रक्रिया में मुरादाबाद जिले से ताइक्कांडो खिलाड़ी आशीष सिंह का एकमात्र चयन हुआ है। जिला ताइक्कांडो एसोसिएशन मुरादाबाद के सचिव व आशीष सिंह के कोच शाहवेज़ अली ने मंगलवार को बताया कि मुरादाबाद के इतिहास में पहली बार भारतीय खेल प्राधिकरण में किसी खिलाड़ी का चयन ताइक्कांडो खेल में हुआ है, जिसमे आशीष सिंह पिछले चार वर्षों से इस चयन प्रक्रिया में हिस्सा ले रहा था परंतु हर बार किसी न किसी कारणवश उसका चयन नहीं हो पा रहा था, लेकिन आशीष सिंह ने हार न मानते हुए अपना प्रयास जारी रखा और सफलता हासिल की। इस मौके पर जीके पब्लिक स्कूल की प्रधानाचार्य ने आशीष सिंह की आगे की शिक्षा को नि:शुल्क रूप से प्रदान करने की घोषणा की है। जिला ताइक्कांडो स्पोर्ट्स एसोसिएशन के सभी पदाधिकारियों ने आशीष सिंह को मिठाई खिलाकर बधाई दी व उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की ।

अपने प्रदर्शन के बाद नीलामी के लिए बेहद उत्साहित हूं: रेडर देवांक दलाल

मुंबई। इस बार 31 मई और 1 जून को होने वाली प्रो कबड्डी लीग सीजन 12 की नीलामी इतिहास की सबसे ब्लॉकबस्टर साबित हो सकती है, क्योंकि कई स्थापित सितारे नीलामी पूल में शामिल हो रहे हैं। इस स्टार-स्टडेड लाइनअप का नेतृत्व सीजन 11 के बेस्ट रेडर देवांक दलाल कर रहे हैं , जिन्होंने 426 रेड्स में 301 रेड प्वाइंट्स, 8 सुपर रेड्स और 18 सुपर प्वाइंट्स हासिल किए और पटना पाइरेट्स को फाइनल तक पहुंचाया। अपने शानदार प्रदर्शन के बावजूद पटना पाइरेट्स ने उन्हें रिटेन नहीं किया, जिससे दलाल अब सबसे बड़े फ्री एजेंट्स में से एक बन गए हैं। उन्होंने एक बयान में कहा, इतने शानदार प्रदर्शन के बाद यह मेरी पहली नीलामी है, इसलिए मैं बहुत उत्साहित हूं। उन्होंने कहा, सीजन की शुरुआत में मेरा 26 प्वाइंट्स वाला मैच मेरे जीवन का टर्निंग प्वाइंट था। मुझे उस प्रदर्शन से बहुत प्रोत्साहन मिला। उस मैच ने मुझे पूरे सीजन में विकास करने में मदद की। अपनी अगली टीम को लेकर उत्साहित दलाल ने कहा, मैं किसी भी टीम के साथ अच्छा प्रदर्शन कर सकता हूं, लेकिन यह निश्चित नहीं है कि कौन सी टीम सफल होगी – कुछ भी पूर्व निर्धारित नहीं है। उन्होंने कहा, अगर पटना पाइरेट्स अपना फाइनल बिड मैच विकल्प इस्तेमाल करते हैं, तो मैं उस टीम में लौट सकता हूं। उन्होंने कहा, हर टीम में सपोर्टिंग रेडर्स होते हैं, लेकिन आयान को मिस करूंगा क्योंकि हमारे बीच शानदार समन्वय था। मूल्य टैग से जुड़ी दबाव के बारे में बात करते हुए युवा रेडर ने परिपक्वता का परिचय दिया। उन्होंने कहा, कितना पैसा जुड़ा है, इस पर कोई दबाव नहीं है। पुरस्कार राशि एक अच्छी बात है, लेकिन अगर दबाव है, तो प्रदर्शन प्रभावित होता है। जो हमारी किस्मत में है, वही मिलेगा।

आईपीएल 2025: पंजाब ने मुंबई को 7 विकेट से हराकर क्वालिफायर-1 में बनाई जगह

जयपुर। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में खेल रही पंजाब किंग्स ने सोमवार को मुंबई इंडियंस के खिलाफ जोरदार जीत दर्ज करते हुए आईपीएल 2025 के प्लेऑफ में टॉप-2 में जगह पक्की कर ली है। जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेले गए इस अहम मुकाबले में पंजाब ने मुंबई को 7 विकेट से मात दी और पहले क्वालिफायर में प्रवेश कर लिया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई इंडियंस ने तेज शुरुआत की। रोहित शर्मा (24 रन) और रायन रिकल्टन (27 रन) ने पावरप्ले में रन बटोरे, लेकिन बड़ी पारी नहीं खेल सके। इसके बाद सूर्यकुमार यादव (57 रन) ने एक बार फिर अपनी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए टीम को संभाला। कप्तान हार्दिक पांड्या ने 26 और नमन धीर ने 20 रन का योगदान दिया। आखिरी ओवर में अर्शदीप सिंह ने महज 3 रन देकर 2 विकेट झटके और मुंबई को 200 रन तक पहुंचने से रोक दिया। मुंबई ने निर्धारित 20 ओवर में 185/8 का स्कोर खड़ा किया। पंजाब की ओर से अर्शदीप सिंह, मार्को यानसेन और विजयकुमार व्यशाक को दो-दो सफलता मिली। जबकि एक विकेट हरप्रीत बरार के खाते में गया।

क्वालिफायर-1 में बेंगलूरू की एंट्री, लखनऊ को छह विकेट से हराया

कोहली-जितेश और मयंक चमके

लखनऊ,27 मई (एजेंसियां) । रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु 9 साल बाद आईपीएल में पहला क्वालिफायर खेलेगी। क्वालिफायर-1 में जगह बनाने के लिए आरसीबी को किसी भी कीमत पर लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ जीत चाहिए थे।

पहले खेलते हुए लखनऊ ने 3 विकेट पर 227 रन बना दिए। आरसीबी ने आईपीएल इतिहास का तीसरा सबसे बड़ा रन चेज करके मुकाबला अपने नाम कर लिया। कप्तान जितेश शर्मा विस्फोटक फिफ्टी लगाकर जीत के हीरो रहे। आरसीबी ने 19वें ओवर में ही 8 विकेट से मुकाबला अपने नाम किया। टीम अब पहले क्वालिफायर में पंजाब किंग्स से भिड़ेगी। गुजरात और मुंबई के बीच एलिमिनेटर खेला जाएगा। आरसीबी ने टेबल में दूसरे नंबर पर फिनिश किया।

आरसीबी के लिए जितेश शर्मा ने कमाल की बैटिंग की। छठे नंबर पर बैटिंग करने उतरे जितेश ने 85 रनों की पारी खेली। उन्होंने 33 गेंद पर 8 चौके और 6 छक्के मारे। मयंक अग्रवाल के बल्ले से 23 गेंद पर 41 रनों की नाबाद पारी निकली। मयंक और जितेश के बीच 45 गेंद पर 107 रनों की साझेदारी हुई। इसमें 33 गेंद पर 85 रन जितेश के थे। मयंग ने 12 गेंद पर साझेदारी में 20 रनों का योगदान दिया।

कप्तान ऋषभ पंत ने लखनऊ के लिए शतक लगाते हुए नाबाद 118 रन की आक्रामक पारी खेली। पूरे सीरीज में खराब लय के कारण आलोचना झेलने वाले पंत ने 61 गेंद की नाबाद पारी में 11 चौके और आठ छक्के लगाने के साथ दूसरे विकेट के लिए मिचेल मार्श के साथ 78 गेंद में 152 रन की साझेदारी कर के बड़े स्कोर की नींव रखी। मार्श ने 37 गेंद में चार चौके और पांच छक्के की मदद से 67 रन बनाये।

आरसीबी के लिए नुवान तुषारा ने चार ओवर में 26 रन देकर एक विकेट लिया। भुवनेश्वर कुमार और रोमारियो शेफर्ड को भी एक-एक सफलता मिली लेकिन दोनों काफी महंगे साबित हुए।

बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर मार्श ने तुषारा के खिलाफ शुरुआती ओवर में चौका लगाया तो वही सत्र का अपना पहला मैच खेल रहे मैथ्यू ब्रिट्जके (14) ने कृणाल पंड्या की गेंद पर छक्का जड़ दिया। वह हालांकि तुषारा की यॉर्कर गेंद पर बोल्ड हो गये।पूरे सत्र में खराब बल्लेबाजी के कारण आलोचना झेलने वाले पंत ने यश दयाल के खिलाफ छक्का और दो चौके के साथ चौथे ओवर से 18 रन बटोर कर अपने तेवर दिखाये। पंत ने 10वें ओवर में सुयश शर्मा के खिलाफ छक्का और दो चौके लगाकर 30 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। इस बीच मार्श ने शेफर्ड की गेंद को लांग ऑन के ऊपर से गेंद को दर्शकों के पास भेज कर मौजूदा सत्र में अपने 600 रन पूरे किये। मार्श ने अगले ओवर में सुयश के खिलाफ छक्के के साथ 31 गेंद में अपना पचासा पूरा किया।

मार्श ने 16वें ओवर में भुवनेश्वर की शुरुआती दो गेंदों पर छक्के जड़े लेकिन अगली गेंद पर विकेट के पीछे लपके गये। पंत ने भुवनेश्वर के अगले ओवर में चौके के साथ 54 गेंद में अपना शतक पूरा करने के साथ टीम के स्कोर को 200 के पार पहुंचा दिया।

निकोल्स पूरन (13) बड़े शॉट खेलने में संघर्ष कर रहे थे लेकिन पंत ने शतक पूरा करने के बाद आखिरी दो ओवरों में यश दयाल और शेफर्ड के खिलाफ छक्के लगाकर टीम के स्कोर को 225 रन के पार पहुंचाया।

आईपीएल 2025: जोश हेजलवुड बने आरसीबी के जसप्रीत बुमराह

नई दिल्ली,27 मई (एजेंसियां) ।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के लिए जोश हेजलवुड उसी तरह अहम बन चुके हैं जैसे जसप्रीत बुमराह मुंबई इंडियंस और टीम इंडिया के लिए हैं। अपनी सटीक गेंदबाजी से हेजलवुड ने आरसीबी की गेंदबाजी इकाई को मजबूती दी है और अब लखनऊ सुपर जाएंट्स (एलएसजी) के खिलाफ अहम मुकाबले में उनसे बड़ी उम्मीदें होंगी।

ऑस्ट्रेलियाई पेसर हेजलवुड ने इस सीजन पावरप्ले में 7 विकेट और डेथ ओवर्स (आखिरी 4 ओवर) में 6 विकेट चटकाए हैं। उनका इकॉनमी रेट क्रमश: 7.22 और 9.04 रहा है, जो इस फेज में किसी भी गेंदबाज के लिए शानदार माना जाता है। खास बात ये है कि हेजलवुड ने पावरप्ले में अपनी टीम के कुल रन का सिर्फ 26.86 प्रतिशत ही खर्च किया, जबकि वह हर मैच में कम से कम दो ओवर इस फेज में जरूर डालते हैं।

मंगलवार को इकाना स्टेडियम में जब आरसीबी का सामना एलएसजी से होगा, तो हेजलवुड की वापसी टीम के लिए राहत लेकर आएगी। अहमदाबाद में गुजरात टाइटंस के खिलाफ जबरदस्त बल्लेबाज़ी करने वाली एलएसजी की टीम को रोकने के लिए आरसीबी को अपने इस स्टार तेज़ गेंदबाज़ से शुरुआती विकेट की दरकार होगी। सीज़न के सस्पेंड होने से पहले हेजलवुड ने पावरप्ले में सबसे ज़्यादा 6 विकेट अपने पहले ही ओवर में चटकाए थे। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 42 रन की हार के बाद इंग्लिश बल्लेबाज फिल सॉल्ट ने माना कि आरसीबी जीत के करीब थी। उन्होंने कहा, हमने लक्ष्य का पीछा करने में कई अच्छी चीजें कीं। ज़्यादातर समय मार्जिन बहुत बारीक थे। लेकिन आज गलती की कोई गुंजाइश नहीं थी। आरसीबी के लिए ये मुकाबला प्लेऑफ की तैयारी और टॉप-2 में पहुंचने की उम्मीद को ज़िंदा रखने का मौका है। इसके लिए टीम को मंगलवार को हर मोर्चे पर सटीक रणनीति के साथ उतरना होगा और हेजलवुड की भूमिका एक बार फिर से निर्णायक होगी।

नॉर्वे शतरंज 2025 : कार्लसन ने उद्घाटन मुकाबले में गुकेश को हराया

नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट 2025 की धमाकेदार शुरुआत हो चुकी है। पहले ही दिन पूर्व विश्व चैंपियन मैग्नस कार्लसन ने मौजूदा विश्व चैंपियन डी. गुकेश को मात देकर बड़ा संदेश दे दिया। यह मुकाबला सोमवार को नॉर्वे के स्टावेंगर में खेला गया। खास बात यह रही कि यह गुकेश और कार्लसन के बीच पहला क्लासिकल मुकाबला था, जब से गुकेश ने सिंगापुर में विश्व खिताब जीता है। वहीं, एक अन्य रोमांचक मुकाबले में भारत के अर्जुन एरिगैसी ने चीन के वे यी को आर्मागेडन में हराया। क्लासिकल मुकाबला ड्रॉ रहने के बाद टाईब्रेक में अर्जुन ने बाजी मारी। महिला वर्ग में भी भारतीयों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला, जहां कोनेरु हम्पी ने आर. वैशाली को हराते हुए अभियान की शानदार शुरुआत की। पहले दौर के बाद अंक स्थिति: ओपन वर्ग में मैग्नस कार्लसन और हिकारू नाकामुरा 3-3 अंकों के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं।

रोनाल्डो ने अल नास्त्र को छोड़ने के दिए संकेत, अंतिम मुकाबले के बाद सोशल मीडिया पोस्ट से अटकलें तेज़

25 गोलों के सीज़न के बाद भविष्य पर सस्पेंस बरकरार, ब्राज़ीलियन क्लब से ऑफर का दावा

नई दिल्ली,27 मई (एजेंसियां) । सऊदी प्रो लीग के आखिरी मुकाबले में अल नास्त्र की ओर से गोल दागने वाले क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने मैच के बाद सोशल मीडिया पर ऐसा मैसेज पोस्ट किया जिससे उनके क्लब छोड़ने की अटकलें तेज़ हो गई हैं। रोनाल्डो ने अपनी अल नास्त्र जर्सी में एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा , यह चैप्टर खत्म हुआ। कहानी अभी बाकी है। सभी का आभार। गौरतलब है कि रोनाल्डो का अल नास्त्र के साथ अनुबंध जून में समाप्त हो रहा है। इस सीज़न में उन्होंने 25 गोल दागे और सऊदी प्रो लीग के टॉप स्कोरर रहे, लेकिन इसके बावजूद अल नास्त्र टीम एएफसी चैंपियंस लीग के लिए क्वालिफाई नहीं कर सकी।

अंतिम मुकाबले में 99वां गोल, टीम को मिली हार – अल फतेह के खिलाफ खेले गए अंतिम लीग मुकाबले में रोनाल्डो ने एक गोल दागा, जो उनके क्लब करियर का 801वां और अल नास्त्र के लिए 99वां गोल था। हालांकि, अल नास्त्र को इस रोमांचक मुकाबले में 3-2 से हार का सामना करना पड़ा।

ब्राज़ीलियन क्लब से मिला ऑफर – कुछ रिपोर्ट्स के अनुसार, रोनाल्डो को एक ब्राज़ीलियन क्लब से आकर्षक प्रस्ताव मिला है, जिसमें उन्हें आगामी फीफा क्लब वर्ल्ड कप में खेलने का मौका मिल सकता है। यह टूर्नामेंट 14 जून से 13 जुलाई तक अमेरिका में आयोजित होना है। ब्राज़ील की ओर से बोटाफोगो, फ्लूमिनेंस, फ्लैमेंगो और पामेइरस जैसे बड़े क्लब इसमें हिस्सा लेंगे।

क्या अब अगला कदम क्लब वर्ल्ड कप – अब देखना दिलचस्प होगा कि क्या रोनाल्डो क्लब वर्ल्ड कप में खेलने के लिए ब्राज़ील की ओर रुख करेंगे या फिर उनके करियर की कहानी में कोई और बड़ा मोड़ आने वाला है। फिलहाल उन्होंने संकेत दे दिया है – कहानी अभी जारी है।

ड्रीम यूटीटी जूनियर्स का पहला संस्करण 29 मई से अहमदाबाद में शुरू होगा

अहमदाबाद,27 मई (एजेंसियां) । देश की उभरती टेबल टेनिस प्रतिभाओं को मंच देने के उद्देश्य से ड्रीम यूटीटी जूनियर्स प्रतियोगिता का पहला संस्करण 29 मई से 8 जून तक अहमदाबाद स्थित ईका एरिना में आयोजित किया जाएगा। यह टूर्नामेंट अंडर-15 खिलाड़ियों के लिए एक ऐतिहासिक पहल मानी जा रही है, जिसे ड्रीम स्पोर्ट्स फाउंडेशन (ड्रीम खेल फाउंडेशन) और अल्टीमेट टेबल टेनिस के सहयोग से शुरू किया गया है। ड्रीम खेल फाउंडेशन इस प्रतियोगिता में युवा विकास साझेदार की भूमिका निभा रहा है।

देश के 16 सर्वश्रेष्ठ अंडर-15 खिलाड़ी होंगे मुकाबले में

इस प्रतियोगिता में देश के 16 सर्वश्रेष्ठ युवा खिलाड़ी (8 लड़के और 8 लड़कियां) हिस्सा ले रहे हैं, जिनका चयन मार्च में समाप्त हुई ड्रीम स्पोर्ट्स चैंपियनशिप टेबल टेनिस 2025 के प्रदर्शन के आधार पर किया गया है। इस प्रतियोगिता में चंडीगढ़ के साहिल रावत और मुंबई की दिव्यांशी भौमिक ने विजेता बनकर सबका ध्यान खींचा था।

8 टीमों में बांटे गए खिलाड़ी

इन 16 खिलाड़ियों को अल्टीमेट टेबल टेनिस लीग की आठ टीमों में शामिल किया गया है:

अहमदाबाद एसजी पाइपर्स: अभिक कश्यप, मौबोनी चटर्जी

स्टेनलीज चेन्नई लॉयंस: सिद्धांत धारीवाल, दिव्यांशी भौमिक

दबंग दिल्ली टी.टी.सी.: आकाश रजवेलु, धानी जैन

देम्पो गोवा चैलेंजर्स: साहिल रावत, आर्या रेडकर

जयपुर पैट्रियट्स: त्रिशाल सुरापुरेड्डी, श्रेया धर

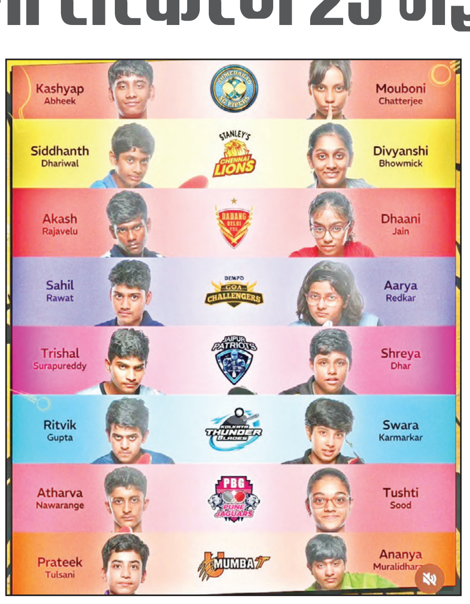

कोलकाता थंडरब्लेड्स: ऋत्विक गुप्ता, स्वरा कर्मकार

पीबीजी पुणे जैगुआर्स: अथर्व नवरंगे, तुष्टि सूद

यू मुंबा टीटी: प्रतीक तुलसानी, अनन्या मुरलीधर

लीग प्रारूप में खेला जाएगा टूर्नामेंट, फाइनल 8 जून को

यह 11 दिनों तक चलने वाला टूर्नामेंट लीग प्रारूप में खेला जाएगा, जिसमें प्रारंभिक चरण में कुल 20 मुकाबले होंगे। इसके बाद सेमीफाइनल 7 जून को और फाइनल मुकाबला 8 जून को होगा। प्रत्येक दिन सुबह 9:00 बजे से मुकाबले शुरू होंगे और सभी मैचों का सीधा प्रसारण फैनकोड डिजिटल मंच पर किया जाएगा।

पहले दिन के मुकाबले (29 मई) – स्टेनलीज चेन्नई लॉयंस बनाम कोलकाता थंडरब्लेड्स – सुबह 9:00 बजे

यू मुंबा टीटी बनाम दबंग दिल्ली टी.टी.सी. – सुबह 10:00 बजे

अहमदाबाद एसजी पाइपर्स बनाम देम्पो गोवा चैलेंजर्स – सुबह 11:00 बजे

जमीनी स्तर से अंतरराष्ट्रीय मंच तक ले जाएगी यह पहल

इस प्रतियोगिता का उद्देश्य जमीनी स्तर और पेशेवर टेबल टेनिस के बीच की दूरी को पाटना है। इससे इन युवा खिलाड़ियों को उच्च स्तर का अनुभव मिलेगा, जिससे वे भविष्य में अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए तैयार हो सकें। ड्रीम खेल फाउंडेशन और अल्टीमेट टेबल टेनिस की यह साझेदारी भारतीय टेबल टेनिस को मजबूती देने में सहायक सिद्ध होगी। इनका लक्ष्य है कि 2030 युवा ओलंपिक और 2036 ग्रीष्मकालीन ओलंपिक में भारत को पदक दिलाने वाले खिलाड़ी इसी प्रणाली से निकलें।

एलआईसी ने नेस्ले इंडिया में बढ़ाई अपनी हिस्सेदारी

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)।

भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने घोषणा की कि उसने नेस्ले इंडिया में अपनी हिस्सेदारी बढ़ा दी है। एलआईसी के पास अब कंपनी की 5 फीसदी से ज़्यादा हिस्सेदारी है, जिसके बाद निवेशकों को नेस्ले इंडिया के शेयर खरीदने में ज़्यादा दिलचस्पी दिखाई।

शेयर मार्केट रेग्यूलेटर सेबी को सौंपी गई रिपोर्ट में एलआईसी ने कहा कि उसने 23 मई 2025 को नेस्ले इंडिया के 1,49,000 और शेयर सीधे शेयर बाजार से खरीदे हैं। इस खरीद के साथ एलआईसी के पास अब नेस्ले इंडिया के कुल 4,82,24,710 शेयर हैं। यानी कि एलआईसी के पास अब कंपनी का 5.001 फीसदी हिस्सा है, जो 5 फीसदी के निशान से थोड़ा ज़्यादा है, एक महत्वपूर्ण स्तर जिसे पार करने पर कंपनियों को रिपोर्ट करना ज़रूरी होता है। नए शेयर खरीदने से पहले एलआईसी के पास पहले से ही नेस्ले इंडिया के 4,80,75,710 शेयर थे, जो कंपनी का 4.986 फीसदी था। अब ये अतिरिक्त शेयर खरीदने के बाद एलआईसी का स्वामित्व 5 फीसदी से थोड़ा ऊपर चला गया।

जियो ब्लैकरॉक एसेट मैनेजमेंट को म्यूचुअल फंड कारोबार के लिए सेबी की मंजूरी

नई दिल्ली। जियो ब्लैकरॉक एसेट मैनेजमेंट को भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) से भारत में अपने म्यूचुअल फंड कारोबार के लिए निवेश प्रबंधक के रूप में परिचालन शुरू करने के लिए विनियामक मंजूरी मिल गई है। इस मंजूरी के साथ ही अब कंपनी जल्द ही भारतीय म्यूचुअल फंड बाजार में कदम रख देगी। कंपनी ने मंगलवार को जारी बयान में बताया कि जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड (जेएफएसएल) और ब्लैकरॉक की संयुक्त उद्यम जियो ब्लैकरॉक एसेट मैनेजमेंट को म्यूचुअल फंड कारोबार के लिए सेबी की मंजूरी मिल गई है। ये जियो ब्लैकरॉक एसेट मैनेजमेंट, जियो फाइनेंस सर्विसेज लिमिटेड और ब्लैकरॉक कंपनी का 50-50 का सयुंक्त उद्यम है। जियो फाइनेंशियल सर्विसेस लिमिटेड की गैर-कार्यकारी निदेशक ईशा अंबानी ने जारी बयान में कहा कि ब्लैकरॉक के पास वैश्विक निवेश विशेषज्ञता है, तो जियो के पास डिजिटल-फर्स्ट इनोवेशन, ब्लैकरॉक के साथ हमारी यह साझेदारी एक सशक्त साझेदारी है।

न्यूज ब्रीफ

सेबी ने एमसीएक्स पर लगाया 25 लाख का जुर्माना

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने सॉफ्टवेयर सेवाओं के लिए भुगतान के संबंध में अपर्याप्त खुलासे के लिए मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया (एमसीएक्स) पर 25 लाख रुपये का जुर्माना लगाया। सेबी ने अपने आदेश में कहा कि जुर्माना राशि 45 दिन के भीतर जमा कर दी जानी चाहिए। यह मामला ट्रेडिंग सॉफ्टवेयर अनुबंध के लिए 63 मून्स टेक्नोलॉजीज को किए गए भुगतान के संबंध में खुलासा चूक से संबंधित है। एमसीएक्स ने 2003 में 63 मून्स टेक्नोलॉजीज के साथ एक ट्रेडिंग सॉफ्टवेयर अनुबंध किया था। उस समय 63 मून्स के ही पास एमसीएक्स का पूर्ण स्वामित्व था। वर्ष 2020 में एमसीएक्स ने एक नए ट्रेडिंग मंच पर जाने का फैसला किया और इसका अनुबंध टीसीएस को दिया था। हालांकि, समय पर यह मंच नहीं शुरू हो पाने से एमसीएक्स ने 63 मून्स के साथ ही अधिक लागत पर सेवाओं का विस्तार करने का फैसला किया। हालांकि, उसने किए जा रहे उच्च भुगतानों का खुलासा नहीं किया।

टाटा मोटर्स का घरेलू ईवी बाजार में हिस्सेदारी बढ़ाने का लक्ष्य

मुंबई। टाटा मोटर्स ने घरेलू इलेक्ट्रिक पैसेंजर व्हीकल मार्केट में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया है। कंपनी के अधिकारी ने बताया कि टाटा मोटर्स अपनी आगामी हैरियर.ईवी और सिएरा.ईवी के साथ 20 लाख रुपये से ऊपर के बाजार में उतरने की योजना बना रही है। कंपनी का लक्ष्य है लॉन्ग टर्म में बाजार में 50 फीसदी से अधिक हिस्सेदारी हासिल करना। हालांकि, इस क्षेत्र में मार्केट से मिल रही तगड़ी कंपटीशन के चलते टाटा मोटर्स को चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। अधिकारी ने दावा किया कि कंपनी अपने बेड़े में ईवी स्वामित्व की कुल लागत को सीएनजी वाहन के समान स्तर पर लाने के लिए काम कर रही है ताकि वॉल्यूम हासिल किया जा सके। इस नजरिये से देखा जाए तो, टाटा मोटर्स की इलेक्ट्रिक व्हीकल मार्केट में प्रवेश के प्रयासों का सफलतापूर्ण होना संभव है, लेकिन उन्हें चुनौतियों का सामना करते हुए चुस्त रहने की आवश्यकता है।

राकेश गंगवाल ने इंडिगो में 5.7 प्रतिशत हिस्सेदारी बेची

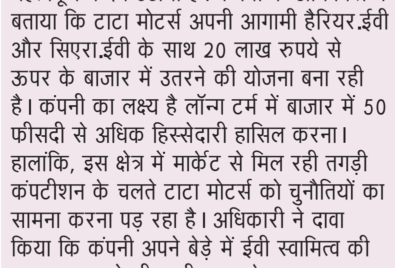

नई दिल्ली। भारतीय विमानन उद्योग के अंदर एक बड़ी परिवर्तनकारी घटना हुई है, जहां इंडिगो में 5.7 प्रतिशत हिस्सेदारी को बेच दिया गया है। इस लेनदेन में विमानन कंपनी इंडिगो के प्रवर्तक राकेश गंगवाल और उनके पारिवारिक ट्रस्ट ने यह कदम उठाया है। सूत्रों के मुताबिक इस ब्लॉक डील के माध्यम से क़रीब 11,385 करोड़ रुपये का सौदा हुआ है। इस कदम के साथ गंगवाल परिवार के अलावा चिन्करपू फैमिली ट्रस्ट भी इंडिगो में अपनी हिस्सेदारी बेचने में शामिल हो गये हैं। यह सौदा निवेश बैंकिंग कंपनियों गोल्डमैन सैक्स, मॉर्गन स्टेनली, और जेपी मॉर्गन द्वारा नियोजित किया गया है। राकेश गंगवाल और उनके परिवार के पास पहले से ही इंडिगो में 13.5 प्रतिशत हिस्सेदारी थी, जिसे अब इस लेनदेन के जरिए बेच दिया गया है। इस लेनदेन के बाद गवाल अब केवल 5.24 प्रतिशत हिस्सेदारी रखते हैं। ब्लॉक डील के माध्यम से क़रीब 11,385 करोड़ का सौदा हुआ शेयर बिक्री गंगवाल द्वारा फरवरी 2022 में सह-संस्थापक राहुल भाटिया के साथ कथित कामकाज के मुद्दों पर हुए विवाद के बाद अपनी शेयरधारिता को कम करने के निर्णय का हिस्सा है। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक गंगवाल और उनकी पत्नी शोभा गंगवाल फरवरी 2022 से इंडिगो में अपने शेयर बेच रहे हैं। राकेश और शोभा ने सितंबर 2022 में 2.74 प्रतिशत हिस्सेदारी 2,005 करोड़ रुपये में बेची।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

तीसरी...

हमारा देश महान संस्कृति परंपरा को लेकर चला है। वसुधैव कुटुंबकम हमारा संस्कार है। हमारी रग-रग में है। हमारा चरित्र है। हमने इसे जिया है। वे भी सुख-चैन से जीएं और हमें भी जीने दें। हजारों वर्षों से यही हमारा चिंतन रहा है। हम निष्ठा भाव के साथ कोटि-कोटि भारतीयों के कल्याण के लिए काम कर रहे हैं। इसके बावजूद जब बार-बार हमारे सामर्थ्य को ललकार जाए तो यह देश वीरों की भी भूमि है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मैं नई पीढ़ी को बताना चाहता हूं कि कैसे हमारे देश को बर्बाद कर दिया गया। अगर आप 1960 की सिंधु जल संधि का अध्ययन करेंगे, तो आपको झटका लगेगा। यह तय हुआ था कि जम्मू-कश्मीर की नदियों पर बने बांधों की सफाई नहीं की जाएगी। गाद निकालने का काम नहीं किया जाएगा। गंदगी साफ करने के लिए नीचे के गेट बंद रहेंगे। 60 साल तक ये गेट कभी नहीं खोले गए। जिन जलाशयों को 100 प्रतिशत क्षमता तक भरना था, वे अब केवल 2 प्रतिशत या 3 प्रतिशत तक ही सीमित रह गए हैं। अभी, मैंने कुछ नहीं किया है और लोग वहां (पाकिस्तान) पसीना बहा रहे हैं। हमने बांधों की सफाई के लिए छोटे-छोटे गेट खोले हैं और वहां पहले से ही बाढ़ आ गई है।

देश के लिए...

(रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ क्रोनोलॉजी एंड हिस्ट्री) के निदेशक के रूप में कार्यरत हैं। उनके पास चिकित्सा, पुरातत्व, पुरालेखशास्त्र और इतिहास में योग्यताएं हैं।

उपराष्ट्रपति ने कहा, डॉ. राजा एक बहुआयामी विद्वान हैं, जिनकी विशेषज्ञता नेत्र रोग, पुरातत्व, और इतिहास में है। उन्होंने प्राचीन भारतीय खगोलशास्त्र और ऐतिहासिक कालक्रम पर कई किताबें लिखी हैं। यह पुरस्कार उनके भारतीय इतिहास और संस्कृति के क्षेत्र में अमूल्य योगदान को दर्शाता है। यह पुरस्कार उनके भारतीय इतिहास और संस्कृति में योगदान के लिए है। राज्यसभा की तरफ से 2009 में स्थापित इस चेयर का उद्देश्य संसदीय लोकतंत्र पर शोध को बढ़ावा देना है।

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा, मैं आज विशेष रूप से उनका स्वागत करता हूं, जिनकी उपस्थिति मैंने आग्रहपूर्वक चाही थी और वे हैं डॉ. एमएल राजा। यह चेयर भारत माता के एक महान सपूत, पहले उपराष्ट्रपति जो बाद में राष्ट्रपति बने. डॉ. एस. राधाकृष्णन की स्मृति में स्थापित की गई थी। उन्होंने कहा कि वे एक दार्शनिक, शिक्षक तथा अकादमिक प्रतिबद्धता के प्रतीक थे। यह चेयर 2009 में पहली बार शुरू की गई थी। तकनीकी रूप से, डॉ. एमएल राजा इसके तीसरे प्राप्तकर्ता हैं, लेकिन वास्तविक रूप से दूसरे, यह चेयर मेरे कार्यकाल के दौरान सक्रिय हुई। जब जम्मू-कश्मीर राज्य के प्रख्यात पत्रकार जवाहर कौल को यह सम्मान प्राप्त हुआ और अब तमिलनाडु से डॉ. एमएल राजा को यह सम्मान मिला है।

उपराष्ट्रपति ने कहा, 1962 में 5 सितंबर को शिक्षक दिवस घोषित किया गया, जो डॉ. एस राधाकृष्णन का जन्मदिन है। इससे यह स्पष्ट होता है कि आप किसी भी पद पर हों राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, दार्शनिक या लेखक लेकिन समाज में मान्यता शिक्षक के रूप में ही मिलती है। इसे सदैव याद रखें। जैसे माता-पिता का सम्मान करते हैं, वैसे ही अपने शिक्षकों का भी करें। उपराष्ट्रपति ने कहा कि डॉ. एमएल राजा एक बहुआयामी विशेषज्ञ हैं। नेत्र रोग विशेषज्ञ, अभिलेखविद, पुरातत्ववेत्ता और इतिहासकार हैं। वे वर्तमान में एवीएनएएसएच (राष्ट्रीय कलाओं एवं वैज्ञानिक धरोहर पर केंद्रित अकादमी) तथा आरआईसीएच (कालक्रम और इतिहास पर शोध संस्थान) के निदेशक हैं। चिकित्सा (एमबीबीस, डीओ), पुरातत्व और अभिलेख विद्या (डीआईएई), तथा इतिहास (एमए) में योग्यता रखते हैं। उन्होंने प्राचीन भारतीय खगोलशास्त्र से लेकर ऐतिहासिक कालक्रम तक पर 13 पुस्तकें प्रकाशित की हैं, जिनमें आर्यभट्ट की तिथि: एक विश्लेषणात्मक अध्ययन और महाभारत युद्ध की तिथि का खगोलशास्त्रीय प्रमाण जैसी प्रमुख कृतियां शामिल हैं। डॉ. राजा को तमिलनाडु के राज्यपाल की तरफ से तमिल साहित्यिक कार्यों और कंब रामायणम् पर शोध के लिए हाल ही में सम्मानित किया गया है। वे एआईसीटीई के भारतीय ज्ञान प्रणाली प्रभाग के साथ संरक्षक और विशेषज्ञ मूल्यांकन के रूप में सक्रिय रहे हैं। उनका वर्तमान शोध भारतीय इतिहास की सटीक कालक्रम निर्धारण पर केंद्रित है, जिसमें आदि शंकराचार्य, चंद्रगुप्त मौर्य जैसी ऐतिहासिक विभूतियों की तिथि-निर्धारण और खगोलीय ग्रंथों का विश्लेषण शामिल है। वे तमिल, संस्कृत, तेलुगु और अंग्रेजी भाषाओं में पारंगत हैं, जिससे वे विविध ऐतिहासिक स्रोतों का समग्र अध्ययन कर पाते हैं।

सैन्य समन्वय...

यहीं से ऑपरेशन सिंदूर की पूरी योजना बनाई गई और उस पर निगरानी रखी गई। इस किताब से सेना ने साफ कर दिया है कि यह ऑपरेशन पूरी तरह से सबकी जानकारी और तालमेल के साथ किया गया था, और तीनों सेनाओं के बड़े अधिकारी हर पल की खबर रख रहे थे।

भारतीय सेना ने हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर नाम से एक बेहद गोपनीय और सफल सैन्य कार्रवाई को अंजाम दिया, जिसमें पाकिस्तान समर्थित 9 प्रमुख आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया। इस ऑपरेशन में 100 से ज़्यादा आतंकवादी मारे गए, जो भारत की आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति का स्पष्ट प्रमाण है। जारी की गई तस्वीरों में, भारतीय सशस्त्र बलों के शीर्ष अधिकारी, जिनमें थलसेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी भी शामिल हैं, ऑपरेशन रूम से इस हमले की सीधी निगरानी करते हुए दिख रहे हैं। एक तस्वीर जो रात 1:05 बजे की है, वह ऑपरेशन सिंदूर के शुरू होने के समय को दर्शाती है। इन तस्वीरों में जनरल द्विवेदी और अन्य वरिष्ठ अधिकारी ड्रोन फुटेज और सैटेलाइट तस्वीरों के लाइव प्रसारण को बेहद बारीकी से देखते हुए नजर आ रहे हैं।

यह ऑपरेशन भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमानों, ड्रोन और नौसेना के उपकरणों के सटीक समन्वय का नतीजा था। हमले में कथित तौर पर स्कैल्प क्रूज मिसाइल, लेजर-गाइडेड बम और सशस्त्र यूएवी (अनमैन्ड एरियल व्हीकल्स) का इस्तेमाल किया गया। यह दिखाता है कि भारतीय सशस्त्र बल न केवल एकजुट हैं, बल्कि उनके पास अत्याधुनिक तकनीक भी मौजूद है, जिससे वे दुश्मन को उसके ही गढ़ में घुसकर मार गिराने में सक्षम हैं।

पहलगाम हमले की तस्वीरें और उसके बाद सरकार ने कितनी तेजी से कदम उठाए और क्या-क्या तैयारियां कीं। ऑपरेशन सिंदूर में जिन आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया, उनकी पूरी जानकारी। भारत की इस कार्रवाई को दुनिया भर से कितना समर्थन मिला। मीडिया ने इस बारे में क्या खबरें दीं और पाकिस्तान के गिराए गए ड्रोन का मलबा। यह बुकलेट यह भी बताती है कि भारत ने अब सीमा पार से होने वाले आतंकवाद से निपटने के लिए एक नया और पक्का तरीका अपना लिया है। कुल मिलाकर, ऑपरेशन सिंदूर की यह किताब दिखाती है कि भारतीय सेना ने अपनी रणनीति बदल ली है, तीनों सेनाएं बहुत अच्छे तालमेल से काम कर रही हैं।

नाबालिग वोट...

बलात्कार की घटनाओं से चिंतित देश बलात्कार की घटनाओं से भर जाएगा और तब सुप्रीम कोर्ट तालियां बजाएगा।

सुप्रीम कोर्ट को लगता है कि उसने केंद्र सरकार को एक अहम सलाह दी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि किशोरों के बीच सहमति से बनने वाले प्रेम-संबंधों को अपराध की श्रेणी से बाहर करने और देश में यौन और प्रजनन स्वास्थ्य शिक्षा (सेक्स एजुकेशन) की नीति बनाने पर विचार करना चाहिए। ऐसा इसलिए ताकि किशोरों को प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफेंसेज (पोक्सो) एक्ट के तहत जेल न जाना पड़े। यह सलाह एक मामले की सुनवाई के दौरान आई, जब सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को इस मुद्दे पर एक विशेषज्ञ समिति बनाने और 25 जुलाई 2025 तक रिपोर्ट देने को कहा। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि वह इस रिपोर्ट के आधार पर आगे के निर्देश देगा।

यह मामला पश्चिम बंगाल की एक महिला की कानूनी लड़ाई से शुरू हुआ। इस महिला के पति को पोक्सो एक्ट के तहत 20 साल की जेल हुई थी, क्योंकि जब वह 14 साल की थी, तब उनके बीच सहमति से रिश्ता था। महिला अपने पति को बचाने के लिए सुप्रीम कोर्ट पहुंची। इस मामले को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने दो वरिष्ठ महिला वकीलों, माधवी दीवान और लिज मैथ्यू को इस संवेदनशील मुद्दे पर सलाह देने के लिए नियुक्त किया। इन वकीलों ने कहा कि पोक्सो एक्ट का मकसद बच्चों को यौन शोषण से बचाना है, लेकिन किशोरों के बीच सहमति वाले रिश्तों में इसका सख्ती से लागू करना कई बार गलत नतीजे देता है। इससे न सिर्फ किशोरों को, बल्कि उनके परिवारों को भी नुकसान होता है।

सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में पहले तो पति की सजा बरकरार रखी थी, लेकिन सजा के अमल पर रोक लगाकर एक कमेटी का गठन कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट की न्यायमित्र कमेटी ने कुछ महत्वपूर्ण तथ्य सामने रखे, जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने महिला के पति की सजा खत्म कर दी। इस फैसले के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने बेहद लचीला रुख अपनाया। सुप्रीम कोर्ट ने महिला के संघर्षों, उसके भविष्य, दोनों के बच्चे और उनके साथ रहने को भी अपने फैसले में शामिल किया। इस मामले के बाद ही सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से इस अहम मुद्दे पर सोच विचार करने के लिए कहा।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से दो बड़े कदम उठाने को कहा है। इसमें शामिल है, किशोरों के सहमति वाले रिश्तों को अपराध की श्रेणी से बाहर करना। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पोक्सो एक्ट के तहत 18 साल से कम उम्र के किशोरों के बीच सहमति से बने रिश्तों को अपराध न माना जाए। सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से कहा कि वह इस मुद्दे की जांच के लिए एक विशेषज्ञ समिति बनाए। इस समिति में महिला और बाल विकास मंत्रालय के सचिव, वरिष्ठ सरकारी अधिकारी और कुछ विशेषज्ञ शामिल हों। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि समिति में टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज की डॉ. पेखम बसु, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट जयिता साहा और दक्षिण 24 परगना के जिला सामाजिक कल्याण अधिकारी संजीव रक्षित को स्थायी सदस्य के तौर पर शामिल किया जाए। समिति को इस मुद्दे पर विचार करके 25 जुलाई 2025 तक अपनी रिपोर्ट देनी होगी।

सुप्रीम कोर्ट ने यूनेस्को की एक रिपोर्ट का हवाला दिया है, जिसमें कहा गया कि भारत में यौन शिक्षा सिर्फ सेकेंडरी स्कूलों में दी जाती है, और वह भी बहुत सीमित तरीके से। कोर्ट का कहना है कि अगर किशोरों को सही समय पर यौन और प्रजनन स्वास्थ्य की जानकारी दी जाए, तो वे अपने फैसलों के कानूनी और सामाजिक परिणामों को बेहतर समझ सकेंगे। कोर्ट ने सरकार से कहा कि वह इस दिशा में एक ठोस नीति बनाए। सुप्रीम कोर्ट ने कई हाईकोर्ट के फैसलों का जिक्र किया, जो इस मुद्दे पर पहले ही संवेदनशील रुख अपना चुके हैं। कोर्ट ने खास तौर पर दिल्ली, मद्रास और कलकत्ता हाईकोर्ट के फैसलों का उल्लेख किया है।

मद्रास हाईकोर्ट ने कई मामलों में कहा कि पोक्सो एक्ट का मकसद सहमति वाले रिश्तों को अपराध बनाना नहीं था। हाईकोर्ट ने यह भी माना कि सहमति वाले रिश्तों में पेनेट्रेटिव सेक्सुअल असाल्ट की परिभाषा लागू नहीं होनी चाहिए, क्योंकि इसमें हमला जैसी कोई बात नहीं होती। 2001 में भी मद्रास हाईकोर्ट ने सुझाव दिया था कि ऐसे रिश्तों को सजा से बचाने के लिए कानून में बदलाव करना चाहिए। कलकत्ता हाईकोर्ट ने कहा है कि पोक्सो एक्ट में पेनेट्रेशन को एकतरफा हरकत माना गया है, यानी इसे सिर्फ आरोपी की हरकत माना जाता है। लेकिन सहमति वाले रिश्तों में यह जिम्मेदारी सिर्फ एक पक्ष पर नहीं डाली जा सकती। फरवरी 2024 में दिल्ली हाईकोर्ट ने एक लड़के को राहत देते हुए उसके खिलाफ पोक्सो का मामला रद्द कर दिया। हाईकोर्ट ने कहा कि कानून का मकसद शोषण और दुरुपयोग को रोकना है, न कि प्रेम को सजा देना। हाईकोर्ट ने यह भी कहा कि प्रेम एक बुनियादी मानवीय अनुभव है और किशोरों को भी सहमति से भावनात्मक रिश्ते बनाने का हक है, बशर्ते उसमें कोई दबाव या शोषण न हो।

उच्च न्यायालयों ने यह भी माना कि अगर ऐसे मामलों में कानूनी कार्रवाई की जाए, तो इससे पीड़ित (लड़की) और उसके परिवार को भी नुकसान हो सकता है। कई बार हाईकोर्ट ने ऐसे मामलों को रद्द किया, जहां आगे कार्रवाई करना पीड़ित के लिए ही हानिकारक था। सुप्रीम कोर्ट ने बीते साल एक मामले की सुनवाई करते हुए कहा था कि ज्यादातर लोग इस बात से अनजान हैं कि सहमति की उम्र (एज ऑफ कंसेंट) को 2012 में 16 साल से बढ़ाकर 18 साल कर दिया गया है। इस अनभिज्ञता की वजह से कई किशोर अनजाने में कानून तोड़ रहे हैं। पोक्सो एक्ट के तहत अगर कोई 18 साल से कम उम्र का व्यक्ति यौन संबंध बनाता है, तो उसे अपराध माना जाता है, भले ही वह सहमति से हो। इसके अलावा कोर्ट ने माना कि किशोरावस्था में हार्मोनल और जैविक बदलावों की वजह से लड़के-लड़कियां रिश्तों की ओर आकर्षित होते हैं। ऐसे में उन्हें सजा देने के बजाय, उनके माता-पिता और समाज को उनका समर्थन और मार्गदर्शन करना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि किशोरों के फैसलों को बड़ों के नजरिए से नहीं देखा जाना चाहिए, क्योंकि इससे उनके प्रति सहानुभूति की कमी हो सकती है।

सुप्रीम कोर्ट की सलाह पश्चिमी देशों की व्यवस्था, वहां की सामाजिक स्वच्छंदता और वहां के आपराधिक माइंडसेट से प्रभावित है। जबकि सुप्रीम कोर्ट को इन मुद्दों पर भारत की सामाजिक स्थिति और उस पर पड़ने वाले असर के नजरिए से देखना होगा। पश्चिमी समाजों में जो नियम चल सकते हैं, वे भारत में भारी नुकसान पहुंचा सकते हैं। भारत में पहले से ही जबरन बाल विवाह, नाबालिग लड़कियों की निकाह, शादी के नाम पर मानव तस्करी और धर्म परिवर्तन के लिए ग्रूमिंग जैसी गंभीर समस्याएं हैं। अगर किशोरों के बीच सहमति वाले यौन संबंधों को अपराध की श्रेणी से बाहर कर दिया गया, तो ये एक कानूनी खामी बन सकती है, जिसका गलत लोग फायदा उठा सकते हैं।

पोक्सो एक्ट का मकसद प्रेम को रोकना नहीं है, लेकिन इसे इसलिए भी बनाया गया था ताकि बड़े लोग नाबालिग लड़कियों के साथ किशोर प्रेम के नाम पर शादी या रिश्ते बनाकर उनका शोषण न करें। कई बार निकाह का रास्ता अपना कर पोक्सो एक्ट से बचा जाता है। उदाहरण के लिए, जून 2022 में पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट ने शरिया का हवाला देकर कहा था कि 16 साल की मुस्लिम लड़की निकाह के लिए योग्य है। क्या ऐसी नरमी तस्करों और शोषण करने वालों को और हिम्मत नहीं देगी, जो पहले से ही सिस्टम का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं?राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के पूर्व चेयरमैन प्रियंक कानूनगो ने कहा, नाबालिग अपनी सरकार नहीं चुन सकते, उन्हें वोट देने का अधिकार भी नहीं है। क्या हम उनसे यह उम्मीद कर रहे हैं कि वे अपने यौन साथी को समझदारी से चुनें? सावधान रहें, इससे नाबालिग लड़कियों के साथ निकाह और बाल विवाह के अन्य रूपों को वैधता मिल सकती है। यह सिर्फ कानूनी भाषा का मामला नहीं है, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक जटिलताओं का भी सवाल है। अगर 14 या 15 साल की उम्र के बच्चों के बीच सहमति वाले रिश्तों को कानूनन मंजूरी दे दी गई, तो प्रेम और शोषण के बीच की रेखा और धुंधली हो जाएगी। सहमति की जांच कौन करेगा? गरीब और हाशिए पर रहने वाली लड़की, जो 14-15 साल की है, क्या वाकई में दबाव या लालच को प्रेम समझने की गलती से बच पाएगी? भारत में बाल विवाह अभी भी एक बड़ी समस्या है। हर साल हजारों, बल्कि लाखों बाल विवाह हो रहे हैं। अगर किशोरों के यौन संबंधों को कानूनन सामान्य कर दिया गया, तो धार्मिक संगठन, खाप पंचायतें और तस्करी करने वाले गिरोह कमजोर लड़कियों को शादी या शोषण की स्थिति में धकेल सकते हैं और वो भी कानूनी तौर पर सुरक्षित होकर। कुछ मामलों में पोक्सो एक्ट का गलत इस्तेमाल होता है लेकिन कानून में बदलाव बहुत सोच-समझकर करना होगा, न कि एकबारगी सब कुछ बदल देना चाहिए।

सांबा में पोस्ट...

बीएसएफ के सब-इंस्पेक्टर मोहम्मद इम्तियाज, कांस्टेबल दीपक कुमार और भारतीय सेना के नायक सुनील कुमार को खो दिया। हम अपनी दो पोस्ट का नाम अपने खोए हुए कर्मियों के नाम पर रखने का प्रस्ताव भेज रहे हैं और एक पोस्ट का नाम सिंदूर रखने का प्रस्ताव भेज रहे हैं। आईजी ने कहा कि आतंकियों को आगे करके पाकिस्तानी सेना घुसपैठ कराना चाहती थी। 40 से 50 आतंकी घुसपैठ की कोशिश में थे। उन्होंने बताया कि फॉरवर्ड पोस्ट को नुकसान पहुंचाने की साजिश थी। बीएसएफ की फॉरवर्ड पोस्ट पर फायरिंग का माकूल जवाब दिया गया। ऑपरेशन सिंदूर का प्रहार पाकिस्तान भूल नहीं पाएगा।

बीएसएफ के आईजी ने कहा कि आतंकियों के ठिकानों को तबाह किया गया। बीएसएफ ने ऑपरेशन सिंदूर की कार्रवाई का नया वीडियो जारी किया है। बीएसएफ आईजी ने कहा, हमें आतंकवादियों के अपने लॉन्च पैड्स और शिविरों में लौटने और एलओसी और आईबी पर संभावित घुसपैठ के बारे में कई इनपुट मिल रहे हैं। सुरक्षा बलों को सतर्क रहना होगा। सीमावर्ती गांवों में विश्वास बहाली के उपायों पर आईजी आनंद कहते हैं, हम सीमा पर लगातार निगरानी कर रहे हैं। हम सीमावर्ती गांवों में रहने वाले किसानों को अपनी फसल काटने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। हमारे किसान कड़ी सुरक्षा के बीच अपनी कृषि गतिविधि करते हैं। हम यह भी देख सकते हैं कि पाकिस्तानी किसान भी अब कृषि गतिविधि कर रहे हैं। हम देख रहे हैं कि सामान्य स्थिति वापस आ रही है। सीमा सुरक्षा बल के जवान सीमावर्ती गांवों का दौरा कर रहे हैं और बैठकें, चिकित्सा शिविर और नागरिक कार्रवाई कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं।

ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के आतंकी लॉन्च पैड पर बीएसएफ की कार्रवाई पर आरएस पुरा सेक्टर के बीएसएफ डीआईजी चित्तर पाल ने बताया कि 9 मई को पाकिस्तान ने हमारी कई चौकियों को निशाना बनाया था। सबसे पहले उन्होंने फ्लैट ट्रैजेक्टरी हथियार और मोर्टार से हमारी चौकियों को निशाना बनाना शुरू किया। उन्होंने हमारे एक गांव अब्दुलियान को भी निशाना बनाया। हमारे बीएसएफ जवानों ने उन्हें मुंहतोड़ जवाब दिया। जब उन्होंने फायरिंग कम की तो उन्होंने ड्रोन गतिविधियां बढ़ा दीं। जवाब में बीएसएफ ने पाकिस्तानी आतंकी लॉन्च पैड मस्तपुर को निशाना बनाकर नष्ट कर दिया।

बीएसएफ के डीआईजी एसएस मंड ने बताया कि 8 मई 2025 को निगरानी के दौरान सीमा की ओर आ रहे 40-50 लोगों की हरकतों का पता चला। हमने एहतियातन हमला किया। इसके तुरंत बाद, पाकिस्तान ने इक्रू की सीमा चौकियों पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिसका हमने भी मुंहतोड़ जवाब दिया। इनपुट्स से पता चलता है कि हमारे हमले में कई आतंकवादी, उनके समर्थक, रेंजर्स और अधिकारी घायल हुए हैं। 9 मई को अखनूर के पास के इलाकों में पाकिस्तान ने बिना उकसावे के गोलीबारी की। 9-10 मई को पाकिस्तान ने अखनूर की सीमा पर भारी गोलीबारी की। बीएसएफ ने योजनाबद्ध तरीके से पाकिस्तान के लूनी आतंकी लॉन्च पैड को निशाना बनाया।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, बुधवार, 28 मई, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

अग्रवाल समाज घांसी बाजार झूला के अध्यक्ष बने अनिल धर्सुवाला

हैदराबाद, 27 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
अग्रवाल समाज घांसी बाजार झूला शाखा की वार्षिक साधारण सभा एवं चुनाव दिया सुस्वागत बैंक्वेट गोल्ड हॉल काचीगुड़ा में शाखाध्यक्ष गोविन्द राम पचेरिया की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।

सर्वप्रथम भगवान श्री अग्रसेनजी की पुजा अर्चना की गई। तत्पश्चात शाखा द्वारा हैदराबाद के गुलजार हौज के निकट मोदी परिवार की अग्नि दुर्घटना में 17 सदस्यों की हृदयविदारक मौत पर दो मीनट का मौन रख कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। शाखाध्यक्ष गोविन्द राम पचेरिया ने आगंतुक सदस्यों का अभिवादन कर स्वागत किया गया। तत्पश्चात शाखा के मानद मंत्री द्वारा शाखा की गतिविधियों पर प्रकाश डाला गया। कौषाध्यक्ष दिनेश सर्राफ द्वारा आय व्यय का लेखा जोखा प्रस्तुत किया गया तथा ध्वनिमत से पारित किया गया। तदुपरांत चुनाव अधिकारी अशोक अग्रवाल सौलानावाला एवं नारायण दास बलौदा वाला द्वारा वर्ष 2025- 27 के लिए निर्विरोध निर्वाचित पदाधिकारियों एवं केंद्रीय समिति सदस्यों के नामों की घोषणा की गई ।अनिल धरसूवाला को अध्यक्ष पद शिव भगवान अग्रवाल को उपाध्यक्ष, हरिनारायण अग्रवाल को मानद मंत्री, बबीता मीत्तल को सहमंत्री, दिनेश अग्रवाल को कौषाध्यक्ष पद के अलावा राकेश पचेरिया व सज्जन अग्रवाल बॉयवाला को केन्द्रीय समिति सदस्य के लिए निर्विरोध निर्वाचित किए जाने की घोषणा की। सभा को शशि कांत अग्रवाल, परामर्शदाता ने बताया कि तेलंगाना सरकार द्वारा वशिष्ठ नागरिकों को पहचान पत्र निःशुल्क दिया जा रहा है जिसे हमारे समाज के सभी वरिष्ठ सदस्यों को बनवाना चाहिए जिस से सरकार द्वारा कई योजनाओं का लाभ मिलेगा। जो कोई भी सदस्य पहचान पत्र बनवाना चाहते है वे आशीष अग्रवाल समाज सेवी से सहयोग ले सकते है। अवसर पर आशीष अग्रवाल ने वरिष्ठ नागरिक योजना की जानकारी दी और आ-वेदन फॉर्म वितरित किए। तत्पश्चात कार्यकारिणी का भी गठन किया गया जिसमें अशोक सौलानावाला, पवन अग्रवाल सौलानावाला, मनोज गौशाला वाला, मनोज मीत्तल, दीपक पचेरिया, शिव कुमार जाख-णीवाला, मनोज पचेरिया कमल किशोर अग्रवाल, शर्मिला अग्रवाल दीपा अग्रवाल को बनाया गया। शाखा में परामर्शदाता के रूप में शशीकांत अग्रवाल, योगेन्द्र कटारुका को बनाया गया है। अवसर पर शाखा के मोती लाल सलामपुरवाले, प्रकाश नारनौली महेंद्र अग्रवाल, महेश कुमार कानोड़िया भजन लाल पचेरिया, व अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे। सभा का समापन पर योगेन्द्र कटारुका ने सभी आगंतुको को धन्यवाद दिया।

सनतनगर में रानी साती का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर उप-स्थित भाजपा नेता सपना गुप्ता, वीना, रेनू, उमा, अंजू, रेखा, सुनीता, अनीता, अल्का,पूष्पा,वीना जलान अन्य। भाजपा नेता सपना ने अल्का जिनेनी का सम्मान किया।

राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के अंतर्गत मंगलवार को स्व. श्री दिनेशकुमार केडिया की पुण्यतिथि पर केडिया सिल्क मिल्स प्रा.लि. द्वारा नामपल्ली स्थित पाब्लिक गार्डन, पिलर नं. ए1265 के समीप जरूरतमंद लोगों में अल्पाहार सेवा की गई। इस अवसर पर वी.एल केडिया, सवित्री बाई केडिया, शोभा केडिया, वेदांत केडिया, दिशा गुप्ता, दिशिता केडिया, राजेश नैथानी, अनिता नाथनी, मधु अग्रवाल, तृष्ति अग्रवाल, रुचि अग्रवाल, सुचि गुप्ता एवं राधे राधे ग्रुप के सदस्य एवं अन्य उपस्थित थे।

मारवाड़ी युवा मंच पर्ल महिला शाखा सिकंदराबाद की अध्यक्ष शीतल जैन की अध्यक्षता में लोअर टैंकबंड स्थित गौशाला में गायों को चारा खिलाकर गौ सेवा की गई।। इसके लाभार्थी शाखा की सदस्या ममता पीरगल रही है। कार्यक्रम में शाखा मंत्री सुमन घोड़ेला, मीना जैन, पूनम बोहरा, योगिता अलीजार, शिल्पा धोखा, बबीता शर्मा,रिद्धि बोहरा, संतोष देवी, हितेश शर्मा और डिशिता शर्मा उपस्थित रहे हैं। सहमंत्री सुनीता डूंगरवाल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

नरसिंग दास आत्माराम बड़ागाँव वाले परिवार द्वारा बाबा देवीदयाल चैरिटेबल ट्रस्ट के अंतर्गत पैतृक गाँव सोनासर, झुंझुनू (राजस्थान) में अमावस्या के अवसर पर गाँववासियों के लिए गर्मी में राहत के लिए शीतल मशीन स्थापित की गई। जिसका ग्रामवासी भरपूर लाभ प्राप्त कर रहे हैं। इस अवसर पर संस्थान के प्रधारी डॉ. सुरेश शर्मा ने भोजन वितरित किया।

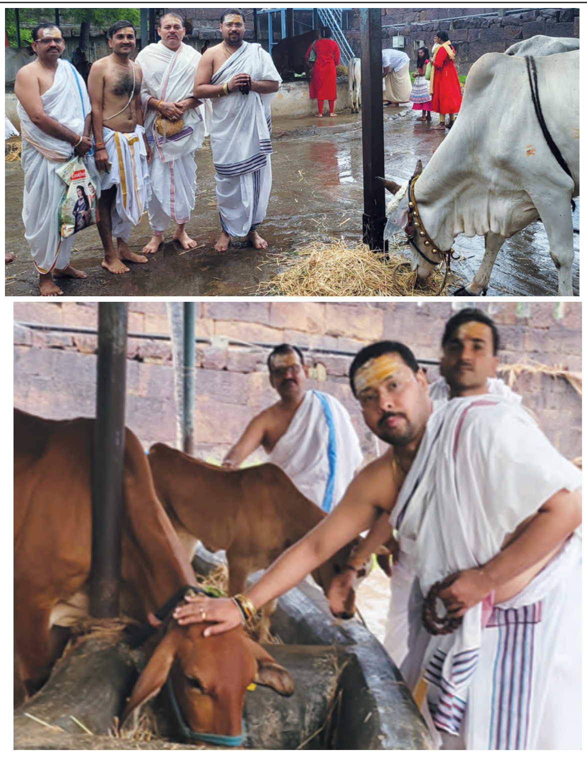

जेष्ठ अमावस्या पर श्रीशैलम स्थित गोकुलम को पूजा मंडप में समस्त गौवंश की आराधना और पूजन किया गया तथा संपूर्ण विश्व में वेदों का प्रचार प्रसार बड़े एवं वेद से विज्ञान तक की यात्रा पूर्ण हो सर्वे भवंतु सकिना का संकल्प लेकर विश्व कल्याण और हेतु द्वितीय ज्योतिर्लिंग ब्रह्मारंबा सहित मल्लिकार्जुन भगवान का विशेष अभिषेक पूजन किया गया। बरसाती अमावस्या, शनि जयंती एवं ज्येष्ठ मंगलवार और भगवान भोलेनाथ की विशेष अर्चना की गई। इस अवसर पर वेद मूर्ति पंडित विशेष शर्मा, विद्या चरण शुक्ला, अरुण द्विवेदी, धनंजय शर्मा, हिमांशु उपाध्याय उपस्थित थे।

मारवाड़ी युवा मंच सिकंदराबाद शाखा अध्यक्ष पंकज राठौर की अध्यक्षता में 300 राहगीरों को एकादशी पर ओल्ड बोइनपल्ली द रोड सिकंदराबाद में अल्पहार वितरित किया गया। शाखा द्वारा राष्ट्रीय प्रकल्प जनसेवा के तहत कार्यक्रम रखा गया। इस अवसर पर शाखा के पूर्व अध्यक्ष नवरंगलाल सैनी, वरिष्ठ नारायण चावडा, शाखा मंत्री पन्नालाल भाटी, प्रवीण लोढा, प्रेमाराम जाखड़,केलाश वैष्णव, मंगलाराम चोधरी आदि का सराहनीय योगदान रहा। कार्यक्रम में संयोजक हरीश माली ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

अमावस्या के अवसर पर, इमलीबुन गौशाला गौलीगुडा में गौ सेवा करते हुए जामबाग डिविजन के पार्षद राकेश जयसवाल। साथ में हैं गौतम जैन, राजेंधर यादव, गजानंद चौधरी, प्रमोद जैन, नरसिम्हा शर्मा, रघु, किशन शर्मा, सुर्री व अन्य।

अमावस्या पर भक्तों ने की गौ सेवा

हैदराबाद, 27 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
बालाजी नगर स्थित श्री आईजी गौशाला में अमावस्या पर भक्तों ने सपरिवार पधारकर गौ सेवा की। गौशाला में सुबह से ही भक्तों ने गायों को चारा, कुट्टी, घास, फल, गुड़, चना, सब्जियाँ आदि खिलाया। श्री आईजी गौशाला प्रांगण में राधा कृष्ण व माताजी मंदिर व गौशाला में बड़ी संख्या में गौ भक्तों ने सेवा प्रदान की।

इस अवसर पर भजन गायक अचलाराम हाम्बड़, मोहनलाल भायल, गीरधारीलाल प्रजापत, पिटुभाई, लक्ष्मण सुथार, रमेश सोनी, बबलू ने भक्ति गीत प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में गौशाला अध्यक्ष मंगलाराम पंवार, उपाध्यक्ष कालुराम काग, सह सचिव ढगलाराम सेपटा, कोषाध्यक्ष नारायणलाल परिहार, भगाराम मुलेवा, पारसमल शर्मा, मोतीलाल काग, सीरवी समाज पारसीगुट्टा अध्यक्ष मोहनलाल हाम्बड़, गोप-ाराम मुलेवा, अर्जुनलाल बर्फा, बाबूलाल मुलेवा ओमप्रकाश पंवार, पवन हाम्बड़, किशनलाल पंवार, चेनाराम परिहार, चन्द्र प्रकाश गेहलोत, कानाराम, तु-लसाराम सिन्दर्डा, नेमाराम हाम्बड़, बाबूलाल लचेटा, नारायणलाल आगलेचा ,भंवरलाल बर्फ़ा, मोतीलाल ,जगदीश सीरवी, कैलाश सानपुरा, महिला मंडल मैना पंवार, सुगणा हाम्बड़, मैना हाम्बड़, कुसुम हाम्बड़,सरस्वती शर्मा, मांगीबाई मुलेवा, तुलसी मुलेवा आदि ने भाग लिया। अनाराम बाफना जैन, अभय बाफना जैन, अभिषेक बाफना जैन, अमित बाफना जैन द्वारा महा प्रसादी का आयोजन किया गया। मारवाड़ी युवा मंच मेडचल द्वारा रक्तदान शिविर आयोजित किया गया।

मेडचल, सोमारम स्थित विश्व मंगल गौशाला में अमावस्या पर आसकरण महाराज ने भजनों की प्रस्तुति दी उनके साथ जयराम सिरवी एवं कैलाश भट्ट ने भी भजनों से गौभक्तों को आनंदित किया। गौशाला में हरी घास की व्यवस्था के लाभार्थी दुर्गाराम, भानाराम सिरवी, नारायण लाल अलवाल, विकास ग्लास हाउस, प्रकाश सिरवी, गुप्तदान कानजीगुड़ा एवं जगदीश चौधरी भैराराम रहे। कार्यक्रम में गौशाला के अध्यक्ष टीवी सुरेश, डूंगाराम, माजीसा ग्रुप, बगदाराम एवं अन्य गौ भक्त उपस्थित रहे।

मैढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार शिक्षा सहायता ट्रस्ट के ट्रस्टियों का भव्य अभिनन्दन सम्पन्न

हैदराबाद, 27 मई (एजेंसियां)। मैढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार समाज के जरुरतमंद विद्यार्थियों की सहायतार्थ बने मैढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार समाज, हैदराबाद सिकन्दराबाद की ईकाई मैढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार शिक्षा सहायता ट्रस्ट के ट्रस्टियों का भव्य अभिनन्दन रविवार दि. 25 मई को सायं 6 बजे से सिदिअम्बर बाजार स्थित होटल तारा इंटरनेशनल में आयोजित कार्यक्रम में किया गया । ट्रस्ट के महामन्त्री घनश्याम मायछ द्वारा जारी प्रेष विज्ञप्ति के अनुसार ट्रस्ट के अध्यक्ष महावीर प्रसाद जी कडेल की अध्यक्षता में सम्पन्न कार्यक्रम में श्रीमान नरेन्द्र जी अग्रोया मुख्य अतिथि, श्रीमान श्रीनिवास जी बुट्टण, श्रीमान शंकरलाल जी जवड़ा, श्रीमान बद्रीलाल जी तोषावड़ व श्रीमान अजीतकुमार जी कड़ेल इस अवसर पर विशेष के रूप में मंचासीन हुवे इनके साथ साथ मैढ़ समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष व ट्रस्ट के संस्थापक श्रीमान जगदीश प्रसाद जी मायछ, वयोवृद्ध समाज सेवी व मार्गदर्शक मंडल के सदस्य श्रीमान टीपूजी किकान मैढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार समाज, हैदराबाद सिकन्दराबाद के अध्यक्ष पवनकुमार जी मायछ, महामंत्री द्वारकाप्रसाद मायछ, कोषाध्यक्ष युगलकिशोर जी कडेल, ट्रस्ट के महामंत्री घनश्याम जी मायछ व कोषाध्यक्ष दामोदर जी ढल्ला मंचासीन हुए । समाज के अध्यक्ष पवनकुमार जी मायछ के स्वागत भाषण के पश्चात अतिथियों के करकमलों से महाराजा अजमीढ़जी एंव गणेश जी की पूजा व दीप प्रज्वलन किया गया तत्-पश्चात अतिथियों का स्वागत साल व मोमेंटो देकर किया गया । मुख्य अतिथि श्रीमान नरेन्द्र जी अग्रोया ने अपने वक्तव्य में समाज एंव ट्रस्ट के पदाधिकारियों के कार्यों की प्रशंसा की एंव स्वयं के भी ट्रस्ट के साथ जुड़ने की घोषणा के साथ आर्थिक सहयोग की घोषणा की, विशेष अतिथि श्रीमान श्रीनिवास जी बुट्टण ने ट्रस्ट को विस्तार देने की बात कही, श्रीमान शंकरलाल जी जवड़ा ने समाज उत्थान के लिए ऐसी संस्थाओं की जरुरत को रेखांकित किया, शिक्षण से जुड़े श्रीमान बद्रीलाल जी तोषावड़ ने विध्यार्थियों से उज्जवल भविष्य के लिए शिक्षा के महत्व पर जोर दिया , समाज के पूर्व महामंत्री श्रीमान अजीतकुमार कड़ेल ने सहायता के साथ साथ कैरियर गाईडेंस पर ध्यान देने की बात कही, मार्गदर्शक मंडल श्रीमान टीपूजी किकान ने समाज के विध्यार्थियों से भविष्य में सक्षम होने पर अन्य जरुरतमंदों की सहायता करने अपील की, राष्ट्रीय अध्यक्ष एंव संस्थापक अध्यक्ष श्रीमान जगदीश प्रसाद जी मायछ ने आजीवन ट्रस्ट को आर्थिक सहायता करनें की घोषणा की एंव समाज की कार्यकारिणी से अपने ऊर्जा के सकारात्मक कार्यों में उपयोग करनें की बात कही , अध्यक्ष महावीर प्रसाद जी कडेल ने ज्यादा से ज्यादा समाज के लोगों को जोड़कर ट्रस्ट को वट वृक्ष बनाने की बात की । जितेंद्र जी जालू ने ट्रस्टी बनने की घोषणा की एवं प्रति वर्ष सहयोग देने का वादा किया हीरालाल जी मायछ, श्रवण जी आसट, सरोज जी सुगंध, दामोदर जी मौसूण, दिनेशजी मौसूण ने भी इस वर्ष के लिए आर्थिक सहायता की घोषणा की। कार्यक्रम का संचालन समाज के महामंत्री द्वारकाप्रसाद मायछ, कोषाध्यक्ष युगलकिशोर कडेल एंव ट्रस्ट के महामंत्री घनश्याम मायछ ने किया । इस अवसर पर विभिन्न उपलब्धियों के लिए समाज के युवाओं को सम्मानित किया गया।

जियागुडा स्थित श्री समर्थ कामधेनु गोशाला में जयेष्ठ अमावस्या पर गौसेवा करते हुए गौशाला के प्रभु दत्त महाराज, हरि किशन मायच्छ, सत्यनारायण (पहलवान), पुरुषोत्तम अग्रवाल, पंकज वर्मा, जयकिशन उपाध्याय, पवन व्यास, मनोज सोनी, महावीर प्रसाद कड़ेल, माणकचंद देवाल, शरद वर्मा, उमेश रोड़ा एवं अन्य।

सनातन धर्म सभा बेगम बाजार में आगामी महेश नवमी के उपलक्ष्य में डमरू और करताल की तैयारी का अभ्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। ज्ञात हो कि महेश नवमी दि. 01 जून को प्रदर्शनी मैदान में आयोजित की जाएगी। इस अवसर पर सुनील भट्टड, अनिल मुंदड़ा, विजय तोतला, सुभम तोतला, अभिषेक सारदा, दीपक बलदावा, अनूप तोतला, वरुण मुंदडा आदि उपस्थित थे।

श्याम मन्दिर काचीगुड़ा में जारी श्री शिव महापुराण कथा के पांचवे दिन परम पूज्य गिरि बापू जी महाराज द्वारा कथा का रसपान कराते हुए। इस अवसर पर मुख्य यजमान पी सूर्यपकांत स्वामी, ललिता देवी, नवदीप उमा देवी, शिवदीप रानी देवी आचार्य सुनील कुमार पाण्डेय एवं उपस्थित जनसमूह।

शेयर मार्केट

बीएसई : 81,551.63
-624.82 -0.76% ↓
एनएसई :24,826.20
-174.95 (-0.70%) ↓

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 98,260/- (प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 98,260/- (प्रति किलोग्राम)

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 31^0
न्यूनतम : 24^0

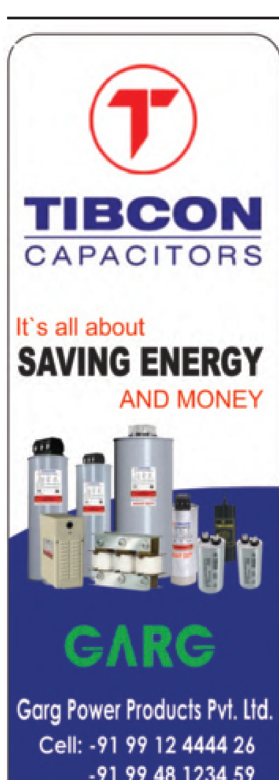

दक्षिण मध्य रेलवे
हमें X SCRailwayindia पर फॉलो करें
द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

ई-निविदा आमंत्रण सूचना PUB/0609

कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्यरत पीसीई/दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित है:

एनआईटी सं.: जीएम-डब्ल्यू-एससी-यूएसएफडी-25-26-01 **कार्य का नाम:** भारतीय रेलवे के यू.एस.एफ.डी. मैनुअल और रेल और वेल्ड के अल्ट्रासोनिक परीक्षण के लिए विनिर्देशों के प्रावधानों के अनुसार यातायात की स्थिति में एनबीसी (आवश्यकता आधारित अवधारणा) पद्धति द्वारा लेवल क्रॉसिंग, पॉइंट और क्रॉसिंग के लीड हिस्से और सभी प्रकार की रेलों की स्कैब्ड रेल परीक्षण सहित यूएसएफडी के माध्यम से रनिंग रेल और वेल्ड (फ्लैंज परीक्षण को छोड़कर) का परीक्षण करना, नवीनतम सुधार पर्चियों और संबंधित निर्देशों के साथ, दोषों को विधिवत चिह्नित करना, दैनिक रिपोर्ट प्रस्तुत करना और ठेकेदार की यूएसएफडी मशीन के साथ निर्दिष्ट और निर्देशित अनुसार बैक अप डेटा संग्रहीत करना। (एसआरटी/डीआरटी मशीन में कम से कम 9 जांच होनी चाहिए (बोल्ट होल क्रैक का पता लगाने के लिए 37 डिग्री आगे/पीछे जांच सहित)

अनुमानित लागत/ईएमडी/टीडीसी/समापन तिथि और समय: विज्ञापित निविदा मूल्य: ₹ 6,79,22,280/- पूधरा: ₹ 4,89,600/- **निविदा बंद होने की तिथि और समय:** दि.: 17.06.2025 को 15.00 बजे

निविदा दस्तावेज और अन्य विवरण वेबसाइट **https://ireps.gov.in** से प्राप्त किए जा सकते हैं।
सभी शुद्धिपत्र केवल वेबसाइट **https://ireps.gov.in** पर ऑनलाइन जारी किए जाएंगे

प्रधान मुख्य अभियंता, सिकंदराबाद

निविदा सूचना सं. 12-एचआरडी-25-26-सीनियर डीईई-एम-एचवाईबी PUB/0610

कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्यरत सीनियर डीईई/एम/ एचवाईबी द्वारा निम्नलिखित निविदाओं के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित है। अंतिम तिथि: **19-06-2025**, 15:00 बोलीदाता अपनी मूल/संशोधित बोलियां केवल अंतिम तिथि और समय तक ही प्रस्तुत कर सकेंगे। इस निविदा के लिए मैन्युअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है, और प्राप्त किसी भी ऐसे मैन्युअल प्रस्ताव को अनदेखा किया जाएगा।

निविदा सं.: 12-एचआरडी-25-26-सीनियर डीईई-एम-एचवाईबी **कार्य का विवरण:** हैदराबाद डिवीजन: सुपरवाइजर हॉस्टल 1, 2 और 3 इरिसेट कैंपस का उन्नयन- विद्युत व्यवस्था. **अनुमानित मूल्य :** ₹ 59,86,690/- **पूधरा:** ₹ 1,19,700/- **समापन अवधि:** 12 महीने **समापन की तिथि:** 19-06-2025 **वेबसाइट विवरण:** https://ireps.gov.in **नोटिस बोर्ड वह स्थान जहाँ निविदा का पूरा विवरण देखा जा सकता है:** सीनियर डीईई/एम/एचवाईबी का कार्यालय, हैदराबाद भवन, सिकंदराबाद-500071

सीनियर डिवीजनल इलेक्ट्रिकल इंजीनियर, हैदराबाद

खुली ई-निविदा सूचना सं. बी/ ई.ईजीएस/ 05/2025-26 दि. 26.05.2025 PUB/0611

कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरित द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए निम्नलिखित तिथि को 15-00 बजे तक ई-निविदा आमंत्रित हैं:

निविदा सूचना सं.: बी/ई.29/1/ ईजीएस/ 09/25-26 दि. 26.05.2025 **कार्य का नाम:** बीजेडए प्रभाग: वेब आधारित निगरानी (आईओटी) का प्रावधान और पंपों के स्वचालन सहित नियंत्रण, प्लेटफार्मों पर 30-70 प्रकाश व्यवस्था, स्ट्रीट लाइटिंग सर्किट, लिफ्ट और एस्केलेटर और बीजेडए प्रभाग पर आईआर-नियनट्रैक पोर्टल (चरण-II) के साथ एकीकरण। **समापन की अवधि:** 6 महीने **निविदा मूल्य :** ₹ 7,50,91,838.73 **पूधरा/बोली सुरक्षा :** ₹ 5,25,500 **निविदा की लागत दस्तावेज :** शून्य **समापन की तिथि:** 18.06.2025

संभावित निविदाकर्ताओं को सलाह दी जाती है कि वे निविदा समापन की तिथि से पहले वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाकर किसी भी निविदा के लिए कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र नोट कर लें।

मंडलीय रेल प्रबंधक (विद्युत) विजयवाड़ा

निविदा सं.: एनईडी/ई-04/2025-26 दि. 27.05.2025 PUB/0612

www.ireps.gov.in पर निम्नलिखित ई-निविदाओं के लिए प्रस्ताव आमंत्रित किए जाते हैं

निविदा सं.: एनईडी/ई -04/2025-26 **कार्य का नाम:** नांदेड़ मंडल के मध्यम और प्रमुख स्टेशनों पर प्लेटफार्मों पर चार्जिंग सुविधाओं का प्रावधान। **अनुमानित मूल्य:** ₹1,16,18,866/- **बोली सुरक्षा:** ₹ 2,08,100/- **प्रस्ताव की वैधता:** 60 दिन **पूरा करने की अवधि** : 9 महीने. नांदेड़ मंडल प्रशासन के तहत www.ireps.gov.in पर समापन की तिथि और समय: 17.06.2025 को 15.00 बजे तक **उपलब्ध**

निविदा दस्तावेज, पात्रता मानदंड, विशेष शर्तों आदि के विवरण के लिए ऊपर बताई गई हमारी वेबसाइट पर जाएं। यह सलाह दी जाती है कि प्रस्ताव प्रस्तुत करने से पहले यह जांच लें कि ऑनलाइन कोई शुद्धिपत्र प्रकाशित हुआ है या नहीं।

मंडलीय रेल प्रबंधक (विद्युत), नांदेड़
A0754

अतिरिक्त निविदा शर्तों/विवरणों के लिए और निविदा दस्तावेजों को डाउनलोड करने के लिए कृपया वेबसाइट : www.ireps.gov.in या http://www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

अग्रवाल समाज मुरलीनगर शाखा की वार्षिक साधारण सभा व चुनाव सम्पन्न

हैदराबाद, 27 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज मुरलीनगर शाखा की वार्षिक साधारण सभा व चुनाव विश्वनाथ शाहबाजपुरिया के निवास स्थान पर रविवार 25 मई को सम्पन्न हुई।प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार सबसे पहले श्री अग्रसेन महाराज की पूजा-अर्चना की गई, तत्पश्चात वार्षिक साधारण सभा के के अंतर्गत शाखा के कोषाध्यक्ष द्वारा शाखा का 2024-25 का आय व्यय का ब्योरा प्रस्तुत किया। जिसे सभी सदस्य व पदाधिकारियों ने सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की। शाखा के अध्यक्ष दिनेश कुमार शाहबाजपुरिया ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि, अपने आस पास के जितने भी अग्रवाल बंधु है, जो कि अग्रवाल समाज से नहीं जुडे हैं, उन्हे समाज से जोडें तथा सदस्यों के अपने विवाहित बच्चों को भी समाज से जोडें।

चुनावी प्रक्रिया के अनुसार, चुनाव अधिकारी के रूप में विश्वनाथ शाहबाजपुरिया व हरिकिशन मित्तल को नियुक्त किया गया था। जिनके अनुसार शाखा के सभी पांच पदाधिकारी निर्विरोध चुने गए। जिसमें शाखा के अध्यक्ष दिनेश कुमार शाहबाजपुरिया, उपाध्यक्ष महेंद्र कुमार सिग्नोदिया, मानदमंत्री दिनेश कुमार केडिया, सहमंत्री मुकेश कुमार गोयल व कोषाध्यक्ष के रूप में उमेश कुमार अग्रवाल को चुना गया। शाखा के केंद्रीय समिति के सदस्यों में सुनील कुमार केडिया व रामगोपाल को चुनावी प्रक्रिया के अनुसार चुना गया।शाखा की इस वार्षिक साधारण सभा व चुनावी प्रक्रिया में प्रमोद कुमार केडिया ने भी अपना समय दिया तथा सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई देते हुए शाखा में सदस्यों की संख्या बढाने व सभी अग्रंधुओं को समाज जोडने व शाखा को और भी मजबूत बनाने के लिए संदेश दिया। शाखा के वरिष्ठ सदस्य करोडीमल नरसिंगपुरिया ने भी शाखा के सभी पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि शाखा में कुछ सामाजिक कार्यक्रम करते हुए समाज को गलत दिशा में जाने से रोकने के लिए कहा ।

उक्त कार्यक्रम में शाखा के लगभग 100 सदस्यों ने उपस्थिति दर्ज कराई । शाखा में महिला शाखा बनाने की योजना भी बनाई गई तथा भविष्य में कभी भी महिला शाखा बन सकती है। ऐसा शाखा के कोषाध्यक्ष ने आश्वासत दिया। सभी सदस्यों, पदाधिकारियों व गणमान्य वरिष्ठ सदस्यों की उपस्थिति के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

अग्रवाल समाज शालीबंडा शाखा की वार्षिक साधारण सभा एवं चुनाव सम्पन्न

हैदराबाद, 27 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज शालीबंडा शाखा की वार्षिक साधारण सभा एवं चुनाव शालीबंडा स्थित श्री नरेश कुमार जी बंसल के निवास पर 25 मई रविवार को सम्पन्न हुए।प्रेस को जारी विज्ञप्ति में शाखा के मानद मंत्री ने बताया की सर्व प्रथम महाराजा श्री अग्रसेन जी पूजा अर्चना की गयी तत्पश्चात शाखा के अध्यक्ष रामकिशन अग्रवाल ने पधारे सभी सदस्यों का स्वागत किया, मंत्री ने वर्ष 2023-25 के कार्यक्रमों पर प्रकाश डाला और कोषाध्यक्ष ने आये और व्यय के बारे में बताया।

केंद्रीय समिति सदस्य उमेश अग्रवाल ने सभी का धन्यवाद् किया, इसके बाद अध्यक्ष ने चुनाव अधिकारी नरेश जी बंसल को चुनाव प्रक्रिया के लिए आमंत्रित किया।

नरेश बंसल ने सभी की सहमति से चुनाव कराये जिसमे नवनिर्वाचित 2025-27 के पद के लिए अध्यक्ष रामकिशन अग्रवाल, उपाध्यक्ष सत्यनारायण गुलखंडिया, मानद मंत्री पवन डोकानिया, सह मंत्री नवनीत अग्रवाल, कोषाध्यक्ष उमेश अग्रवाल, केंद्रीय समिति सदस्य पंकज गोयनका को चुना गया।

सलाहकार समिति में नरेश कुमार बंसल, रामदेव अग्रवाल, भरत बंसल, मिट्ठूलाल अग्रवाल, आनंद संघी, प्रकाश अग्रवाल को नियुक्त किया गया।

कार्यकारिणी समिति में प्रेम अग्रवाल, हरि किशन अग्रवाल, अंकित अग्रवाल, गोविंदराम अग्रवाल, फतेहचंद मित्तल, अजीत अग्रवाल, कन्हैयालाल बंसल, उमेश अग्रवाल आदि का चयन किया गया।

शाखा के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों एवं चुनाव अधिकारी का सम्मान किया गया।मंच संचालन पवन डोकानिया ने किया, प्रेम अग्रवाल ने सभी सदस्यों का धन्यवाद् किया और सहभोज के साथ कार्यक्रम सम्पन हुआ।सभा में रामकिशन अग्रवाल, आनंद संघी, पंकज गोयनका, राजू अग्रवाल, प्रेम अग्रवाल, उमेश अग्रवाल, महावीर प्रसाद डोकानिया, नरेश कुमार बंसल, फतेहचंद मित्तल, उमेश अग्रवाल, रामदेव अग्रवाल, पवन डोकानिया, हरी किशन अग्रवाल, अजीत अग्रवाल, राजेंद्र अग्रवाल, गोविंदराम अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

बैंक ऑफ बडौदा में परिचर्चा कल

हैदराबाद, 27 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। हिन्दी प्रचार सभा हैदराबाद के स्थापना दिवस के 90 वर्ष पूर्ण होने पर बैंक ऑफ बडौदा के संयुक्त तत्वावधान में जनसंपर्क भाषा हिन्दी के 90 वर्ष और राजभाषा हिन्दी के 50 स्वर्ण की यात्रा पर परिचर्चा का आयोजन 29 मई को हिन्दी प्रचार सभा हैदराबाद के सभागार में 3 बजे से किया जा रहा है। इस अवसर पर सभी को आमंत्रित किया गया।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, Service No. 14667970H, Rank: HAV, Name: SUMAN PRAMANIK, S/o. PRASANTA PRAMANIK, Unit: 3 TRG BN 1 EME CENTER, SECUNDERABAD, Residing at Vill: BETALDIGHI, PO: KHANCHI, Dist: PURBA MEDINIPUR, State: WEST BENGAL, Pin: 721643, I have Changed my Daughter's Name from SURTI PRAMANIK to SHRUTI PRAMANIK That my daughter's date of birth is 16-02-2013, Vide Affidavit date 27/05/2025

CHANGE OF NAME
I, PRASANTA PRAMANIK, is legally dependent Father of Service No. 14667970H, Rank: HAV, Name: SUMAN PRAMANIK, Unit: 3 TRG BN 1 EME CENTER, SECUNDERABAD, Residing, at Vill: BETALDIGHI, PO: KHANCHI, Dist:PURBA MEDINIPUR, State: WEST BENGAL, Pin: 721643, I have Changed my name from PRASANTA PRAMANIK to PRASHANTA PRAMANIK My Date of Birth is 15-07-1962, Vide Affidavit date 27/05/2025

CHANGE OF NAME
I, BINOD SHARMA, S/o, Ram NiwasTiwari R/o. Flat No.102, 1st Floor Anuganga, Raghuveer Residency, Old Bowenpally, Tirumalgiri, Bowenpally, Secunderabad-500011, have changed my name from BINOD SHARMA to VINOD TIWARI for all purpose vide affidavit Dt.12/5/2025. Before E. Suresh Rao Advocate & Notary, West Marredpally.

CHANGE OF NAME
I, BELA SHARMA W/o.Vinod Tiwari, R/o. Flat No.102, 1st Floor Anuganga, Raghuveer Residency, Old Bowenpally, Tirumalgiri, Bowenpally, Secunderabad - 500011, have changed my name from BELA SHARMA to BELA T IWARI for all purpose vide affidavit Dt.12/5/2025. Before E. Suresh Rao Advocate & Notary, West Marredpally.

CHANGE OF NAME
I, KOTA LALITHA, spouse of Service No. 6500021K SEP/ASH LABBA NAGARAJU, R/o. 8-73, Vill:Syampalem, PO:Sanivada, Teh:Srikakulam, Dist:Srikakulam, Andhra Pradesh-532401 have changed my name from KOTA LALITHA TO LABBA LALITHA vide affidavit dt:27-5-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME
I, SERVICE NO:JC-780491Y RANK: NB/SUB (M TECH 'B' VEH) Name: KANAI LAL MAITY, resident of VILL-BHAITGARH, PO-Dakshin Kalamdan, District -East Midnapore, State-West Bengal Pin- 721430, hereby state that My mother's Name is to be Changed From KAMALA MAITY to KANANBALA MAITY (Date of Birth 01 JAN 1942) vide affidavit dt; 27-5-2025, before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, No. JC 732127H Sub WANGANE SACHIN SHANTARAM of HQ MG & G AREA (ORD) COLABA, MUMBAI that my Son Name is changed from WANGANE HARSH SACHIN to HARSH SACHIN WANGANE and also my mother name is changed from VIMAL to VIMAL SHANTARAM WANGANE

टीजीएसआरटीसी कर्मचारी कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है : वीसी सज्जनार

हैदराबाद, 27 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) के प्रबंध निदेशक वीसी सज्जनार ने अपने कर्मचारियों के कल्याण के लिए निगम की प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए कहा कि राज्य सरकार के सहयोग से सभी लंबित मुद्दों को चरणबद्ध तरीके से हल किया जाएगा।सज्जनार ने मंगलवार को बागलिंगमपल्ली में टीजी एस आरटी सी कलाभवन में आयोजित राज्य स्तरीय कर्मचारी कल्याण बोर्ड के साथ बैठक के दौरान ये टिप्पणियां कीं।मुख्य अतिथि के रूप में, उन्होंने बोर्ड के सदस्यों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बातचीत की, क्षेत्र-स्तरीय मुद्दों का जायजा लिया और बहुमूल्य प्रतिक्रिया प्राप्त की।उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्रबंधन उन कर्मचारियों की भलाई को प्राथमिकता देता है जो यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए समर्पण के साथ काम कर रहे हैं। सज्जनार ने कई कल्याणकारी पहलों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हर महीने समय पर वेतन का

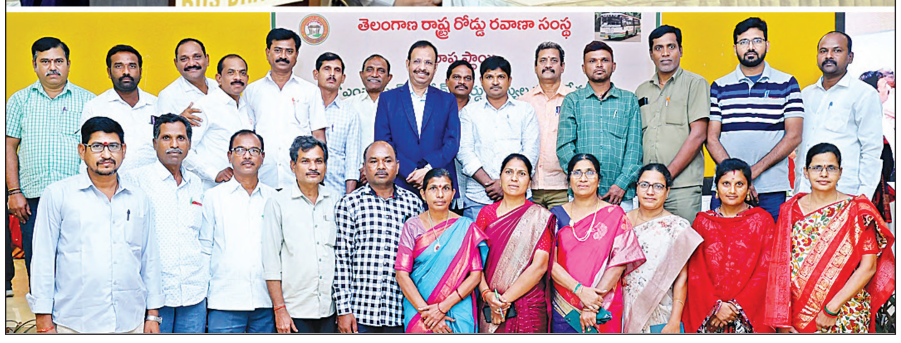

भुगतान किया जा रहा है, 2017 पीआरसी और 2013 आरपीएस बांड 21% फिटमेंट के साथ जारी किए गए हैं, और लंबित महंगाई भत्ते (डीए) स्वीकृत किए गए हैं। एमडी ने बताया कि सेवा में मरने वाले 2,350 कर्मचारियों के परिवारों को अनुकंपा नियुक्तियां प्रदान की गई हैं, और 537 चिकित्सकीय रूप से अयोग्य कर्मचारियों को नौकरी की पेशकश की गई है। ग्रैंड हेल्थ चैलेंज पहल के तहत, सभी कर्मचारियों के लिए स्वास्थ्य जांच की गई, जिसके परिणामस्वरूप 726 कर्मचारियों और 184 उनके जीवनसाथियों के लिए जीवन रक्षक हस्तक्षेप हुए। सज्जनार ने महालक्ष्मी योजना के कारण बढ़े हुए कार्यभार को प्रबंधित करने के लिए ड्राइवरों और कंडक्टरों की अस्थायी भर्ती पर चिंताओं को संबोधित किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि जबकि राज्य सरकार द्वारा 3,036 नियमित पदों को मंजूरी दी गई है, तकनीकी कारणों से भर्ती में देरी हो रही है, लेकिन नियमों के अनुसार सख्ती से आयोजित की जाएगी। उन्होंने कर्मचारियों से कुछ व्यक्तियों द्वारा किए जा रहे झूठे प्रचार या भड़काऊ बयानों से गुमराह न होने का आग्रह किया। उन्होंने केंद्र सरकार से ग्रीन मोबिलिटी लक्ष्यों के अनुरूप राज्य सरकार के समर्थन से इलेक्ट्रिक बसें खरीदने में टीजीएसआरटीसी का समर्थन करने की भी अपील की। सज्जनार ने आश्वासन दिया कि प्रबंधन द्वारा लिए गए सभी निर्णय पारदर्शी हैं और कर्मचारियों और संगठन दोनों के सर्वोत्तम हित में हैं, जिसमें कोई व्यक्तिगत मकसद शामिल नहीं है। उन्होंने कल्याण बोर्ड के सदस्यों को कर्मचारियों और प्रबंधन के बीच एक सेतु के रूप में कार्य करने और कर्मचारियों की चिंताओं को वरिष्ठ नेतृत्व तक खुले तौर पर पहुंचाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि बैठक के दौरान दिए गए सुझावों पर गंभीरता से विचार किया जाएगा। टीजीएसआरटीसी के एक बयान में कहा गया है कि बैठक में कार्यकारी निदेशक मुनीशेखर, खुशरोशा खान, सोलोमन, वेंकन्ना, राजशेखर, वित्त सलाहकार विजयपुष्पा, विभागाध्यक्ष और अन्य शामिल हुए।

फतेहनगर फ्लाईओवर की सीढ़ियां गिरने से 2 लोग घायल, हाइड्रा ने ढांचा ढहाया

हैदराबाद, 27 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। सोमवार 27 मई को सनथनगर में फतेहनगर फ्लाईओवर से जुड़ी 30 साल पुरानी पैदल यात्री सीढ़ी का एक हिस्सा गिरने से दो लोग घायल हो गए। पीड़ितों को मामूली चोटें आईं, जिन्हें तुरंत इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया।

घटना के तुरंत बाद मौके पर पहुंची सनतनगर पुलिस को संदेह है कि हाल ही में हुई बारिश के कारण पानी के अवशोषण से संरचना कमजोर हो गई होगी, जिसके कारण यह ढह गई।

जवाब में, हाइड्रा आयुक्त ए.वी. रंगनाथ ने मौके पर निरीक्षण किया और सीढ़ी को असुरक्षित पाया। उन्होंने अधिकारियों को क्षतिग्रस्त संरचना को तुरंत हटाने का निर्देश दिया और भविष्य में दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सिविल इंजीनियरिंग विशेषज्ञों की सहायता से इसी तरह की पुरानी संरचनाओं का पूरे शहर में सर्वेक्षण करने का आदेश दिया।

बाद में हाइड्रा आपदा प्रतिक्रिया दल ने जेसीबी मशीन का उपयोग करके सीढ़ी को ध्वस्त कर दिया। स्थानीय लोगों ने आयुक्त को बताया कि सीढ़ियों पर भारी भीड़ होती है, खासकर रविवार को, क्योंकि साप्ताहिक सनथनगर बाजार होता है।

इस अवसर पर उपस्थित फतेहनगर पार्षद सतीश गौड़ ने आश्वासन दिया कि पैदल यात्रियों की सुरक्षित पहुंच सुनिश्चित करने के लिए शीघ्र ही नई सीढ़ियां बनाई जाएंगी।

भाजपा आदिवासी मोर्चा ने 1,600 करोड़ की लंबित आदिवासी सब्सिडी जारी करने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया

हैदराबाद, 27 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी आदिवासी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. कल्याण नायक के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं और प्रभावित लाभार्थियों ने मंगलवार को हैदराबाद में उद्योग आयुक्त के कार्यालय का घेराव कर एक विशाल विरोध प्रदर्शन किया।

यह विरोध प्रदर्शन तेलंगाना में लंबित 1,600 करोड़ रुपये की आदिवासी सब्सिडी को तत्काल जारी करने की मांग को लेकर किया गया।

इस सभा को संबोधित करते हुए डॉ. कल्याण नायक ने आरोप लगाया कि आदिवासी सब्सिडी का बकाया छह साल से अधिक समय से लंबित है। उन्होंने अधिकारियों की आलोचना की कि वे वास्तविक मंजूरी के बिना बार-बार चेक जारी करके भुगतान में देरी कर रहे हैं, उन्होंने दावा किया कि इस स्थिति के कारण आदिवासी लाभार्थियों में परेशानी और यहां तक कि आत्महत्याएं भी हुई हैं।

डॉ. नायक ने आगे आरोप लगाया कि राज्य के वित्त मंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क आवश्यक फाइलों को मंजूरी देने में विफल रहे हैं, यह सुझाव देते हुए कि नौकरशाही भ्रष्टाचार और कमीशन की मांग ने प्रक्रिया को रोक दिया है।

उन्होंने चेतावनी दी, अगर सरकार लंबित आदिवासी सब्सिडी को तुरंत जारी नहीं करती है, तो हम राज्यव्यापी आंदोलन शुरू करेंगे। उन्होंने यह भी घोषणा की कि भाजपा जनजातीय मोर्चा राज्य सचिवालय की घेराबंदी सहित अपने विरोध प्रदर्शन को तेज करने के लिए तैयार है, और जब तक सरकार सब्सिडी का समय पर और निष्पक्ष वितरण सुनिश्चित नहीं करती, तब तक संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया।

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की रिपोर्ट

यूपी की नदियों और जलाशयों की शुद्धता में सुधार

नदी और जलाशयों की शुद्धता में 68 फीसदी से अधिक सुधार

लखनऊ, 27 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (यूपीपीसीबी) ने प्रदेश की नदियों और जलाशयों की जलगुणता को बेहतर बनाने के लिए प्रभावी कदम उठाए हैं। यूपीपीसीबी ने प्रदेश की सभी नदियों और जलाशयों में जलगुणता की जांच रिपोर्ट में पाया कि यूपी में वर्ष 2023 की तुलना में वर्ष 2024 में जल शुद्धता में 68.8 फीसदी का सुधार हुआ है। यह सुधार सीएम योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में जल प्रदूषण मुक्ति के लिये किये गये विशेष प्रयासों और सख्त निगरानी का परिणाम है। जिसके तहत प्रदेश में वर्तमान में 152 स्थापित एसटीपी में से 141 एसटीपी पूरे मानक पर संचालित हैं। यूपीपीसीबी ने मानकों के आधार पर संचालित नहीं हो रहे एसटीपी पर सख्त कार्यवाही करते हुए लगभग 11.79 करोड़ रुपए का जुर्माना भी लगाया है। सीएम योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने प्रदेश में बहने वाली गंगा, यमुना, गोमती जैसी पवित्र नदियों और जलाशयों में प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए कई प्रभावी कदम उठाये हैं। साथ ही सीएम योगी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की नामामि गंगे और स्वच्छ भारत मिशन जैसी महात्वाकांक्षी परियोजनाओं का सफल क्रियान्वयन के किया गया है। यूपीपीसीबी ने प्रदेश की सभी नदियों और जलाशयों में जलगुणवता की जांच रिपोर्ट में पाया कि यूपी में वर्ष 2023 की तुलना में वर्ष 2024 में जलगुणता में 68.8 फीसदी का सुधार हुआ है। यूपीपीसीबी द्वारा वर्ष 2024 में 176 स्थानों पर किए गए परीक्षणों में से 120 स्थानों पर जल शुद्धता में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया गया है। जो प्रदेश में जल शोधन और जल स्वच्छता के लिए किये गये प्रयासों की सफलता को प्रदर्शित कर रहा है।

सीएम योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में प्रदेश की नदियों और जलाशयों की स्वच्छता के लिए विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं। जिस क्रम में विशेष ध्यान जल शोधन संयत्रों और सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) के संचालन और उनकी कार्यक्षमता पर दिया गया है। अप्रैल 2025 की स्थिति के अनुसार, प्रदेश में कुल 152 एसटीपी स्थापित हैं। इनमें से 141 एसटीपी संचालित हैं एवं 126 एसटीपी निर्धारित मानकों को पूरा कर रहे हैं। वर्तमान में 6 एसटीपी परिक्षण के दौर में हैं और 15 एसटीपी अभी अपनी पूरी क्षमता पर संचालित नहीं हैं, जो जल्द ही मानकों के अनुरूप संचालित होने लगेगें। यूपीपीसीबी के आकंड़ों से स्पष्ट है कि जलगुणता में सुधार और एसटीपी के प्रभावी संचालन से नदियों में प्रदूषण का स्तर कम हुआ है। हालांकि, कुछ क्षेत्रों में अभी भी चुनौतियां बनी हुई हैं, जिन्हें दूर करने के लिए सरकार और स्थानीय प्रशासन मिलकर काम कर रहे हैं।

योगी सरकार जल प्रदूषण नियंत्रण के लिए सख्त नीतियों और नियमित निगरानी पर जोर दे रही है। इसी क्रम में यूपीपीसीबी ने मानकों का उल्लंघन करने वाले एसटीपी के खिलाफ कठोर कार्रवाई की है। अक्टूबर 2022 से अप्रैल 2025 तक डिफॉल्टर एसटीपी पर कुल 11.79 करोड़ रुपए का पर्यावरणीय जुर्माना लगाया गया है।

हालांकि, इस अवधि में अभी तक केवल 7.30 लाख रुपए की ही वसूली हो सकी है, यूपीपीसीबी ने जुर्माना वसूली प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नदियों के संरक्षण और जल प्रदूषण को रोकने के लिए गंगा, यमुना, गोमती जैसी प्रमुख नदियों के साथ-साथ छोटे जलाशयों की सफाई और संरक्षण पर विशेष जोर दिया है। नमामि गंगे परियोजना के तहत सीवेज ट्रीटमेंट की क्षमता को बढ़ाया गया है।

वायरा से पूर्व विधायक बी. मदन लाल का निधन

हैदराबाद, 27 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के नेता और वायरा से पूर्व विधायक बी. मदन लाल का मंगलवार को दिल का दौरा पड़ने से गचीबावली के एआईजी अस्पताल में निधन हो गया। वह 62 वर्ष के थे।

श्री लाल ने 2009 में राजनीति शुरू की और 2014 में वायरा सीट से वाईएसआर कांग्रेस के टिकट पर विधायक बने। बाद में वह बीआरएस में शामिल हुए और 2018 और 2023 के विधानसभा चुनाव बीआरएस से लड़े। वह वर्तमान में वायरा क्षेत्र के पार्टी प्रभारी थे। तीन मई, 1963 को, खम्मम जिले के इर्लापुड़ी गांव में जन्मे मदन लाल ने उस्मानिया यूनिवर्सिटी से स्नातक किया था। वे जनसेवा, खासकर आदिवासियों और वंचितों के कल्याण के लिए समर्पित थे।

तेलंगाना में भारी बारिश: अधिकारियों को अलर्ट रहने और नुकसान रोकने को कहा गया

हैदराबाद, 27 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने संबंधित अधिकारियों को सतर्क रहने और हैदराबाद तथा राज्य के कई जिलों में लगातार बारिश के कारण होने वाले नुकसान को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए हैं।तेलंगाना में अगले चार दिनों तक भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि अधिकारियों को भारी बारिश के आईएमडी के पूर्वानुमान के अनुसार उचित सावधानी बरतने को कहा गया है।मुख्यमंत्री ने सभी विभागों - जीएचएमसी, पुलिस, हाइड्रा, यातायात और बिजली विभाग के अधिकारियों को चौबीसों घंटे उपलब्ध रहने और मौसम पूर्वानुमान तथा बारिश के मद्देनजर समन्वय से काम करने का आदेश दिया।नगर निगम अधिकारियों को सड़कों पर जलभराव, यातायात जाम और बिजली कटौती की समस्या से निपटने के लिए युद्ध स्तर पर काम करने के निर्देश दिए गए हैं। विज्ञप्ति में कहा गया है, निचले इलाकों में बाढ़ आने और लोगों को असुविधा से बचाने के लिए वैकल्पिक उपाय किए जाने चाहिए।तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव रामकृष्ण राव को ग्रेटर हैदराबाद सहित भारी बारिश प्रभावित जिलों में बाढ़ की नियमित समीक्षा करने का निर्देश दिया और जनता से भारी बारिश वाले क्षेत्रों में सतर्क रहने को कहा।

मथुरा के बांके बिहारी मंदिर के लिए बना ट्रस्ट

मथुरा, 27 मई (एजेंसियां)। मथुरा के बांके बिहारी मंदिर के लिए यूपी सरकार ने ट्रस्ट की स्थापना कर दी है। यूपी की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने बांके बिहारी मंदिर न्यास अध्यादेश 2025 को मंजूरी दे दी। इस वक्त मुख्य कार्यपालक अधिकारी सारी व्यवस्था देखते हैं। ट्रस्ट में 18 सदस्य होंगे। अधिसूचना के मुताबिक बोर्ड में 4 सदस्य होंगे और 7 अधिकारी शामिल किए जाएंगे। ट्रस्ट में वैष्णव समुदाय और परंपरा से जुड़े 6 लोगों को शामिल किया जाएगा। ट्रस्ट के सभी न्यासियों की नियुक्ति प्रदेश सरकार करेगी। मंदिर में सेवारत गोस्वामी परंपरा और हरिदास जी के 2 वंशज रहेंगे जो राजभोग सेवायतों और शयन भोग सेवायतों का नेतृत्व करेंगे। बांके बिहारी आने-जाने वाले लोगों की सुविधाओं के लिए कॉरिडोर का निर्माण भी किया जाएगा। अयोध्या, काशी के बाद अब मथुरा-वृंदावन को सँवारने की दिशा में ये बहुत बड़ा कदम है।

जासूसी की दुनिया का 'जाल' हनी ट्रैंपिग राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा : विशेषज्ञ

हैदराबाद, 27 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। आजकल की दुनिया में जहां डिजिटल बातचीत तेजी से आम होती जा रही है, वहीं 'हनी-ट्रैपिंग' का चलन राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक बेहद परिष्कृत और खतरनाक 'मकड़जाल' की तरह फैलता जा रहा है।

राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के सलाहकार डॉ नरेश पुरोहित के मुताबिक हाल ही में पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में यू-टयूबर ज्योति मल्होत्रा की गिरफ्तारी इस रणनीति को ही रेखांकित करती है।

हैदराबाद स्थित मानसिक स्वास्थ्य संस्थान (आईएमएच) द्वारा आयोजित आधुनिक साइबर युद्ध के मनोवैज्ञानिक आधार पर एक सेमिनार को संबोधित करने के बाद सोमवार को यहां जारी एक बयान में आपदा मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ. पुरोहित ने कहा कि जासूसी अभियानों में प्यार, सेक्स और रोमांस का इस्तेमाल महज एक सिनेमाई रूपक नहीं है। यह एक ऐतिहासिक रूप से प्रलेखित और मनोवैज्ञानिक रूप से शक्तिशाली तकनीक है, जिसका खुफिया एजेंसियों ने खास तौर पर द्वितीय विश्व युद्ध और शीत युद्ध के दौरान जबरदस्त प्रभाव के साथ इस्तेमाल किया है, जब कई खुफिया एजेंसियों के लिए सेक्स-जासूसी एक आम उपकरण बन गया था। अपने हालिया शोध अध्ययन 'खुफिया और सुरक्षा एजेंसियों की एक विधि के रूप में सेक्स-जासूसी' का हवाला देते हुए, प्रसिद्ध चिकित्सक ने कहा कि हनी ट्रैपिंग में रोमांटिक संबंधों का इस्तेमाल करके व्यक्तियों से संवेदनशील जानकारी का खुलासा करने के लिए हेरफेर करना शामिल है। विदेशी खुफिया एजेंटों द्वारा अक्सर इस्तेमाल की जाने वाली इस रणनीति के राष्ट्रीय सुरक्षा पर गंभीर प्रभाव पड़ते हैं। उन्होंने कहा, सेक्स-जासूसी महज जासूसों द्वारा किया जाने वाला काम नहीं है, बल्कि कठोर प्रशिक्षण के बाद हासिल किया जाने वाला एक उपकरण है। उन्होंने कहा, हनी ट्रैपिंग के परिणाम व्यक्तिगत शर्मिंदगी से कहीं आगे तक जाते हैं। जब संवेदनशील जानकारी तक पहुँच रखने वाले व्यक्तियों के साथ समझौता किया जाता है, तो राष्ट्रीय सुरक्षा दांव पर लग जाती है। मनुष्यों में लगाव की भावना होती है। एक बार भावनात्मक बंधन बन जाने के बाद, वे तर्क और नैतिक विचारों को दरकिनार कर सकते हैं। एक लक्ष्य जो मानता है कि वह किसी से प्यार करता है या उससे गहराई से जुड़ा हुआ है, उसके उस व्यक्ति के इरादों पर सवाल उठाने की संभावना कम होती है। यह भावनात्मक कोहरा संदेह को कम करता है और वफादारी को बढ़ाता है - यहाँ तक कि दुश्मन देश के उद्देश्य के प्रति भी। उन्होंने कहा कि जासूसी में रोमांस और सेक्स का उपयोग हमेशा प्रलोभन के लिए नहीं होता है। कभी-कभी यह बहाने के तहत दीर्घकालिक संबंध बनाने के बारे में होता है। ये महीनों या सालों तक चल सकते हैं, जिसमें ऑपरेटिव पति या पत्नी या प्रेमी के रूप में पेश होता है। यह विशेष रूप से प्रभावी है क्योंकि समय के साथ विश्वास गहरा होता है, जिससे लक्ष्य द्वारा साझा की जाने वाली जानकारी की गुणवत्ता और मात्रा बढ़ जाती है।

उन्होंने कहा कि हनी ट्रैपिंग जासूसी का एक परिष्कृत रूप है जो मानवीय भावनाओं और कमजोरियों का फायदा उठाता है। उन्होंने कहा, जैसे-जैसे डिजिटल संचार विकसित होता रहेगा, वैसे-वैसे दुर्भावनापूर्ण अभिनेताओं द्वारा अपनाई जाने वाली रणनीति भी विकसित होती रहेगी। सतर्क रहकर, जागरूकता को बढ़ावा देकर और सख्त सुरक्षा उपायों को लागू करके, हम इन डिजिटल प्रलोभनों से व्यक्तियों की रक्षा कर सकते हैं और राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा कर सकते हैं। याद रखें, जासूसी की दुनिया में, हर चमकने वाली चीज सोना नहीं होती - कभी-कभी, यह एक जाल होता है।

शुभ लाभ का वार्षिक सब्सक्रिप्शन लें और उतने ही मूल्य का विज्ञापन छपवाएं

शुभ लाभ R. No. 5305
SPACE COUPON Rs. 2500/-
Worth of 1 Advertisement 10x10 Sq. Cm. in Shubh Labh
Validity : 1 Year from the time of Issue
SUBSCRIPTION FORM
Name : ....
Period of Subscription : Annual Rs. 2500/-
Mode of Payment : CHEQUE / D.D.
Cheque No. & Date .... Drawn ....
Name of the Executive....................
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, T19 Towers, Ranigunj, Secunderabad-500 003 (T.S.)

सुधि पाठकों को यह सूचित करना है कि हिंदी दैनिक शुभ लाभ वार्षिक सब्सक्रिप्शन स्कीम में आंशिक फेरबदल के साथ नये सिरे से सदस्यता अभियान शुरू कर रहा है। रुपये 2500/- के सालाना सब्सक्रिप्शन पर आप निर्धारित अवधि में रुपये 2500/- मूल्य (10X10 वर्ग सेंटीमीटर) का विज्ञापन निःशुल्क प्रकाशित करा सकते हैं। सब्सक्रिप्शन कूपन की प्रकाशित फोटो के अनुरूप आप अपनी प्राप्ति-रसीद प्राप्त कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए 8688868345 पर संपर्क करें। - प्रबंधक

सूचना : सुधि पाठकों और विज्ञापनदाताओं से आग्रह है कि वे वार्षिक सब्सक्रिप्शन एवं विज्ञापन की राशि ऑनलाइन ट्रांजैक्शन के जरिए सीधे संस्थान के बैंक खाते में डालें या बार-कोड द्वारा भेजें...

A/C Holder Name : Shree Siddivinayak publications
Bank Name : City Union Bank OD Account
A/c.No. : 512120020029300
Branch : Balanagar, Hyderabad
IFS Code : CIUB0000464

SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Hyderabad Balanagar

राजीव युवा विकासम स्वीकृति पत्रों का वितरण 2 जून को

हैदराबाद, 27 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने अधिकारियों को 2 जून को पूरे राज्य में राजीव युवा विकासम योजना स्वीकृति पत्र वितरण कार्यक्रम आयोजित करने का निर्देश दिया।मंगलवार को यहां समीक्षा बैठक में उन्होंने कहा कि सभी विधानसभा क्षेत्रों में 2 से 9 जून तक चयनित लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र वितरित किए जाएं। 10 से 15 जून तक जिला एवं विधानसभा स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जाएं। 15 जून के बाद ग्राउंडिंग प्रक्रिया (स्वीकृत सहायता का क्रियान्वयन) को व्यवस्थित तरीके से चलाया जाए।भट्टी विक्रमार्क ने कहा, उद्देश्य 2 जून को राजीव युवा विकासम योजना शुरू करना और 2 अक्टूबर को गांधी जयंती तक पांच लाख युवाओं को स्वरोजगार के साथ सशक्त बनाना है। उन्होंने कहा कि गिग वर्कर बनने के इच्छुक शहरी युवाओं को राजीव युवा विकास योजना के तहत दोपहिया वाहन खरीदने का अवसर दिया जाएगा।

तेलंगाना में 100 से अधिक सरकारी जूनियर कॉलेजों का भविष्य अंधकारमय

हैदराबाद, 27 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राज्य भर में तेलंगाना सरकार द्वारा संचालित 100 से अधिक जूनियर कॉलेजों का भविष्य अंधकारमय है, क्योंकि उन्होंने शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के लिए तेलंगाना बोर्ड ऑफ इंटरमीडिएट एजुकेशन (टीजी बीआईई) से संबद्धता के लिए अभी तक आवेदन नहीं किया है।

सबसे चिंताजनक बात यह है कि जिन कॉलेजों ने संबद्धता के लिए आवेदन नहीं किया है, उनमें से 62 कॉलेज कल्याण आवासीय शिक्षण संस्थान समितियों द्वारा संचालित हैं। बिना विलंब शुल्क के संबद्धता के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 4 मई को समाप्त हो गई।

शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के लिए संबद्धता प्रदान करने के लिए सभी जूनियर कॉलेजों से

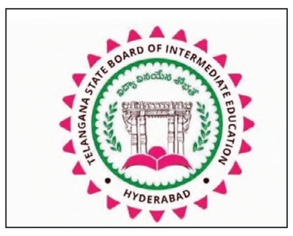

आवेदन आमंत्रित करने वाली बोर्ड की अधिसूचना के जवाब में, 233 बीसी कल्याण जूनियर कॉलेजों ने संबद्धता मांगी, जबकि पिछले शैक्षणिक वर्ष में 261 कॉलेजों ने आवेदन किया था। इसका मतलब है कि 28 ने अभी तक आवेदन जमा नहीं किया है। इसी तरह, 237 समाज कल्याण जूनियर कॉलेजों में से चार ने संबद्धता के लिए आवेदन नहीं किया, 204 अल्पसंख्यक जूनियर कॉलेजों में से 16 ने और 128 आदिवासी कल्याण जूनियर कॉलेजों में से 14 ने आवेदन नहीं किया।इसके अलावा अनाथ, अर्ध-अनाथ लड़कियों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों की लड़कियों के लिए स्थापित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी) की स्थिति कल्याणकारी शैक्षणिक संस्थानों से बेहतर नहीं है। इस साल अब तक 283 केजीबीवी में से केवल 249 ने ही बोर्ड की संबद्धता के लिए आवेदन किया है।सभी जूनियर कॉलेजों के लिए बोर्ड से संबद्धता लेना अनिवार्य है, चाहे उनका प्रबंधन कुछ भी हो। संबद्धता के अभाव में, कॉलेजों को टीजी बीआईई द्वारा प्रवेश लॉगिन प्रदान नहीं किया जाएगा, और ऐसे जूनियर कॉलेजों में शामिल होने वाले छात्रों को इंटरमीडिएट सार्वजनिक परीक्षाओं में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

निजी कॉलेज भी इसी कतार में हैं। बोर्ड के संबद्धता आवेदनों की त्वरित जांच से पता चलता है कि 77 निजी जूनियर कॉलेजों ने आवेदन नहीं किया। पिछले शैक्षणिक वर्ष में 1,415 निजी जूनियर कॉलेजों को मंजूरी दी गई थी, जबकि शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के लिए 1,338 निजी कॉलेजों ने आवेदन जमा किए हैं।

निजी जूनियर कॉलेजों की संख्या 2023-24 में 1,482 से घटकर 2024-25 में 1,415 हो गई है, जो दर्शाता है कि उस शैक्षणिक वर्ष के दौरान 67 कॉलेज बंद हो गए हैं।

कुल मिलाकर, विभिन्न प्रबंधन के तहत 183 जूनियर कॉलेजों ने अभी तक संबद्धता नहीं मांगी है। संबद्धता अधिसूचना के अनुसार, 15,000 रुपये और 20,000 रुपये की विलंब शुल्क के साथ आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि क्रमशः 1 और 8 जून है।

आदिवासी कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत जल्द ही संस्कृति विभाग की स्थापना की जाएगी : सीताक्का

निर्मल, 27 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना पंचायत राज, ग्रामीण विकास, महिला एवं बाल कल्याण मंत्री डॉ. दानसारी अनसूया सीताक्का ने घोषणा की कि आदिवासी समुदायों की पहचान, गरिमा और विरासत को संरक्षित करने के लिए आदिवासी कल्याण विभाग के अंतर्गत जल्द ही एक समर्पित संस्कृति विभाग की स्थापना की जाएगी।

निर्मल जिले के लोकेश्वरम गांव में आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी कोमाराम भीम की प्रतिमा के अनावरण समारोह में बोलते हुए सीताक्का ने कोमाराम भीम के प्रतिष्ठित नारे जल, जंगल, ज़मीन के महत्व पर जोर दिया, जिसके बारे में उन्होंने कहा कि इसने न केवल तेलंगाना आंदोलन को प्रेरित किया बल्कि आदिवासी अधिकारों और आत्मनिर्भरता के संघर्ष का भी प्रतीक है।यह कार्यक्रम नायक बोड जनजाति द्वारा

आयोजित किया गया था और मंत्री ने इस अवसर पर आदिवासी परंपराओं, भाषाओं, पोशाक, लोककथाओं और देवताओं को संरक्षित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि गोंड, कोलम और लम्बाडा जैसी जनजातियों को आदिलाबाद जिले में व्यापक रूप से मान्यता प्राप्त है, लेकिन नायक बोड जनजाति जैसे कम प्रसिद्ध समुदाय अभी भी अपरिचित और हाशिए पर हैं। आदिवासी भाषाओं के धीरे-धीरे विलुप्त होने पर चिंता व्यक्त करते हुए, उन्होंने वारंगल जिले में कोया भाषा का उदाहरण दिया और दुख जताया कि मुलुगु जैसे क्षेत्रों में भी इसी तरह की प्रवृत्ति देखी जाती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भाषा और संस्कृति आदिवासी पहचान के लिए महत्वपूर्ण हैं और उन्हें संरक्षित किया जाना चाहिए। मंत्री सीताक्का ने यह भी कहा कि जिला स्तर के अधिकारी भी अक्सर नायक बोड जैसे कुछ आदिवासी समूहों से अनजान होते हैं। उन्होंने समुदाय से मान्यता और दृश्यता प्राप्त करने के लिए एकजुट रहने का आग्रह किया, उन्होंने कहा कि अधिकारियों और सार्वजनिक नेताओं से प्रतिनिधित्व और समर्थन के लिए ऐसी एकता आवश्यक है। उन्होंने नायक बोड जनजाति को आधिकारिक मान्यता प्रदान करने और उन्हें चल रही जाति जनगणना में अनुसूचित जनजाति श्रेणी में शामिल करने के लिए मुख्यमंत्री और वरिष्ठ अधिकारियों से पैरवी करने का वादा किया। उन्होंने नकली एसटी प्रमाणपत्रों के दुरुपयोग के खिलाफ भी चेतावनी दी और ऐसी प्रथाओं को रोकने के लिए सतर्कता बरतने का आह्वान किया। शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने सभी जातियों और समुदायों के परिवारों से अपने बच्चों के लिए स्कूली शिक्षा को प्राथमिकता देने का आग्रह किया और आश्वासन दिया कि सरकार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, पिछड़ी जातियों, महिलाओं और आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्गों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने नायक बोड़ समुदाय को आमंत्रित किया कि अगर उन्हें कोई कठिनाई आती है तो वे सीधे उनसे संपर्क करें।

उपमुख्यमंत्री भट्टी कल कर्मचारियों के मुद्दों पर अहम बैठक की अध्यक्षता करेंगे

हैदराबाद, 27 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राज्य सरकार के कर्मचारियों के सामने आने वाले मुद्दों को हल करने के लिए एक सक्रिय कदम उठाते हुए, तेलंगाना सरकार द्वारा नियुक्त एक उच्च स्तरीय समिति ने उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क को विभिन्न कर्मचारी शिकायतों और यूनियन की मांगों के बारे में जानकारी दी है।

सीसीएलए सचिव नवीन मित्तल, पंचायत राज सचिव लोकेश कुमार और ट्रांसको के सीएमडी कृष्ण भास्कर वाली समिति ने हाल ही में विभिन्न कर्मचारी यूनियनों के नेताओं के साथ चर्चा की। समिति ने अपनी चिंताओं और सुझावों को रेखांकित करते हुए प्रतिनिधित्व एकत्र किए।

मंगलवार को, समिति ने प्रजा भवन में उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क से मुलाकात की और यूनियनों द्वारा उठाए गए मुद्दों का एक व्यापक अवलोकन प्रस्तुत किया।उपमुख्यमंत्री, जो कर्मचारी मुद्दों के लिए उप-समिति के अध्यक्ष के रूप में भी कार्य करते हैं, ने घोषणा की कि चिंताओं पर विचार-विमर्श करने और समाधान तलाशने के लिए 29 मई को एक उप-समिति की बैठक आयोजित की जाएगी।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि उन्होंने अधिकारियों की समिति को आगामी बैठक में प्रस्तावित प्रस्तावों के साथ मुद्दों पर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया, तथा कर्मचारी कल्याण को संरचित और समयबद्ध तरीके से संबोधित करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर बल दिया।

भाजपा ने तेलंगाना सरकार से राज्य के विकास के लिए केंद्र के साथ सहयोग करने का आग्रह किया

हैदराबाद, 27 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। भाजपा तेलंगाना के उपाध्यक्ष डॉ एनवीएसएस प्रभाकर ने मंगलवार को राज्य सरकार से तेलंगाना के विकास के लिए केंद्र के साथ समन्वय में काम करने का आग्रह किया, उन्होंने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी की आल-ोचना की कि वे राज्य के ज्वलंत मुद्दों को संबोधित करने के बजाय बार-बार केंद्र सरकार पर निशाना साध रहे हैं।नामपल्ली में भाजपा के राज्य कार्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए, डॉ प्रभाकर ने 10वीं नीति आयोग की बैठक में रेवंत रेड्डी की भागीदारी का स्वागत किया, इसे एक सकारात्मक कदम और संघीय भावना का संकेत बताया।

हालांकि, उन्होंने बैठक के विकासात्मक एजेंडे के अनुरूप तेलंगाना में एमएसएमई के लिए लंबित बिजली, इनपुट और वित्त

सब्सिडी को तुरंत जारी करने की मांग की।उन्होंने कांग्रेस के नेतृत्व वाली राज्य सरकार पर पंचायती राज, कृषि, स्वास्थ्य और महिला कल्याण जैसे क्षेत्रों में कई केंद्रीय योजनाओं के कार्यान्वयन में बाधा डालने और नागरिकों को उनके लाभों से वंचित करने का आरोप लगाया। राजस्व केंद्र के रूप में हैदराबाद के महत्व पर जोर देते हुए, डॉ. प्रभाकर ने कहा कि केंद्र की प्रस्तावित शहरी विकास पहलों में शहर को विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। भाजपा नेता ने बीआरएस नेताओं पर भी तीखा हमला किया और केसीआर, केटीआर, हरीश राव और कविता के इस्तीफे की मांग की, जो सभी कथित तौर पर कलेश्वरम परियोजना और शराब घोटाले सहित भ्रष्टाचार के मामलों में शामिल हैं। उन्होंने कहा कि बीआरएस नेतृत्व नैतिक और राजनीतिक रूप से विफल हो गया है और जांच पूरी होने तक उन्हें सार्वजनिक पदों से हट जाना चाहिए। डॉ. प्रभाकर ने भ्रष्ट नेताओं को बचाने के लिए कांग्रेस और बीआरएस के बीच राजनीतिक समझौते का आरोप लगाया और चेतावनी दी कि भाजपा दोनों दलों को बेनकाब करना जारी रखेगी। उन्होंने राष्ट्रीय मुद्दों पर चुप्पी और संविधान विरोधी तत्वों के साथ गठबंधन के लिए वामपंथी दलों की भी आलोचना की और दावा किया कि उन्होंने पूरे देश में प्रासंगिकता खो दी है।

तेलंगाना में मानसून का कहर जारी

30 मई तक भारी से बहुत भारी बारिश का अलर्ट

हैदराबाद, 27 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। दक्षिण-पश्चिम मानसून तेलंगाना में आगे बढ़ रहा है और मंगलवार की सुबह से ही कई जिलों में भारी बारिश हो रही है।

मंगलवार रात हैदराबाद में कई स्थानों पर भारी बारिश दर्ज की गई, जबकि करीमनगर, महबूबनगर, राजन्ना सिरसिला, जगतियाल, जंगों और भद्राद्री कोठागुडेम सहित कई जिलों में मंगलवार को 100 मिमी से अधिक बारिश हुई।

आईएमडी-नई दिल्ली बुलेटिन में कहा गया है, मानसून की उत्तरी सीमा मुंबई, पुणे, शोलापुर, महबूबनगर और कावली से होकर गुज़र रही है। अगले 24 से 48 घंटों में महाराष्ट्र, कर्नाटक, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के शेष हिस्सों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियाँ अनुकूल हैं।

मंगलवार को खसमीपेट, करीमनगर (114.33 मिमी), नामपल्ले, राजन्ना सिरसिला (107.8 मिमी), जगतियाल (102.5 मिमी), भद्राद्री कोठागुडेम के गुंडाला और जनगांव के गुडूर में 100-100 मिमी बारिश दर्ज की गई।

इस बीच, आईएमडी-हैदराबाद ने 30 मई तक आदिलाबाद, खम्मम, मनचेरियल, निर्मल, निज़ामाबाद, जगतियाल, राजन्ना सिरसिला, जनगांव, सिद्दीपेट, जयशंकर भूपालपल्ली, मुलुगु, भद्राद्री कोठागुडेम और खम्मम जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। आईएमडी-हैदराबाद ने 30 मई तक कई अन्य जिलों के लिए भी भारी बारिश की चेतावनी जारी की है।

केटीआर ब्रिटेन व अमेरिका यात्रा पर रवाना

हैदराबाद, 27 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामा राव (केटीआर) तेलंगाना स्थापना दिवस समारोह और पार्टी के रजत जयंती समारोह सहित कई अन्य कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए ब्रिटेन और अमेरिका की यात्रा के लिए रवाना हो गए हैं।पार्टी के मंगलवार को यहां जारी एक बयान के मुताबिक ब्रिटेन में लंदन में केटीआर ब्रिज इंडिया द्वारा आयोजित 'इंडिया वीक 2025' में मुख्य भाषण देंगे जहां वह बीआरएस के शासन में तेलंगाना के विकास मॉडल पर प्रकाश डालेंगे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.